विशद प्रकाशन सूची

A DESCRIPTIVE CATALOGUE

2025

Publication Unit

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Central University

Accredited by NAAC with 'A' Grade

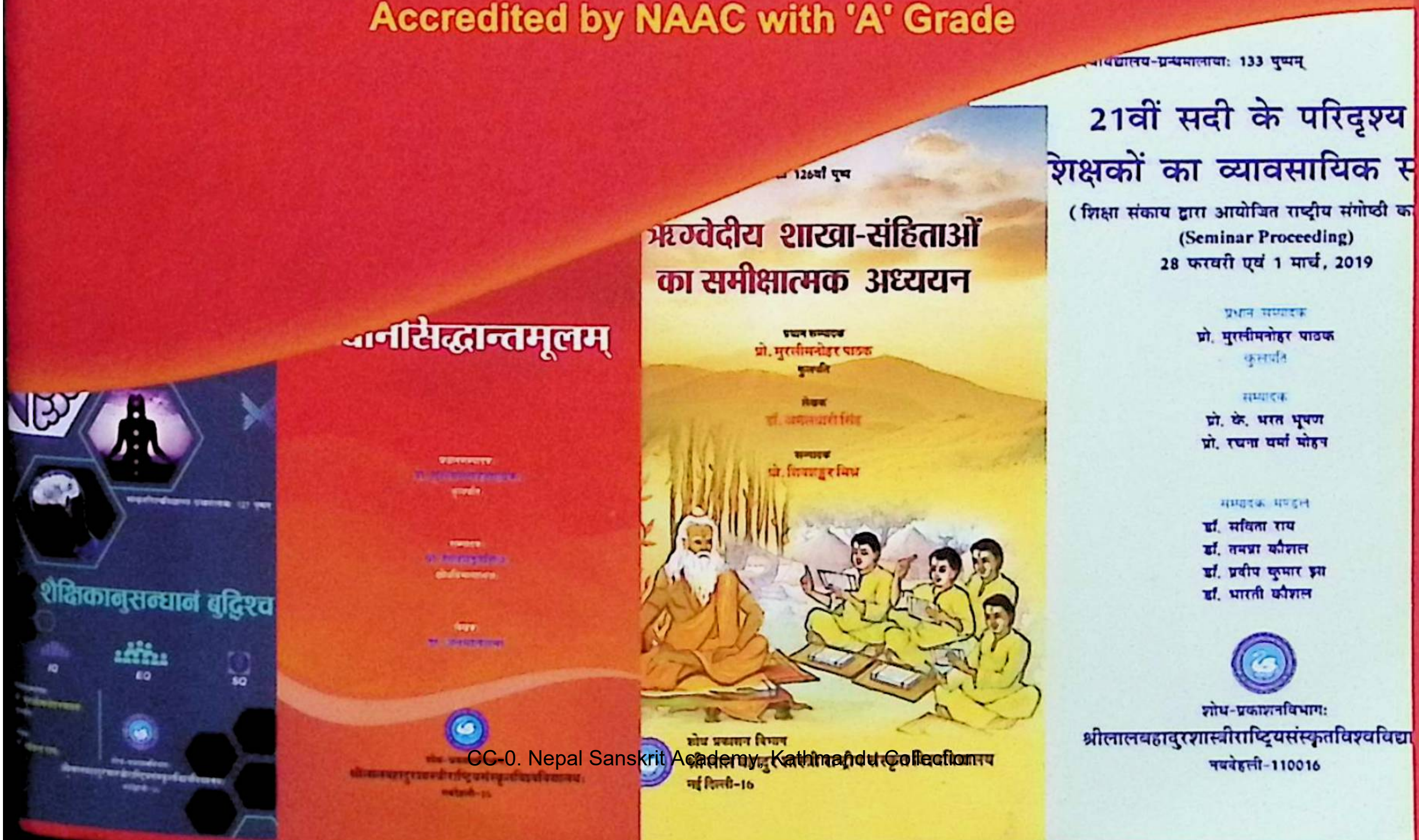

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)

बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

विश्वविद्यालयेन अधोलिखिताः इमे नियमितांशकालीनपाठ्यक्रमाः सञ्चाल्यन्ते-

नियमितपाठ्यक्रमाः

क्र.सं.	पाठ्यक्रमस्य नाम	विषयाः
1.	स्नातकपाठ्यक्रमाः (बी.ए.)	वेदः, पौरोहित्यम् (कर्मकाण्डः), धर्मशास्त्रम्, प्राचीनव्याकरणम्, नव्यव्याकरणम्, फलितज्योतिषम्, सिद्धान्तज्योतिषम्, वास्तुशास्त्रम्, प्राचीनन्यायः, नव्यन्यायः, सर्वदर्शनम्, साङ्ख्ययोगः, अद्वैतवेदान्तः, विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, जैनदर्शनम्, मीमांसा, साहित्यम्, पुराणेतिहासः, योगः, प्राकृतञ्च।
2.	स्नातकोत्तरपाठ्यक्रमाः (एम.ए.)	वेदः, पौरोहित्यम् (कर्मकाण्डः), धर्मशास्त्रम्, प्राचीनव्याकरणम्, नव्यव्याकरणम्, फलितज्योतिषम्, सिद्धान्तज्योतिषम्, वास्तुशास्त्रम्, प्राचीनन्यायः, नव्यन्यायः, सर्वदर्शनम्, साङ्ख्ययोगः, अद्वैतवेदान्तः, विशिष्टाद्वैतवेदान्तः, जैनदर्शनम्, मीमांसा, साहित्यम्, पुराणेतिहासः, योगः, हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्रम्, हिन्दू-अध्ययनम्, प्राकृतञ्च।
3.	शिक्षाशास्त्रपाठ्यक्रमाः	शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) शिक्षाचार्यः (एम.एड.)
4.	विद्यावारिधिपाठ्यक्रमाः (पी-एच.डी.)	समस्तशास्त्रीयविषयाः।

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

विशद प्रकाशन सूची

A DESCRIPTIVE CATALOGUE

2025

Publication Unit

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Central University

Accredited by NAAC with 'A' Grade

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

प्रकाशकः

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

© प्रकाशकाधीन

प्रकाशनवर्षम् : 2025

मुद्रकः

डी.वी. प्रिन्टर्स

97-यू.बी., जवाहरनगरम्, देहली-110007

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110016

भारत की राजधानी में विगत 60 वर्षों से यह विश्वविद्यालय संस्कृत की सेवा में अनवरत संलग्न है तथा अध्ययन, अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान के साथ ही संस्कृत-साहित्य की विभिन्न धाराओं पर कतिपय मानक ग्रन्थों का प्रकाशन भी कर रहा है। दुर्लभ एवं मौलिक ग्रन्थों शोध-प्रबन्धों, टीका-भाष्यादि से संकलित, नवीन उद्भावनामूलक तथा विशिष्ट चिन्तन से अनुप्राणित संस्कृत साहित्य का उत्कृष्ट-प्रकाशन हो यही हमारा प्रमुख ध्येय है।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों पर मुद्रित मूल्य में 40 प्रतिशत छूट की व्यवस्था है। डाक द्वारा मंगाये जाने पर डाक व्यय देय होगा।

SRI LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY

(Central Universty)

New Delhi-110016

The University is engaged in the continuous service of Sanskrit in the Capital City of India since last sixty eight years and apart from imparting Sanskrit teaching, education, studies and research activities, it is also engaged in the publication of various standard granthas relating to different branches of Sanskrit literature. It is our endeavors to publish and conveniently make available the authentic commentaries, literatures and granthas containing rare, original and research oriented thinking.

Discount allowed on all publications of University 40%. Postage will be payable if ordered by Post.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की विशद प्रकाशन सूची

संस्कृत के प्रचार प्रसार और उसके संरक्षण के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने संस्कृत साहित्य की अभिवृद्धि के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

1965-66 सत्र में भारत सरकार ने विश्वविद्यालय को शोध संस्थान के रूप में मान्यता दी। इसी वर्ष से प्रकाशन के कार्य का श्रीगणेश हुआ। इस क्रम में म.म. श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी द्वारा लिखित 'प्रमेयपारिजात' और 'पुराणपारिजात' इन दो ग्रन्थों का प्रकाशन भारत सरकार के सहयोग से किया गया तथा अक्टूबर, 1964 में प्रदत्त चतुर्वेदी जी के सात व्याख्यानों का 'वैदिक विज्ञान' के नाम से हिन्दी व संस्कृत में प्रकाशन किया गया। ये तीनों ग्रन्थ 7 अगस्त, 1965 ई. को प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री को समर्पित किये गये।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ से अब तक किए गए विशिष्ट प्रकाशनों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है :-

DESCRIPTIVE CATALOGUE OF PUBLICATIONS

The University has been continuously contributing to the cause of promotion and propagation of Sanskrit language since its inception.

Govt. of India recognised this University as a Research Institute during session 1965-66. It started its publication work from this very year. Under publication series Prameya-Parijata and Purana Parijata written by M.M. Shir Giridhar Sharma Chaturvedi were published in collaboration with Govt. of India. Besides, book titled Vaidika Vigan was also published in Hindi and English languages which is a collection of seven lectures delivered by : Chaturvedi in 1964. These three books were presented to the then Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri on 7th August 1965.

This book is composed by M.M. Giridhar Sharma Chaturvedi. It Contains answers to many questions related to Puranas. Cultural and literary importance of Puranas has been explicitly established in a very lucid manner by the author.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

1. **अजातशत्रु** **मूल्य : 26.00**

संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा में डॉ. श्रीनाथ हसूरकर द्वारा विरचित यह ग्रन्थ स्वयं में अद्वितीय है। ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित यह ग्रन्थ संस्कृत वाङ्मय में नवीन साहित्य के प्रभाव को आगे बढ़ाने वाला है।

AJATASHATRU **Rs.26.00**

This is a Prose-Poem written by renowned scholar Dr. Shrinatha Hasurkar on the basis of historical events. This has enriched the Sanskrit literature and revolutionised the style of prose writing in sanskrit.

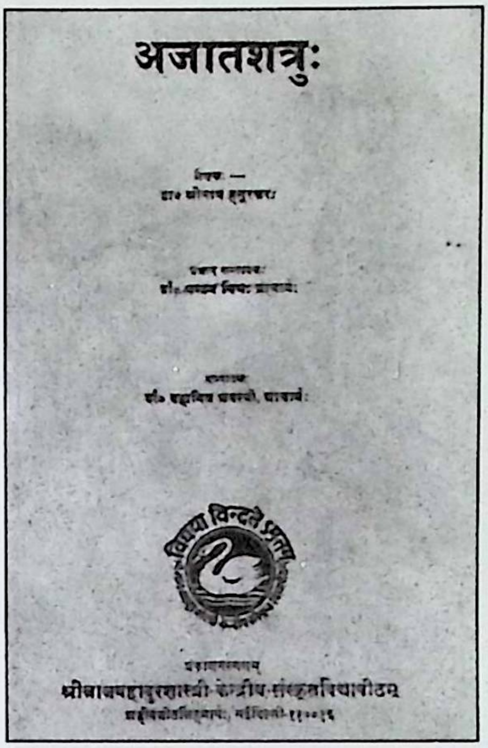

---

2. **अथर्वसंहिता विधान**

पं. केशवदेव शास्त्री जी द्वारा विरचित इस ग्रन्थ में विस्तारपूर्वक अथर्ववेद में विहित विधि–विधानों का वर्णन किया गया है। ग्रन्थकार ने अथर्ववेद में वर्णित विविध विधानों का अत्यन्त संक्षिप्त किन्तु स्पष्ट विवरण प्रस्तुत किया है।

ATHARVA-SAMHITA-VIDHANA

In this scholarly work, the author Pt. Keshav Dev Shastri has given a detailed account of rituals as described in Atharvaveda.

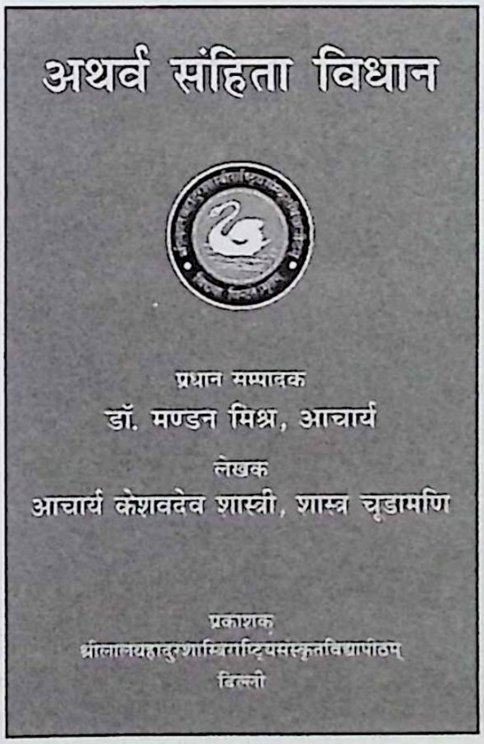

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

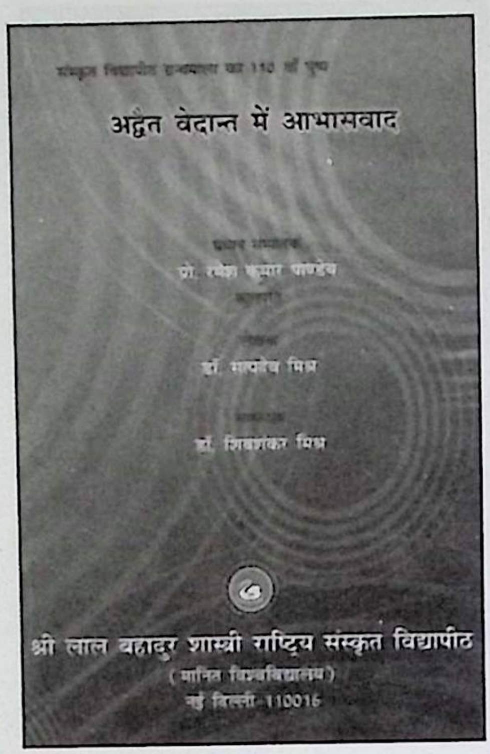

3. **अद्वैत वेदान्त में आभासवाद**

मूल्य 410.00

अद्वैत वेदान्त में आभासवाद का प्रामाणिक ग्रन्थ है। प्रो. सत्यदेव मिश्र द्वारा रचित है। ग्रन्थ में उपनिषदों से आभासवाद की उत्पत्ति सिद्ध करते हुए शंकर, सुरेश्वर, सर्वज्ञात्मन्, आनन्दगिरि तथा विद्यारण्य प्रभृति अद्वैताचार्यों के आभास-प्रस्थानों का प्रामाणिक निरूपण है।

ADWAIT VEDANT MEIN ABHASVAD Rs. 410.00

This book is a research work by renowned scholar Prof. Satyadev Mishra. Justifying the origin of Abhasvad from the Upanishads it dicusses the opinions of Shankar, Sureshwar, etc.

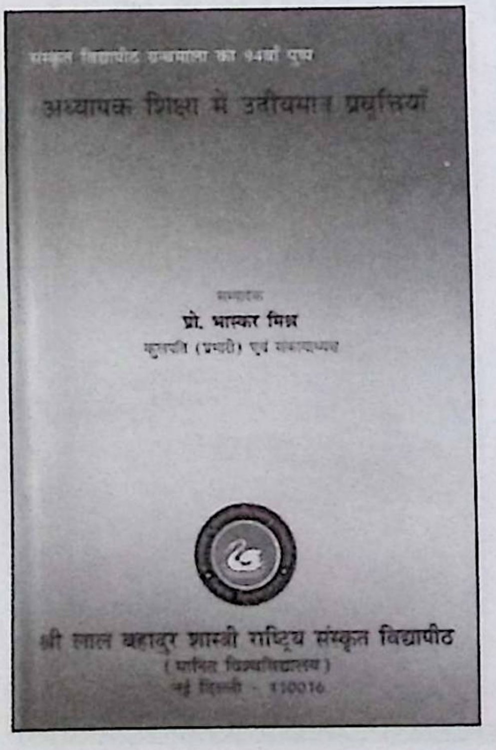

4. **अध्यापक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ**

मूल्यः 280.00

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 39 शोध निबंधों का संग्रह है। इसका सम्पादन प्रो. भास्कर मिश्र ने किया है।

ADHYAPAK SHIKSHA MEIN UDIYAMAN PRAVRITTIYAN

Rs. 280.00

Edited by Prof. Bhaskar Mishra, this book is a collection of 39 research papers presented during seminar organized by the department of Education.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

5. **अध्यापक शिक्षा में मूल्यमीमांसा वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ**

मूल्यः 325.00

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित मार्च, 2015 में संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 55 शोध निबंधों का संग्रह है। इसका सम्पादन प्रो. रमेश प्रसाद पाठक ने किया है।

ADHYAPAK SHIKSHA MEIN MULYAMIMANSA-VARTMAN PARIPREKSHYA EVAM CHUNAUTIYA **Rs. 325.00**

Edited by Prof. Ramesh Prasad Pathak, this book is a collection of 55 research papers presented during seminar organized by the department of Education, in March, 2015.

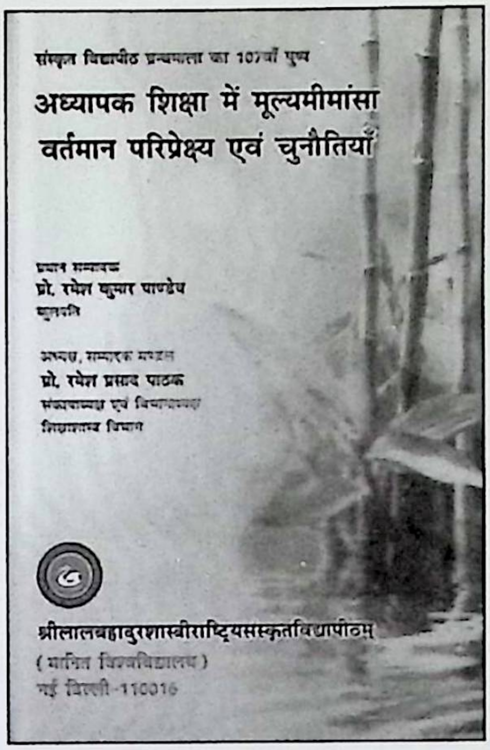

---

6. **अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्ति (चार भाग)**

यह ग्रन्थ मीमांसा दर्शन के आचार्य श्री पं० पट्टाभिराम शास्त्री जी के सम्पादकत्व में चार भागों में प्रकाशित हुआ है। श्री वासुदेव दीक्षित द्वारा विरचित इस ग्रन्थ में श्रौत पदार्थों का समुचित उपपादन करते हुए अतिगहन विषय को सरल शैली में समझाया गया है। अनेक ताड़पत्रीय पाण्डुलिपियों के आधार पर विशुद्ध पाठालोचन को 1802 पृष्ठों का एक अमूल्य रत्न प्रदान किया है।

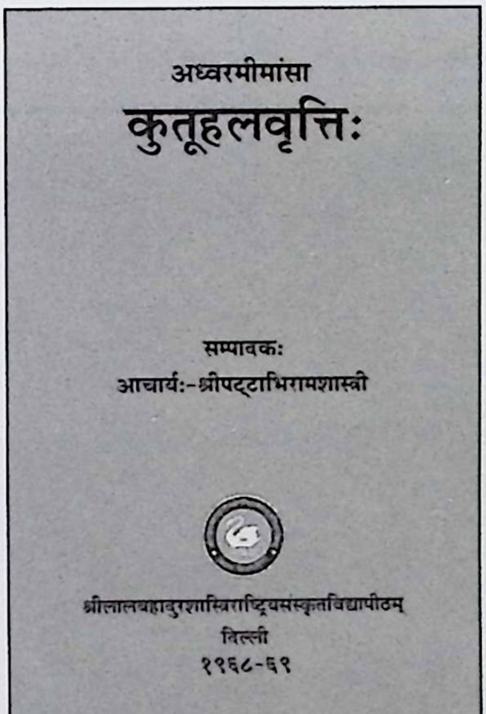

ADDHVARA-MIMANSA-KUTUHALAVRITTI

This book on the Mimanasa-sutra was composed by Acharya Vasudeva Diksita in the last quarter of 16th century A.D. under the patronage of the ruler of Tanjaur. The book has now been published in four parts. Darshapurnamasa, Jyotistoma, etc. in a comprehensive manner.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

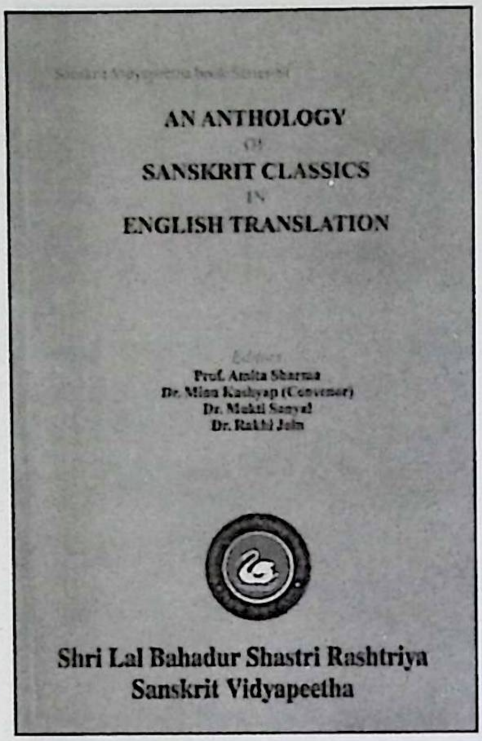

7. AN ANTHOLOGY OF SANSKRIT CLASSICS IN ENGLISH TRANSTATION Rs. 80.00

उक्त ग्रन्थ दो भागों में प्रकाशित है प्रथम भाग में अनुवाद की आवश्यक विधि एवं सम्पादन विधि है तथा द्वितीय भाग में संस्कृत भाषा में मूल ग्रन्थ अभिज्ञान शाकुन्तलम् का चतुर्थ अंक, मृच्छकटिकम् का प्रथम अंक, उत्तररामचरितम् का सप्तम अंक और उनका अंग्रेजी में अनुवाद है।

AN ANTHOLOGY OF SANSKRIT CLASSICS IN ENGLISH TRANSLATION Rs. 80.00

Comprising two parts, the first of this anthology discusses translation and editing and the second part incorporates the a original Sanskrit version of IV Act. of Abhijnan-shakuntalam, I Act. of Mrichcha-katikam & VII Act. of Uttarra-mcharitam with English rendering.

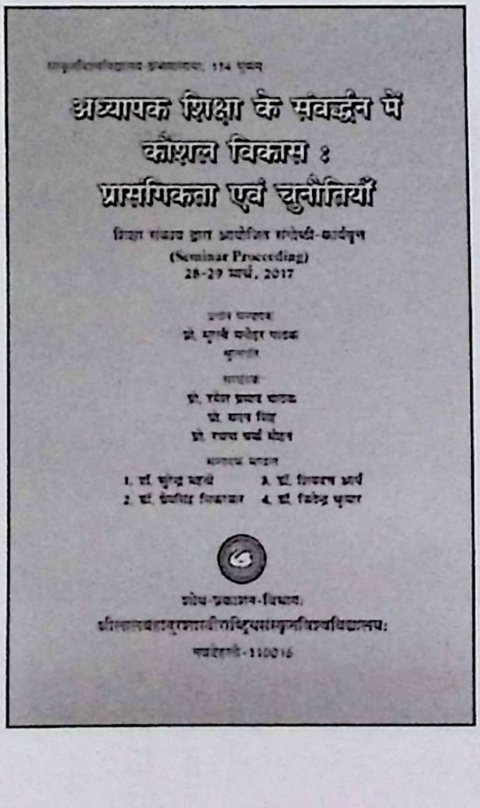

8. अध्यापक शिक्षा के संवर्धन में कौशल विकास : प्रासंगिकता एवं चुनौतियाँ मूल्य : 325.00

शिक्षा संकाय द्वारा दिनाङ्क 28-29 मार्च 2017 को 'अध्यापक शिक्षा संवर्धन में कौशल विकास : प्रासङ्गिकता एवं चुनौतियाँ' इस विषय पर आयोजित संगोष्ठी में पठित निबन्धों का संग्रह है।

ADHYAPAK SHIKSHA KE SAMVARDHAN MAIN KOSHAL VIKAS : PRASANGIKATA EVAM CHUNOUTIYAN Rs. 325.00

This is an anthology of thought provoking papers presented during the national seminar on "Skill Development for the enhancement of Teacher Education Relevance and Challenges", during 28-29 March, 2017.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

9. अनुसन्धानसम्पादनप्रविधिः

मूल्य : 500.00

अनुसन्धान एवं सम्पादन सम्बन्धी विभिन्न सिद्धान्तों को संस्कृत एवं हिन्दी दोनों भाषाओं में प्रो. रहसविहारीद्विवेदी द्वारा लिखा गया है। यह ग्रन्थ विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसके प्रधान सम्पादक माननीय मुरली मनोहर पाठक, सम्पाद प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय एवं सह सम्मादक प्रो. शिवशंकर मिश्र हैं।

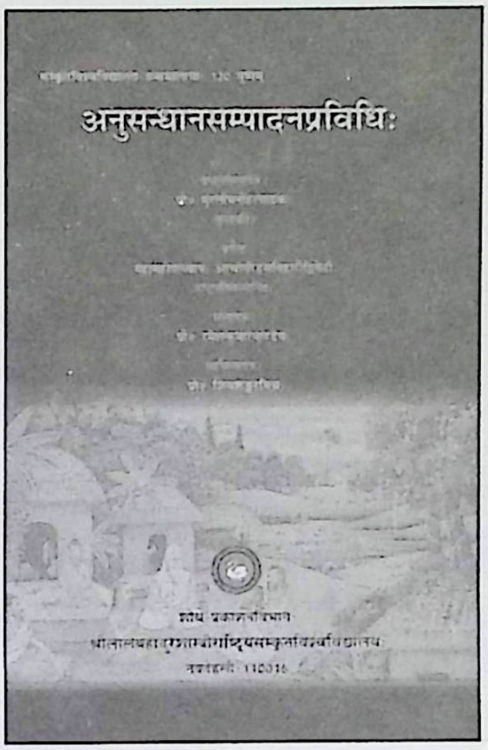

ANUSANDHAN SAMPADAN PRAVIDHI **Rs. 500.00**

In this Book various principles related to research were explained by Prof. Rahasvihari Dwivedi in both Sanskrit and Hindi languages. This book is very useful for the students of Vidyavaridhi coursework. It has been edited by Prof. Ramesh Kumar Pandey and co-edited by Prof. Shivshankar Mishra.

---

10. अभिनव क्रीडातरङ्गिणी

मूल्य : 11.00

विभिन्न प्रकार के खेलों पर लिखित संस्कृत में यह अपने ठंग का अनूठा ग्रंथ है, जिसे डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने अत्यन्त परिश्रम से लिखा है। इसमें देशी और विदेशी खेलों की प्रसिद्ध प्रचलित सारी विधायें दिखायी गयी हैं।

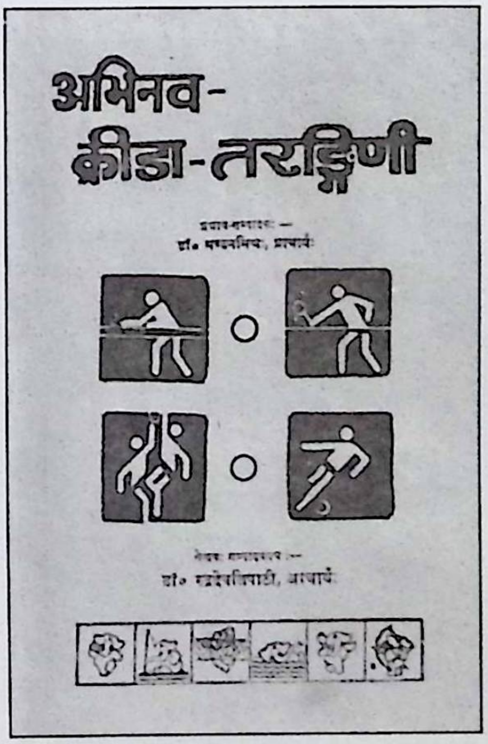

ABHINAVA-KREEDA-TARANGINI
Rs. 11.00

This a unique work on various types of games written in Sanskrit by Dr. R.D. Tripathi. It contains comprehensive description of famous national and international games.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

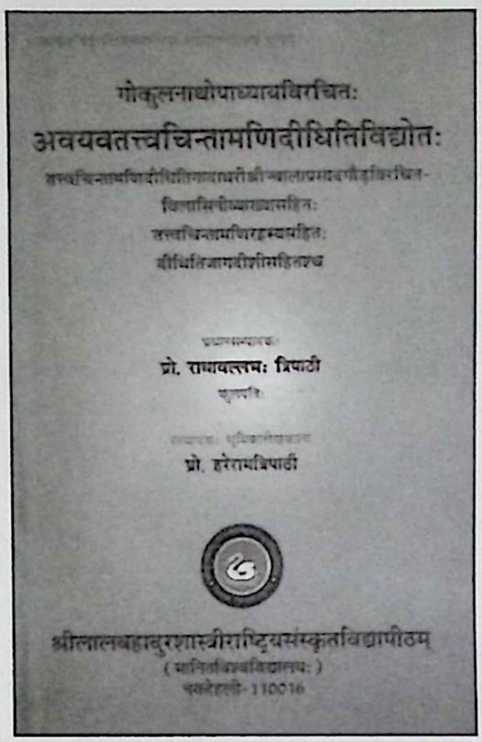

11. अवयवतत्त्वचिन्तामणिदीधितिविद्योतः

मूल्य : 300.00

गोकुलनाथोपाध्याय विरचित न्यायशास्त्रीय ग्रन्थ अवयव तत्त्वचिन्तामणि दीधितिविद्योत, तत्त्वचिन्तामणिदीधिति गादाधरी श्रीज्वाला-प्रसादगौड़ विरचित विलासिनी व्याख्या सहित तत्त्वचिन्तामणिरहस्य दीधिति जागदीशी व्याख्या के साथ मूल पाण्डुलिपि का सम्पादन प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने किया है। न्यायदर्शन के जिज्ञासुओं के लिये उपादेय ग्रन्थ है।

AVAYAVATATTVACHINTAMANI-DEEDHITIVIDYOTAH : Rs. 300.00

Composed by Gokulnath Upadhyaya, the original manuscript of this treatise is edited for the learners of Nyaya philosophy. It has been edited by Prof. Hareram Tripathi and is very relevant for learners of Naya Philosophy.

---

12. अहिंसा दर्शन **मूल्य : 160.00**

प्रस्तुत ग्रन्थ में राजनैतिक, सामाजिक तथा व्यावहारिक जीवन के क्षेत्रों में उसकी प्रासंगिकता तथा प्रयोगों पर सार्थक चिन्तन किया गया है। यह ग्रन्थ 10 अध्यायों में विभक्त है। डॉ. अनेकान्त कुमार जैन जी का अहिंसा पर चिन्तनपरक ग्रन्थ है।

AHIMSA - DARSHAN Rs. 160.00

This book explains Ahimsa in the light of thoughts of various thinkers and religions besides discussing its relevance in political, solcial and practical lives. It is diveded into ten chapters. It is a thought provoking book by Dr. Anekant Kumar Jain.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

13. इन्दिरा-कीर्ति-कौमुदी मूल्य : 55.00

डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी द्वारा चम्पूकाव्य परम्परा में विरचित यह ग्रन्थ स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। स्वर्गीय प्रधानमंत्री के प्रति श्रद्धापुष्पाञ्जलि रूप यह ग्रन्थ ऐतिहासिक तथ्यों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के भी विभिन्न पक्षों को उजागर करने के कारण अत्यन्त उपादेय है।

INDIRA-KIRTI-KAUMUDI Rs.55.00

It presents a vivid account of excellent life history of Late Smt. Indira Gandhi, our Ex-Prime Minister. This is composed in Champu style by Dr. Rudradev Tripathi. Smt. Indira Gandhi strived throughout her life for promotion of Sanskrit and Indian culture. This floral tribute to our late Prime Minister elucidates different aspects of Indian culture alongwith historical facts.

---

14. 21वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्द्धन मूल्य: 700.00

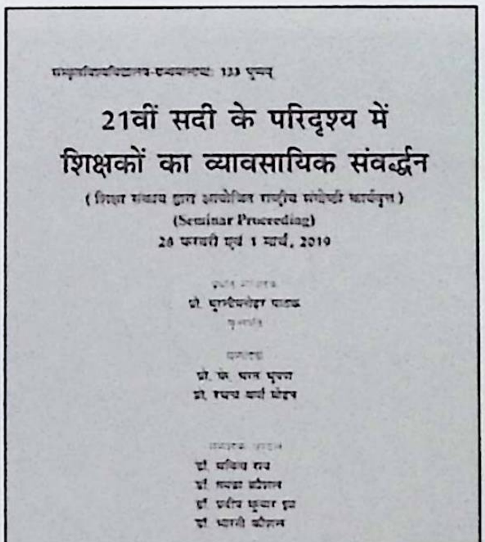

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 2019 में उपर्युक्त विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। संगोष्ठी में पठित निबन्धों में से 47 उत्कृष्ट शोधनिबन्धों का संग्रह रूप ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ अध्यापक के व्यावसायिक विकास को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका को दिशा प्रदान करता है।

21st SADI KE PARIDRISHYA MAIN SHIKSHKO KA VYAVSAYIK SAMVARDHAN RS.700

The Department of Education organized a two-day national seminar on the above-mentioned topic in 2019. This book is a collection of 47 excellent research essays read in the seminar. This book provides direction to the important role in ensuring the professional development of the teacher.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

15. ऋग्वेद-कवि-विमर्शः

इसमें भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के अध्ययन, मनन का सार प्रस्तुत करते हुये माईणकर जी ने वैदिक ऋषियों के कविरूप एवं वेदों के काव्यमय स्वरूप का मनोरम एवं प्रामाणिक अध्ययन प्रस्तुत किया है। इस ग्रन्थ के प्रतिपाद्य विषय तीन हैं- (क) वैदिककविमानसः पृष्ठभूमिः (ख) वैदिक-कवीनां काव्यविचारः (ग) वैदिककवीनां काव्यविषयकविचारः।

RIGVEDA-KAVI-VIMARSAH

It is a collection of three lectures delivered by Prof. Mainkar on the Sharadiya-Jnana-Mahotsava organised by Shri Lal Bahadur Shastri Kendriya Sanskrit Vidyapeetha, Delhi. It contains the enssence of the divergent views of the scholars of East and West regarding the Vedic Risis and the Vedic hymns in an authentic and original manner.

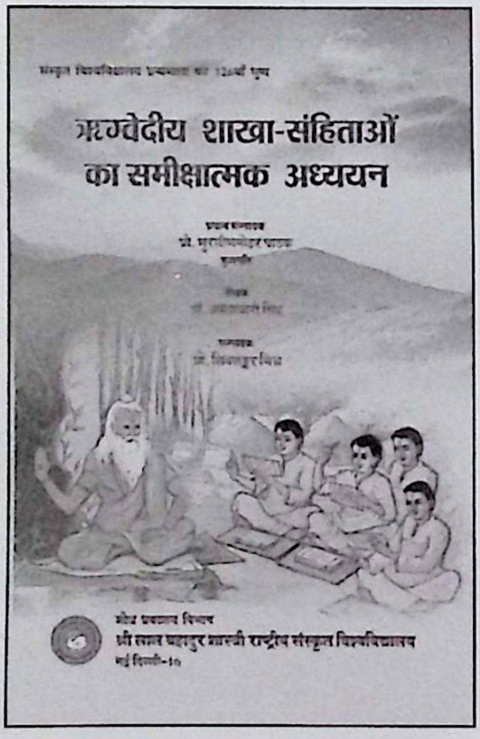

16. ऋग्वेदीय शाखा-संहिताओं का समीक्षात्मक अध्ययन

ऋग्वेद की शाकल, बाष्कल, आश्वलायन एवं शांखायन चार संहिताओं के स्वरूप के समीक्षात्मक अध्ययन को इस ग्रन्थ में प्रकाशित किया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से डॉ. अमलधारी सिंह ने इस विषय पर डी. लिट् की उपाधि प्राप्त की है। यह डी. लिट्, के शोधप्रबन्ध का परिष्कृत रूप है।

RIGVEDIYA SHAKHA-SAMHITAO KA SAMIKSHATMAK ADHYAYAN

A critical study of the format of the four Samhitas of the Rigveda, namely Shakal, Bashkal, Ashvalayana, and Shankhayana, has been published in this book. Dr. Amaldhari Singh has obtained the degree of D.Litt. on this subject from Kashi Hindu University, Varanasi- This is a refined form of the D.Litt dissertation.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

17. ऋतु इन संस्कृत लिट्रेचर

यह ग्रन्थ विश्वविश्रुत विद्वान् डॉ. वी. राघवन् के द्वारा शारदीय ज्ञान महोत्सव में दिये गये भाषणों का संग्रह है। वैदिक काल से लेकर लौकिक संस्कृत साहित्य के युग तक ऋतुवर्णन सम्बन्धी विशाल साहित्य इसमें उपलब्ध होता है।

RITU IN SANSKRIT LITERATURE

It is a collection of the learned lectures delivered by the renowned scholar Dr. V. Raghavan on the occasion of Saradiya-Jnana-Mahotsava held in 1971. Right from the Vedic literature down to the Classical period, Sanskrit has continuously enriched itself with the creative writings on the rtus (seasons).

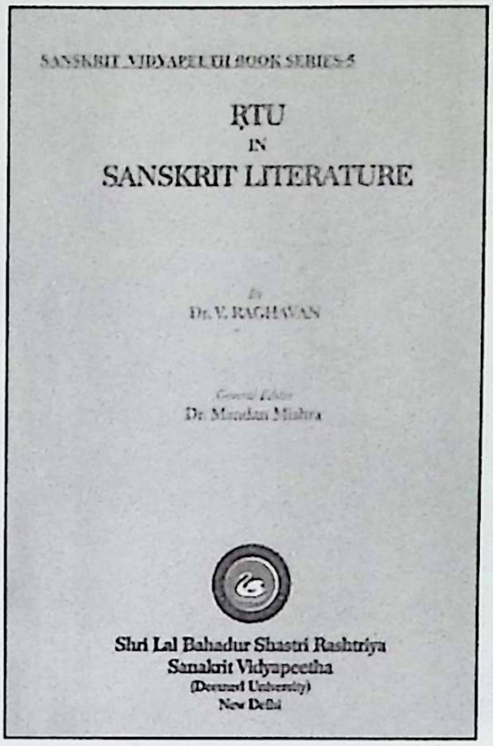

---

18. कात्यायनश्रौतसूत्रम् (दो भाग)

आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी के सम्पादकत्व में 'कात्यायन-श्रौतसूत्रम्' दो भागों में प्रकाशित हुआ है। संस्कृत वाङ्मय का यह अंश वेदों के क्रियाकलापों को समझने के लिये परमावश्यक होते हुये भी दुर्लभ होता जा रहा था उचित समय पर इसका सम्पादन एवं प्रकाशन कराकर विश्वविद्यालय ने संस्कृत वाङ्मय का महान् उपकार किया है।

KATYAYANA-SHRAUTA-SUTRAM (TWO PARTS)

This significant work edited by Pt. Acharya Pattabhiram Shastri has been published in two parts. Shraut-sutras are very useful to understand the Vedic rituals and it has fulfilled a long standing need of publication of such type of rare work.

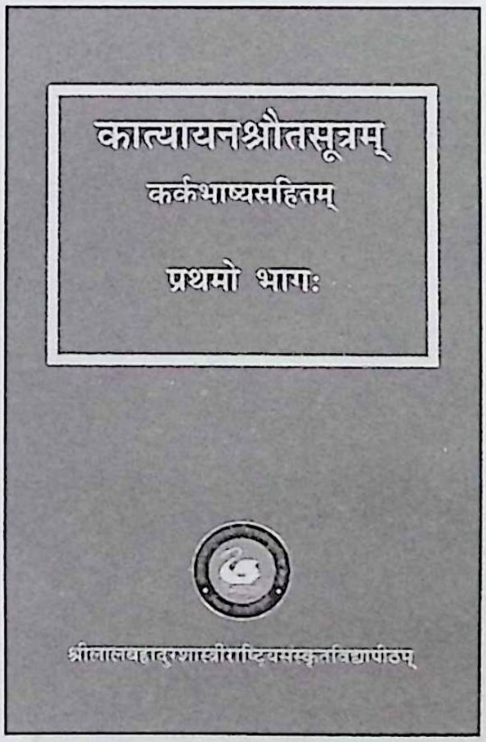

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

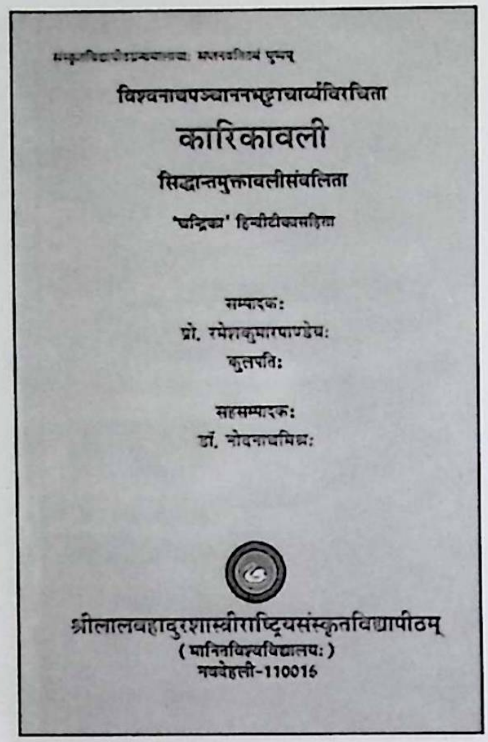

19. कारिकावली **मूल्यः 450.00**

विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य विरचित कारिकावली नामक यह ग्रन्थ सिद्धान्त-मुक्तावली से युक्त है। इसमें चन्द्रिका हिन्दी टीका भी दी गई है। न्यायकोष के साथ साथ पदार्थ की चित्रसारिणी तथा कारिकावली का हिन्दी रूपान्तर भी परिशिष्ट में है। इस ग्रन्थ का सम्पादन विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया है।

KARIKAWALI **Rs. 450.00**

This book is written by Vishwanath Panchanan. It encompasses Siddhant-muktavali along with Chandrika Hindi commentary. It has also in its appendix Nyayakosh and Hindi rendering of Karikawali. It has been edited by Professor Ramesh Kumar Pandey, the Vice-Chancellor of Vidyapeetha.

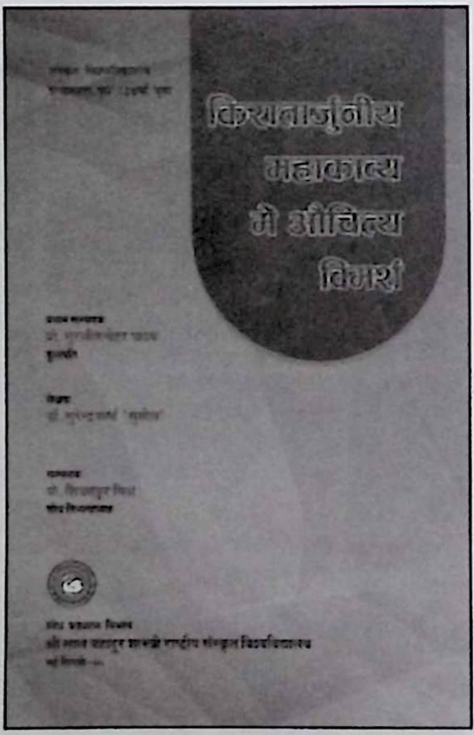

20. किरातार्जुनीय महाकाव्य में औचित्य विमर्श **मूल्यः 350.00**

उक्त महाकाव्य का औचित्य की दृष्टि से परिशीलन किया गया है। यह ग्रन्थ 7 विमर्श में विभक्त है। औचित्य एवम् अनौचित्य का विवेचन कर औचित्य को समीक्षा का परम प्रामाणिक मापदण्ड मानकर समग्र महाकाव्य में औचित्य को निरूपित किया गया है। इस ग्रन्थ के रचयिता डॉ. सुरेन्द्र शर्मा श्सुशीलश हैं। साहित्य शास्त्र के अध्येताओं के लिये अत्यन्त उपयोगी ग्रन्थ है।

KIRATARJUNIYA MAHAKAVYA MAIN OCHITYA VIMARSHA **Rs. 350.00**

The said Mahakavya has been analyzed from the viewpoint of Auchitya. This book is divided into 7 Vimarshas. By discussing Auchitya and Anauchitya and considering Auchitya as the most authentic criterion of review, Auchitya has been explained in the entire Mahakavya. The author of this book is Dr. Surendra Sharma 'Sushil'. This book is useful for the learners of literature.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

21. कृष्णयजुर्वेदीय-तैत्तिरीय संहिता (दो भाग) (सायण भाष्य तथा हिन्दी अनुवाद समन्वित)

सायणाचार्य-विरचित भाष्य से युक्त 'कृष्णयजुर्वेदीय तैत्तिरीय संहिता का हिन्दी अनुवाद एवं टिप्पणियों से विभूषित यह ग्रन्थ महामहोपाध्याय श्री परमेश्वरानन्द शास्त्री जी के अपार परिश्रम की परिणति है।

KRISNA YAJURVEDIYA TAITTIRIYA SAMHITA (TWO PARTS)

This work entitled 'Krishnayajurvediya Tattiriya Samhita', with the commantary of Saynacharya and its Hindi rendring, is the outcome of Sri Parmeshwranand Shastri's hard wrok. This text makes the complex problems an easier one.

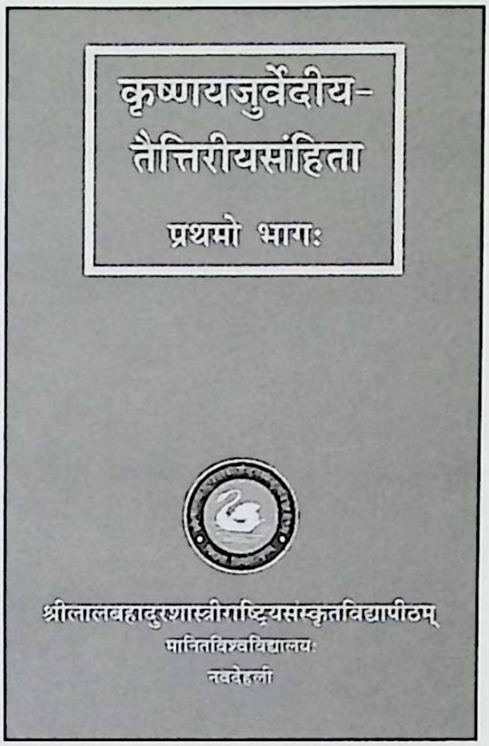

---

22. गायत्री वरिवस्या

यह ग्रन्थ महर्षि विश्वामित्र द्वारा प्रणीत ब्रह्मतन्त्रोक्त 'गायत्रीस्तवराज', 'गायत्री-विमर्श', 'सर्ववेदसारभूत गायत्री मन्त्र' तथा 'निगमागम सम्मत', पञ्चकाल-सन्ध्या : एक विश्लेषण' एवं 'त्रिपदा गायत्री स्तोत्र' पर डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी के शोधलेखों से समन्वित है। प्रस्तुत ग्रन्थ गायत्री साधकों, विद्वानों, तान्त्रिकों के लिये अत्यन्त उपादेय है।

GAYATRI-VARIVASYA

This book is compiled by Dr. Rudradev Tripathi. It is a compositon of all the research article regarding gayatri worship. This book is very useful for gayatri worshippers and sandhya-bandana.

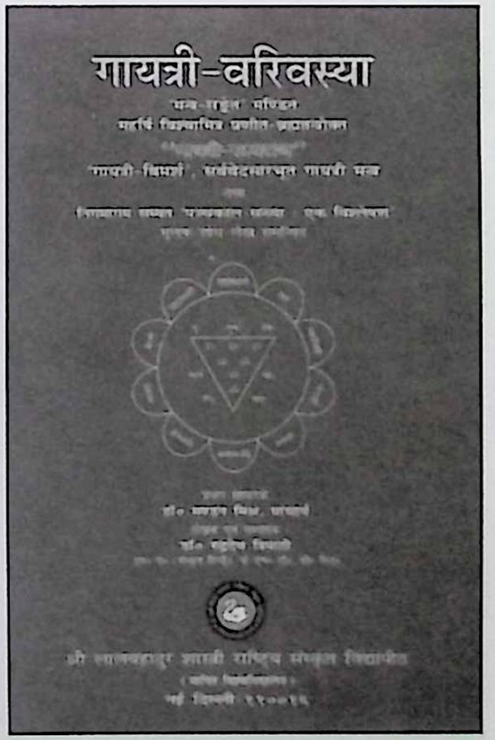

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

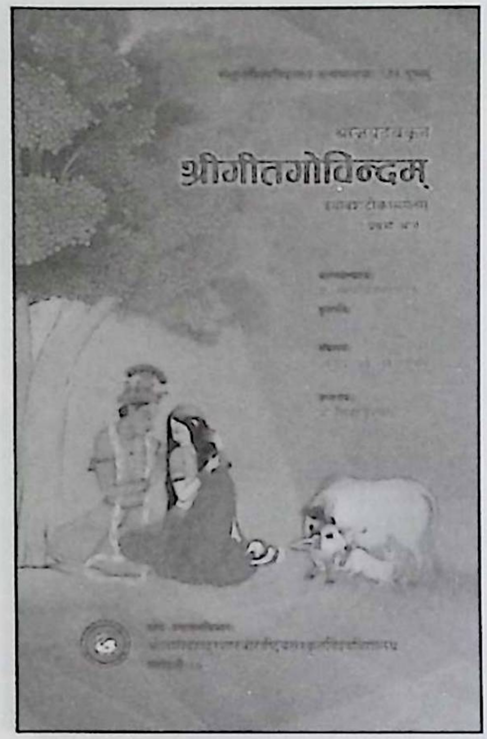

23. गीतगोविन्दम् (चार भाग)

मूल्य : 3000.00

त्रयोदशटीकासमेमतम् प्रस्तुत ग्रन्थ संत कवि जयदेव कृत है, जिसे लगभग सभी शास्त्रीय नर्तक अपनी नृत्य कला के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं और सम्पूर्ण देश के मंदिरों में इसका गायन किया गया हैं। अत: यह ग्रन्थ नृत्य एवं गायन विधा के अध्येताओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसके संकलक प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र एवं सम्पादक प्रो. शिवशंकर मिश्र हैं।

GEETGOVINDAM (FOUR PARTS) **Rs. 450.00**

This book is written by the saint poet Jaydev, which is presented by almost all classical dancers through their dance art and it has been sung in temples all over the country. Hence, this book is very useful for the learners of dance and singing genre. Its compiler is Prof. Prafull Kumar Mishra and editor is Prof. Shivshankar Mishra.

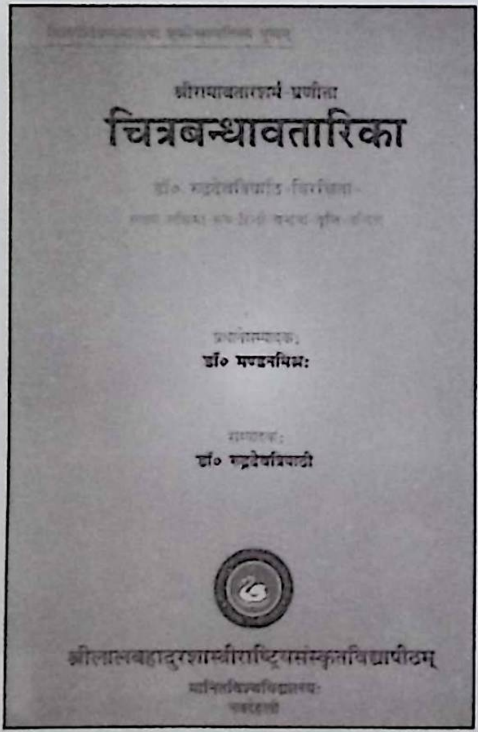

24. चित्रबन्धावतारिका मूल्य : 50.00

सुप्रसिद्ध विद्वान् म.म. रामावतार शर्मा जी द्वारा निर्मित चित्र-बन्धात्मक पद्यों को चित्रालङ्कार की दृष्टि से पाँच प्रकरणों में विभक्त करके यह पुस्तक डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने तैयार की है। परिशिष्ट में चित्रबन्धों की आकृतियाँ भी मुद्रित हैं।

CHITRABANDHAVATARIKA

Rs. 50.00

The renowned scholar M.M. Ramavatar Sharma's hitherto unpublished and uncited 'Chitrabandh' verses (order of the letters giving rise to Shape of words) have been prepared by Dr. Rudra Dev Tripathi. In the appendix there are some diagrams containing Chitrabandhas.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

25. जैमिनी न्यायमाला (धर्मभेदाध्याय)

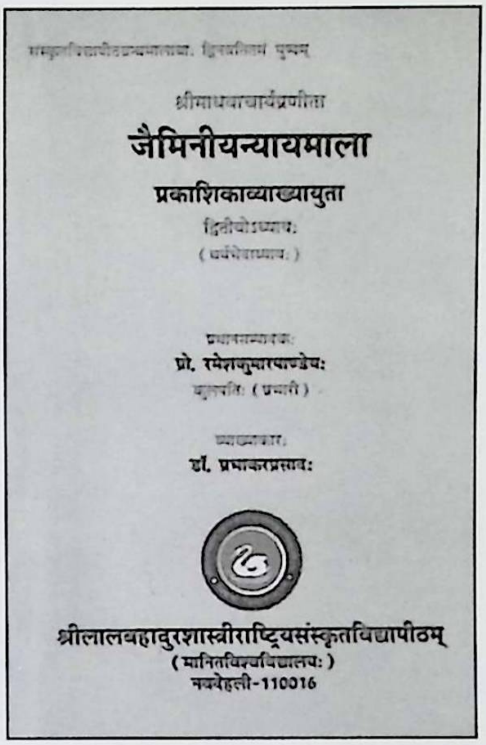

मूल्य: 200.00

श्री माध्वाचार्य विरचित जैमिनीयन्यायमाला के द्वितीय अध्याय धर्मभेदाध्याय पर डॉ. प्रभाकर प्रसाद जी की प्रकाशिका नामक संस्कृत व्याख्या है। यह ग्रन्थ मीमांसा शास्त्र के विद्वानों के लिए अत्यन्त उपादेय है।

JAIMINIYA NYAYMALA (DHARMABHEDADHYAY). **Rs. 200.00**

This book is a Sanskrit explanation of the second chapter, "Dharmabhedhyay" of Jaiminiya-Nyaymala composed by Shri Madhavachaya. Wtitten by Dr. Prabhakar Prasad, this book is significant for the scholars of Mimansa.

---

26. जैमिनीय न्यायमाला (प्रमाणाध्याय)

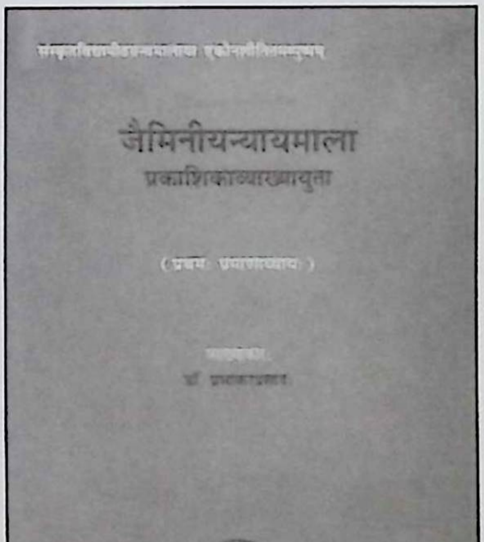

मूल्य: 150.00

श्री माध्वाचार्य विरचित जैमिनीयन्यायमाला के प्रथम अध्याय प्रमाणाध्याय पर डॉ. प्रभाकर प्रसाद जी की प्रकाशिका नामक संस्कृत व्याख्या है। यह ग्रन्थ मीमांसा शास्त्र के विद्वानों के लिए अत्यन्त उपादेय है।

JAIMINIYA NYAYMALA (PRAMANADHYAY). **Rs.150.00**

This book is a Sanskrit explanation of first chapter "Pramanadhyay" of Jaiminiya Nyaymala composed by Shri Madhavachaya. Prakashika Sanskrit Commentry Written by Dr. Prabhakar Prasad, this book is significant for the scholars of Mimansa.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

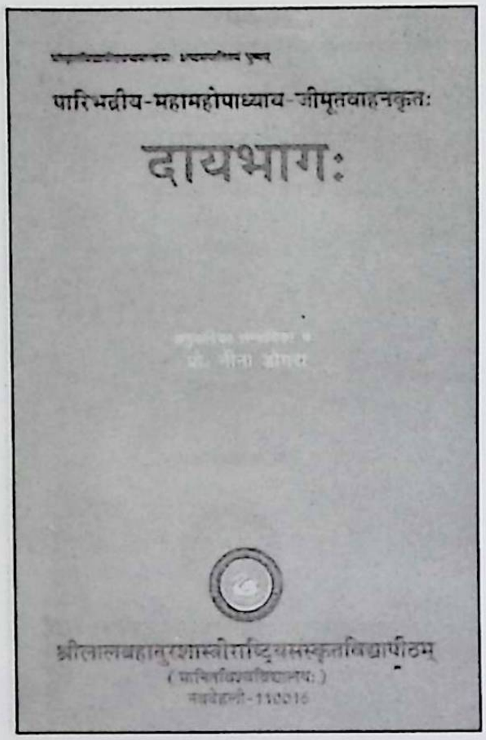

27. दायभागः **मूल्य : 270.00**

जीमूतवाहन विरचित मूलग्रन्थ दायभाग पर कालब्रुक के अंग्रेजी अनुवाद के साथ प्रो. नीना डोगरा का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित किया गया है। इस ग्रन्थ में सम्पत्ति का विभाजन पुत्र का अंश, पुत्री के पुत्र का अंश, उत्तराधिकार विषय की विस्तृत चर्चा की गई है।

DAYABHAG **Rs. 270.00**

Jeemutvahan's 'Daybhagah' in orginal along with the English rendering of Kolebrook and Hindi rendering of Prof. Neena Dogra has been published. It deals with distribution of property, share of son, daughter's son and laws related to inheritance quite exhaustively.

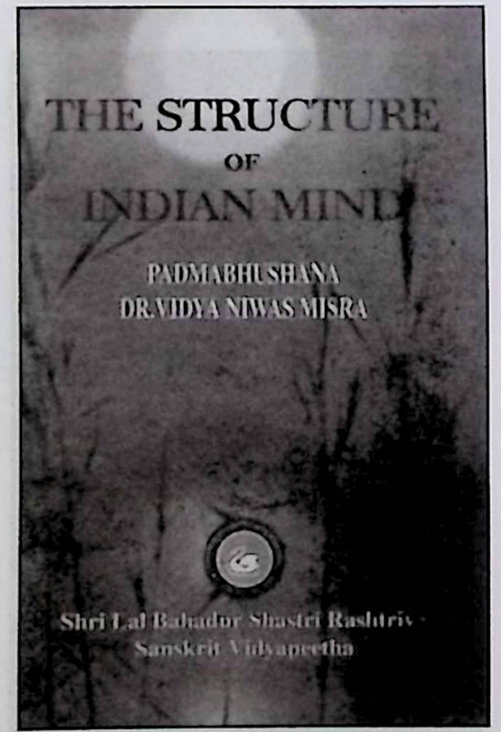

28. THE STRUCTURE OF INDIAN MIND **Rs. 160-00**

प्रस्तुत ग्रन्थ डॉ. विद्यानिवास मिश्र के भारतीय मनीषा के दिक्काल की अवधारणा, संस्कृति और सभ्यता आदि के सन्दर्भ में रचित उत्कृष्ट निबन्धों का संग्रह है।

THE STRUCTURE OF INDIAN MIND **Rs. 160.00**

Present volume is collection of selected articles of M.M. Dr. Vidyaniwas Mishra on the various aspects of Indian minds reflected in the waythe notions of time, space, culturel and civilizations.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

29. द्विवर्षीय अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम : समीक्षात्मक विश्लेषण

मूल्य : 300.00

परिवर्तित पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाईयों की समीक्षा की दृष्टि से श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 8-9 मार्च 2018 को "द्विवर्षीय अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम : समीक्षात्मक विश्लेषण" शीर्षक से द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

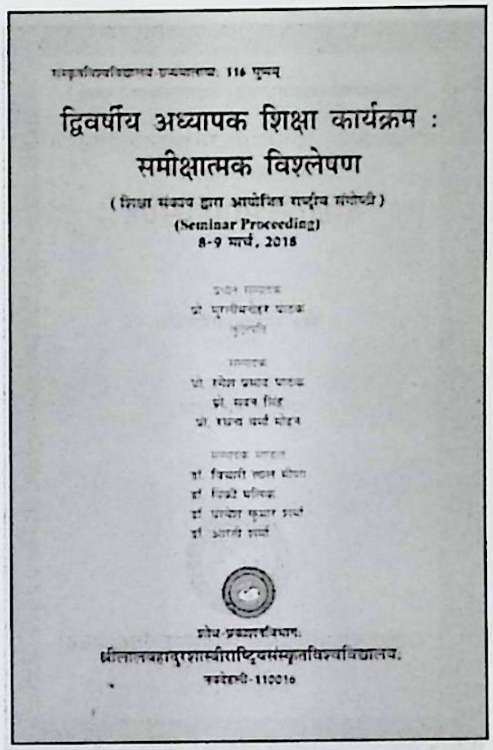

DWIVARSHIYA ADHYAK SHIKSHA KARYAKRAM : SAMIKSHATMAK VISHLESHAN **Rs. 300.00**

This compendium contains the proceedings of the two days national seminar on "Two Year Teacher Education Programme : A Critical Evaluation". Organized by the Faculty of Education S.L.B.S. National Sanskrit University, During 8-9 March, 2018.

---

30. दीपिका-सर्वस्वम् मूल्य: 350.00

श्री अन्नम्भट्ट विरचित तर्कसंग्रह एवं उस पर कुरुगण्टि श्रीरामशास्त्री कृत श्री दीपिका-सर्वस्व व्याख्या से सबलित ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ न्यायशास्त्र के अध्येताओं के लिये परम उपयोगी है। इस ग्रन्थ के सम्पादक प्रो. शिवशंकर मिश्र एवं सहसम्पादक डॉ. अनिलानन्द हैं।

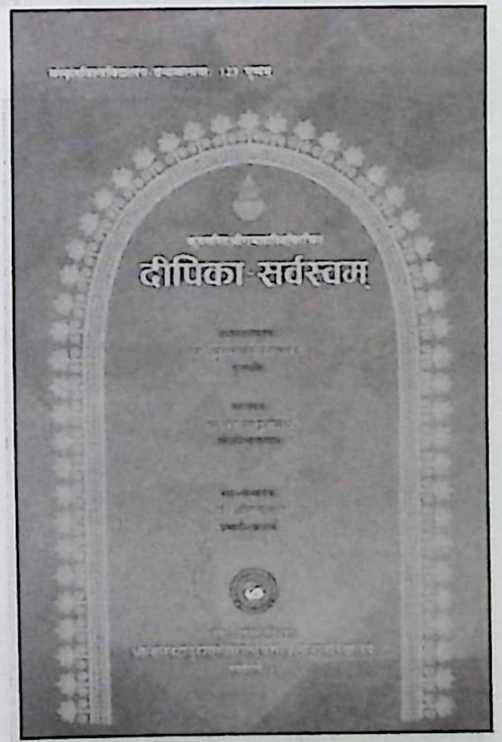

DEEPIKA-SARSVAM **Rs. 350.00**

In This book is supported by Traksangrah written by Shri Annambhatt and the commentary on it by Shri Deepika-Sarvasva written by Kuruganti Shri Ramshastri. This book is extremely useful for students of Nyaya-Shastra. The editor of this book, Prof-Shivshankar Mishra, and the co-editor are Dr. Anilanand.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

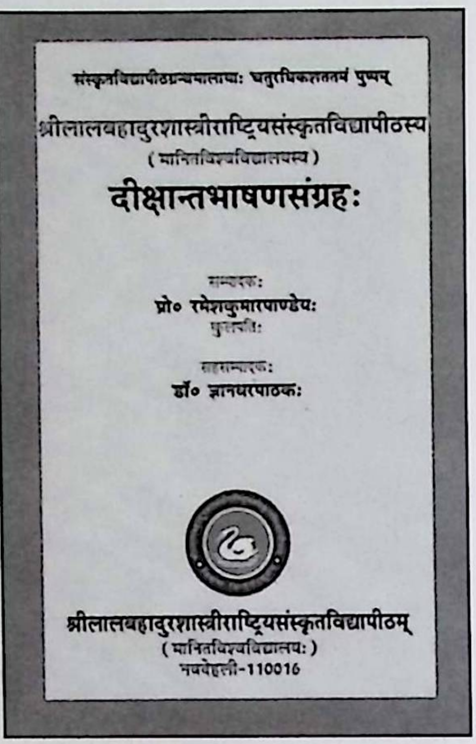

31. दीक्षान्त भाषण संग्रह मूल्य : 100.00

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोहों में कुल 16 मनीषियों के भाषणों का संग्रह है। इसमें विशेष उल्लेखनीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं पूर्व शिक्षामंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी के भाषण हैं। इसका सम्पादन विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया है।

DEEKSHANT BHASHAN SANGRAH Rs. 100.00

It is a collection of Convocation speeches delivered by eminent scholars at Shri Lal Bahadur Shashtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha. Sixteen speeches delivered by various scholars include the convocation addresses of Ex-President of India, Dr. Shankar Dayal Sharma, Dr. A.P.J. Abdul Kalam and Dr. Murali Manohar Joshi. It has been edited by Professor Ramesh Kumar Pandey, the Vice-Chancellor of Vidyapeetha.

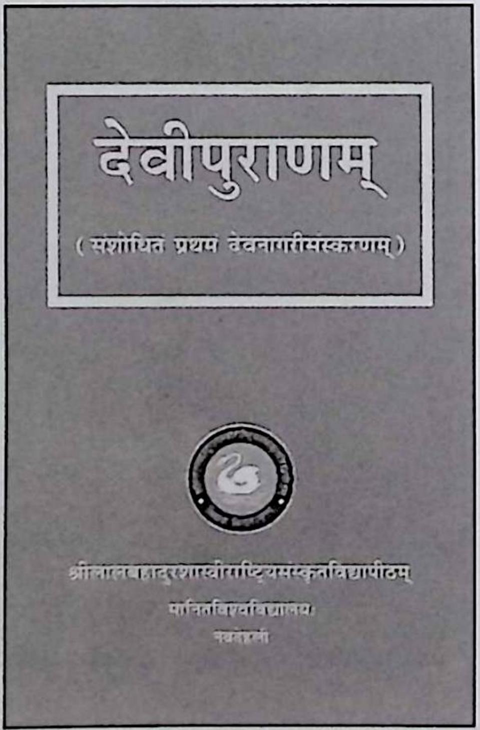

32. देवीपुराण मूल्य : 270.00

देवीपुराण प्राचीन एवं प्रमुखतम शाक्त उपपुराणों में से एक है। प्रमुख रूप से सिंहवाहिनी देवी के अवतार एवं लीलाओं का वर्णन करता है यह प्रो. पुष्पेन्द्रकुमार शर्मा द्वारा संशोधित एवं सम्पादित देवनागरी संस्करण है।

DEVI PURAN Rs. 270.00

Devipuran is one of the main and ancient Shakta sub-puranas. This Devnagri edition that talks about Goddess Singhvahini, her incarnations and actions has Prof. Puspendra Kumar Sharma as its editor.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

33. दृक्तुल्यपञ्चाङ्गगणितमीमांसा

मूल्य : 650.00

वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक पञ्चाङ्ग के स्वरूप एवं इतिहास पर प्रस्तुत ग्रन्थ में सुविस्तृत प्रकाश डाला गया है। ग्रहलाघव एवं केतकी ग्रहगणित पद्धति से पञ्चाङ्ग विमर्श किया गया है। इसके लेखक डॉ. अशोक थपलियाल एवं सम्पादक प्रो. शिवशंकर मिश्र हैं।

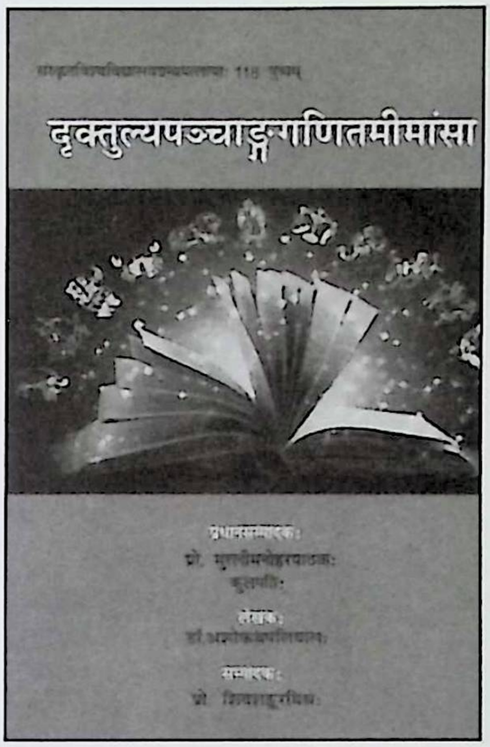

DRIKTULYA PANCHANGA GANITA MIMAMSA Rs. 650.00

In the book, from the Vedic period till the present time, the form and history of Panchang has been described in depth. Panchang has been formed with Grahalaghav and Ketaki Garhganit paddhati. This book has been written by Dr. Ashok Thapliyal and edited by Prof. Shivshankar is Mishra.

---

34. ध्वनिसिद्धान्तमूलम् मूल्य: 300.00

प्रस्तुत ग्रन्थ शोधप्रबन्ध का परिष्कृत स्वरूप है। इसमें ध्वनिसिद्धान्त के मूल स्वरूप का निरूपण किया गया है। साहित्य शास्त्र के विद्यार्थियों के लिये सर्वथा उपयोगी है। इसे 5 अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसकी रचयिता डॉ. अनमोल शर्मा हैं।

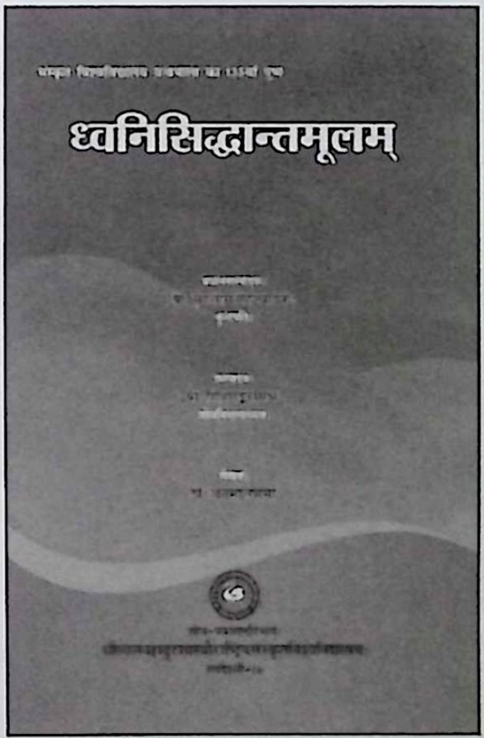

DHWANISIDDHANTMULAM Rs. 300.00

The presented book is a refined version of a research thesis. The basic form of Dhvani-Siddhant has been described in it. It is very useful for students of Sahitya-Shastra. It has been divided into 5 chapters. Its author is Dr. Anmol Sharma.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

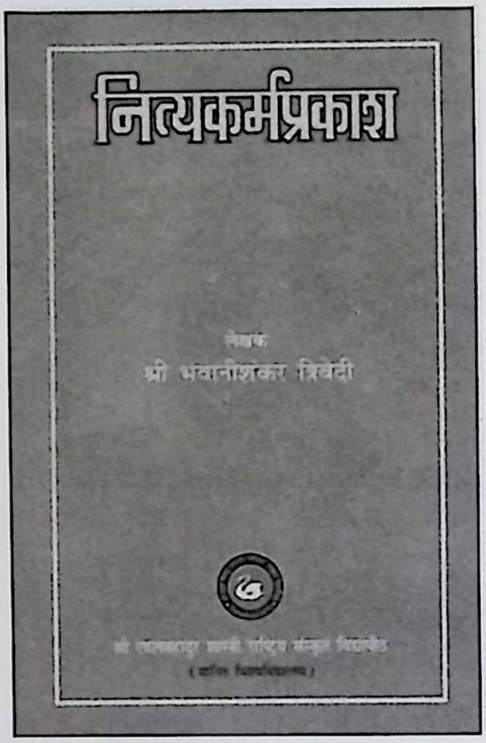

35. नित्यकर्मप्रकाशः मूल्य : 90.00

भारतीय संस्कृत एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसारात्मक लक्ष्य की पूर्ति को ध्यान में रखकर प्रारम्भिक परिचय के लिए उक्त ग्रन्थ का संयोजन किया गया है। डॉ. भवानी शंकर त्रिवेदी जी ने वर्तमान जनसाधारण के मानस एवं अपेक्षा को दृष्टि में रखकर इसमें- हिन्दू धर्म के आधार ग्रन्थ के अनुसार प्रातःकृत्य (प्रातःस्मरण, सन्ध्या, ब्रह्मयज्ञ, तर्पण और देवार्चन) आदि शास्त्र सम्मत विधि का संकलन किया गया है।

NITYAKARMAPRAKASH Rs. 90.00

Hindu religion is based on scriptures, which injunct a number of rituals to be performed by the Hindus. Shri Trivedi's book Nityakarma-prakasha, is valuable for those, who want to have a first hand brief information and formulas to be used in their day-ta-day life.

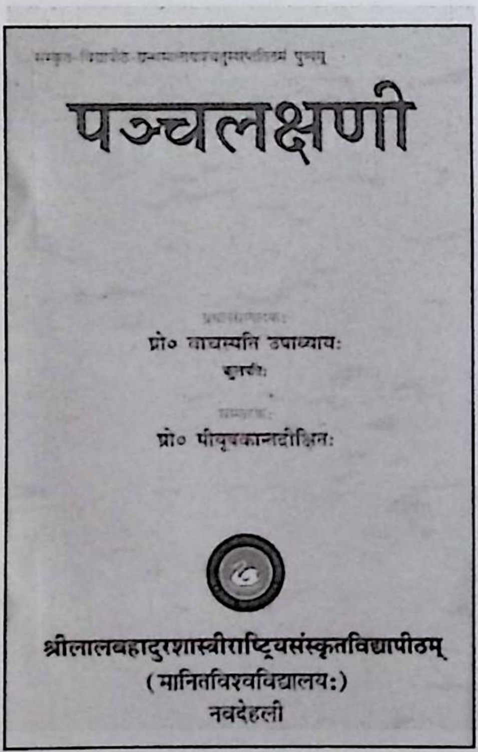

36. पञ्चलक्षणी मूल्य : 135.00

श्री गङ्गेशोपाध्याय विरचित तत्त्वचिन्तामणि ग्रन्थ के अनुमान खण्ड के अन्तर्गत व्याप्ति पञ्चक मूल के साथ माथुरी टीका उसपर पाँच विद्वानों की हिन्दी व्याख्या है।

PANCHLAKSHNI Rs. : 135.00

This book is a Hindi explanation cum-commentary of the founding figure of Navya-Nyaya Shastra, Acharya Sri Gangesh Upadhyaya's 'Tattvachinta- mani'. The five significant parts of the text are written by Prof. P.K. Dixit, Prof. Hereram Tripathi, Dr. Visnupad Mahapatra, Dr. Mahanand Jha and Dr. Prabhakar Prasad respectively.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

37. **पञ्चामृतम्** **मूल्य : 15.00**

इस पुस्तक में शारदीय ज्ञान महोत्सव के अवसर पर दिये गये निम्नलिखित पाँच व्याख्यानों का संग्रह है।

PANCHAMRITAM **Rs. 15.00**

It is a collection of five learned lectures delivered by the eminent erudite scholars.

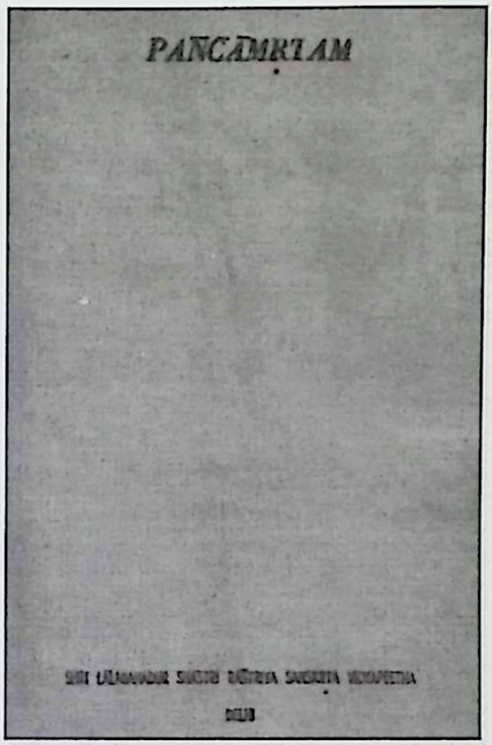

38. **पर्यावरण एवं भारतीय नारी**

मूल्यः 330.00

वैदिक काल से लेकर रामायण काल की नारियों का अध्ययन इस ग्रन्थ में है, जिसमें नारी ने अपनी तपस्या और त्यागमय जीवन द्वारा जो सांस्कृतिक योगदान दिया है उसका विस्तृत अध्ययन इस ग्रन्थ में निरूपित है। इस ग्रन्थ की लेखिका डॉ. ज्योत्स्ना मोहन जी हैं तथा इसका सम्पादन डॉ. ज्ञानधर पाठक जी ने किया है।

PARYAVARAN EVAM BHARTIYA NAREE **Rs. 330.00**

Written by Dr. Jyotsana Mohan and edited by Dr. Gyandhar Pathak, this book presents the study of women from Vedic period to the times of the Ramayana. This book depicts the contribution of women to the cultural development of society.

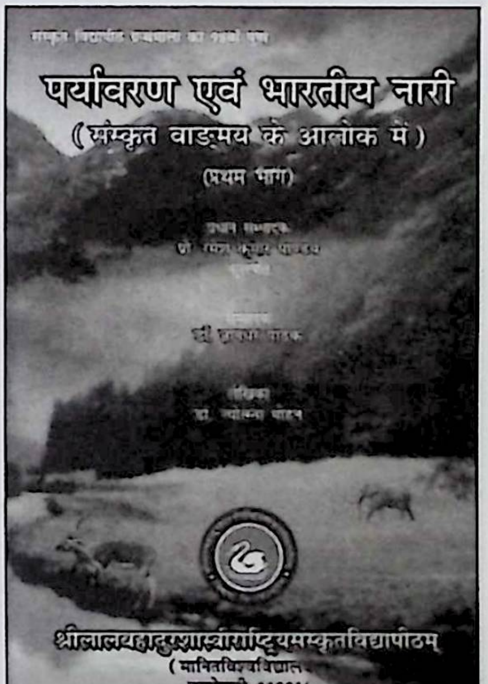

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

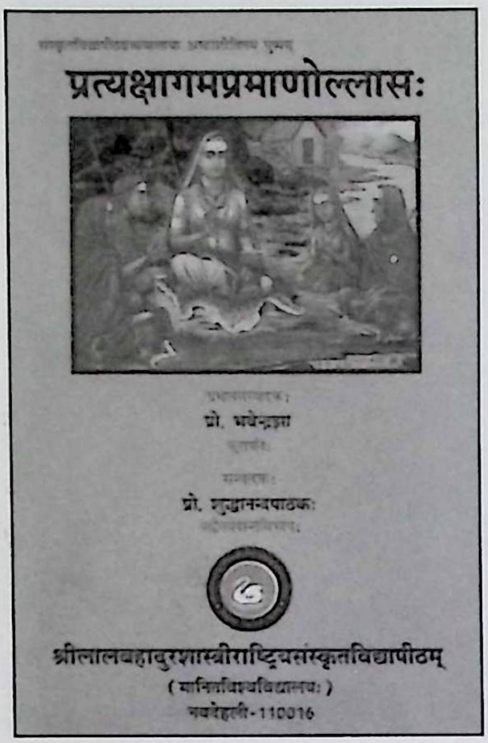

39. प्रत्यक्षागमप्रमाणोल्लासः

मूल्य : 250.00

अद्वैतवेदान्त विभाग द्वारा 18-31 मार्च, 2010 को प्रत्यक्ष प्रमाण विषयिणी आयोजित कार्यशाला तथा 16-17 जनवरी, 2012 को आगम प्रमाण विषयिणी राष्ट्रिय संगोष्ठी में पठित विद्वानों के शोध निबन्धों का संग्रह है इसका सम्पादन अद्वैतवेदान्त विभागाध्यक्ष प्रो. शुद्धानन्द पाठक जी ने किया है।

PRATYAKSHAGAM PRAMANOLLASH Rs. 250.00

This work, edited by Prof. Suddhanand Pathak, is a collection of research papers presented during workshop on. Pratyaksha Praman dated 18-31 march, 2010 and National Seminar dated 16-17 January, conducted by Dept. of Advaitvedanta, Vidyapeetha.

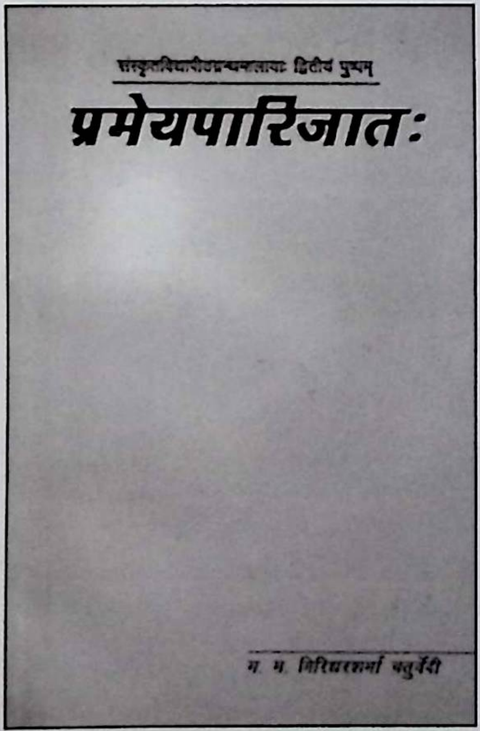

40. प्रमेय पारिजात मूल्य : 115.00

यह ग्रन्थ म.म.पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी जी द्वारा लिखित है। इस ग्रन्थ में 19 अध्याय हैं। इसमें आस्तिक एवं नास्तिक दोनों दर्शनों का समावेश है। आचार्य चतुर्वेदी जी द्वारा आत्मतत्त्व की दर्शनशास्त्रीय विशद विवेचना की गई है।

PRAMEY PARIJAT Rs. 115.00

The book is written by M.M Giridhar Sharma Chaturvedi. This is an analytical study of Ashtik and Nastik Philosophy. Pt Chaturvedi has done a deep study of spiritual subjects. This is a useful book for spiritual heads.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

41. प्रमाण-प्रमोदः मूल्य : 7.50 पैसे

यह ग्रन्थ म.म. श्री चित्रधर शर्मा की अनुपम कृति है। इसमें उदयनाचार्य की न्याय-कुसुमाञ्जलि की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए नव्यन्याय की शैली से ईश्वरसिद्धि की विवेचना को विषय बनाया गया है। म.म. श्री दुःखमोचन झा द्वारा निर्मित इस ग्रन्थ की महत्वपूर्ण व्याख्या भी है। इसका सम्पादन श्रीमती उज्ज्वला शर्मा ने किया है।

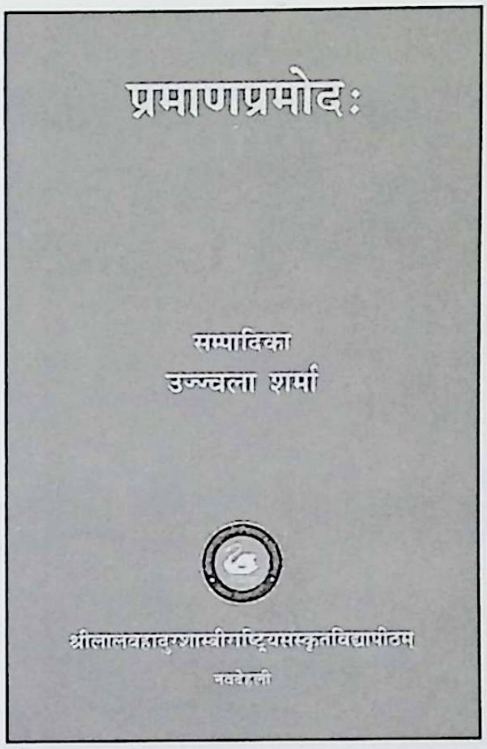

PRAMANA-PRAMODAH Rs. 7.50

This is a work on Nyaya originally written by M.M. Sri Chitra Dhar Sharma. It strives to prove the existence of God and therefore, falls in the line of Udayana- charya's Nyaya Kusumanjali. It consists of a commentary written by the famous scholar M.M. Shri Duhkha Mochan Jha. The learned editor Shrimati Ujjwala Sharma has edited it after consulting and utilizing a number of manuscripts. The book also contains a learned introduction by the editor.

---

42. प्रवचनपारिजातः (भाषण-सङ्ग्रहः)

मूल्य : 95.00

श्री चारुदेव जी शास्त्री तथा श्री श्रीजीवन्याय तीर्थ के 3-3 भाषणों का सङ्ग्रह है। इनमें प्रमुख रूप से उपसर्गों के उपकारत्व और उनके अर्थ, वेद में धातु और उपसर्गों का योग तथा उपसर्गों के कारण धातुओं की सकर्मकता तथा वर्तमान भारत में वेदान्त दर्शन की उपयोगिता एवं वेदान्त के स्वरूप पर गम्भीरतापूर्ण चिन्तन प्रस्तुत हुआ है।

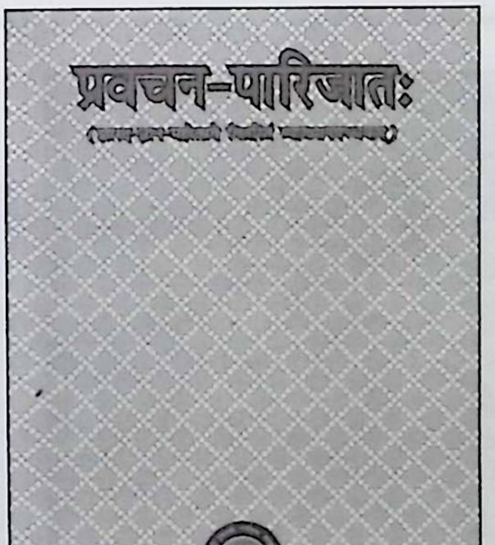

PRAVACHANA-PARIJATAH Rs. 95.00

It is a collection of the five learned lectures on Vyakarana and Vedanta by the famous scholars Shri Charu Dev Shastri and Shri Jivanyayatirth delivered by them. Shri Charu Dev Shastriji has dealt with the role of prefixes in Sanskrit Grammar and Shri Jivanyayatirtha has analysed the nature and utility of the vedanta.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

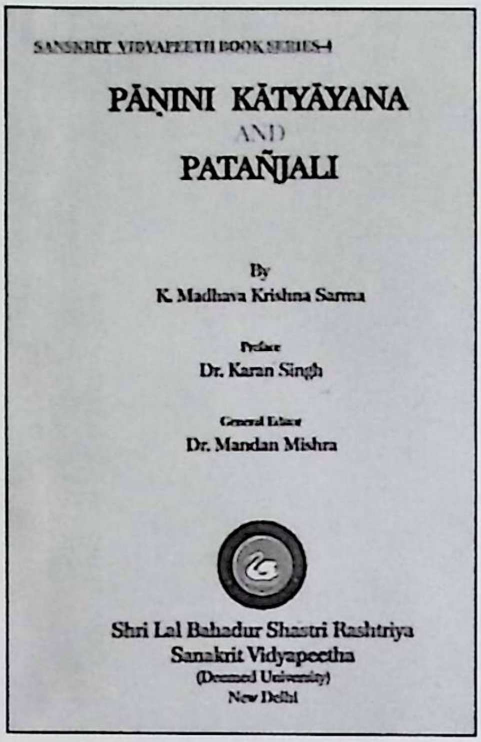

43. पाणिनि कात्यायन एण्ड पतञ्जलि

मूल्य : 55.00

यह ग्रन्थ श्री के. माधवकृष्णशर्मा का अंग्रेजी में लिखित शोधप्रबन्ध है। व्याकरण के तीनों मुनियों-पाणिनि, कात्यायन एवं पतञ्जलि के व्यक्तित्व और कृतित्व का अनेक पक्षों से निरीक्षण करके लेखक ने इस ग्रन्थ में कुछ मौलिक उद्भावनायें की गई है और वही इस ग्रन्थ की विशेषता है।

PANINI, KATYAYNA AND PATANJALI

Rs. 55.00

It is a thesis prepared by Shri K. Madhavkrishna Sharma which contains a vivid account of the lives and woks of the famous Sanskrit Grammarians Panini, Katyayana and Patanjali. The novel presentation and faithful interpretation of the facts by the author have greatly added to the importance of this book.

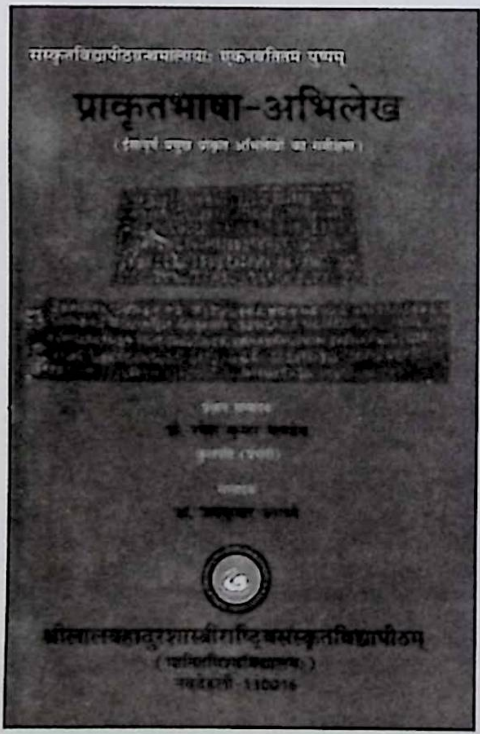

44. प्राकृतभाषा अभिलेख

प्राकृतभाषा विभाग द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित शोध निबन्धों का संग्रह है। इसमें प्राकृतभाषा, ब्राह्मीलिपि, भाषिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्राशासनिक, दार्शनिक एवं राजनैतिक आदि विषयों पर विशिष्ट विद्वानों के लेख हैं। इसका सम्पादन डॉ. जयकुमार उपाध्ये ने किया है।

PRAKRIT BHASHA ABHILEKH

This book is a collection of research papers presented during seminar conducted by Department of Prakrit, Vidyapeetha. Edited by Dr. Jaykumar Upadhye, this book comprises articles by eminent scholars on Prakrit language, Brahmi Lipi, and other social, cultural, administrative, philosophical and political topics.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

45. पुराण पारिजात

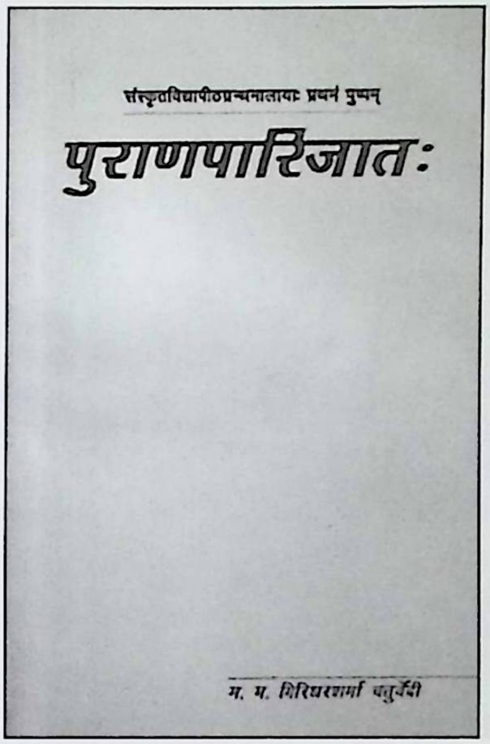

यह ग्रन्थ म.म.पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी जी द्वारा लिखित है इस ग्रन्थ की भूमिका प्रख्यात विद्वान् स्वामी करपात्री जी ने लिखा है। प्रस्तुत ग्रन्थ में 11 अध्याय हैं जो पौराणिक वाङ्मय की दार्शनिकता का प्रस्तुत करते हैं।

PURAN PARIJAT

The book Puran Parijat is written by M.M Pandit Giridhar Sharma Chaturvedi. Its Introduction is written by Swami Karpatriji. The book contains 11 articles of distinguished aspects of pauranik literature.

---

46. बदलते शैक्षिक परिदृश्य में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य

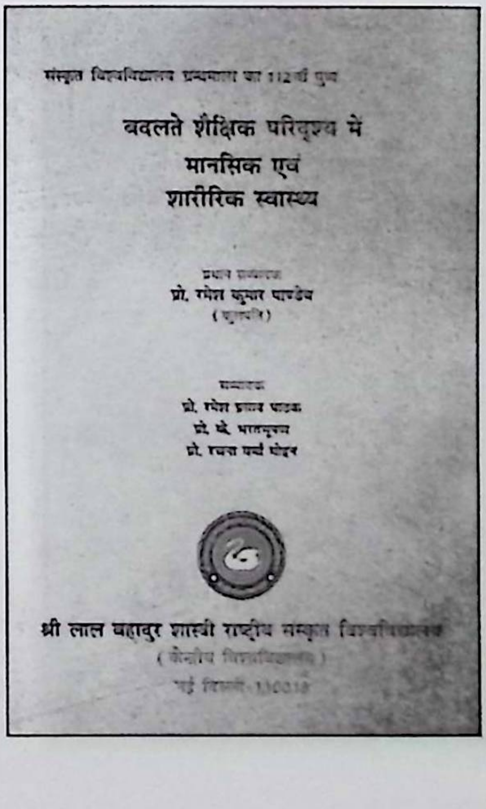

मूल्य : 500.00

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "बदलते शैक्षिक परिदृश्य में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में पठित निबन्धों का संग्रह है।

BADALTE SHAIKSHIK PARIDRISHYA MAIN MANSIK EVAM SHARIRIK SWASTHYA **Rs. 500.00**

This is a collection of papers presented by various scholars and researchers on the occasion of the national seminar on Mental and physical health in the changing educational scenario organized by the faculty of education, S.L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi, during 16-17 March, 2016.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

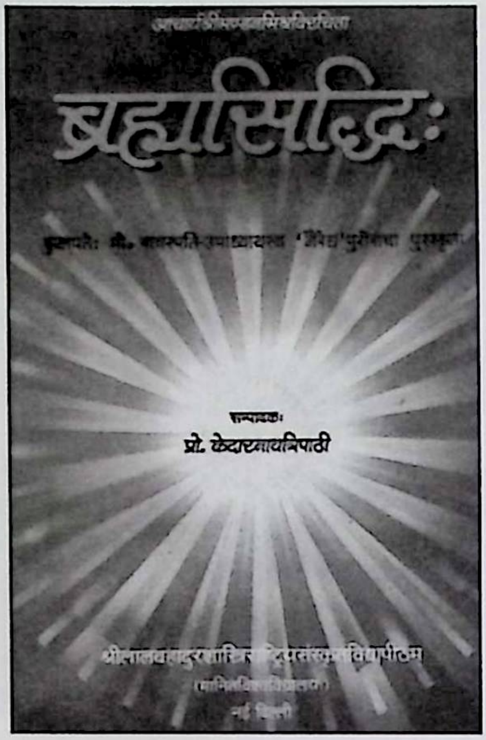

47. ब्रह्मसिद्धिः मूल्य : 380.00

आचार्य श्रीमण्डनमिश्र द्वारा विरचित तथा प्रो. केदारनाथ त्रिपाठी जी की कला-व्याख्या से संवलित अद्वैतवेदान्तदर्शन का अनुपम ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ में अद्वैत-वेदान्त के प्रमुख-तत्त्वों का विशद-विवेचन है। प्रस्तुत ग्रन्थ चार खण्डों में विभक्त है।

BRAMHA SIDDHI Rs. 380.00

It's a beautiful book on Advaita Vedanta Philosophy written by Acharya Sri Mandan Mishra and compiled by Prof. Kedarnath Tripathi. It makes an indepth analysis of main strings of Advaita Vedanta. It is divided into four parts.

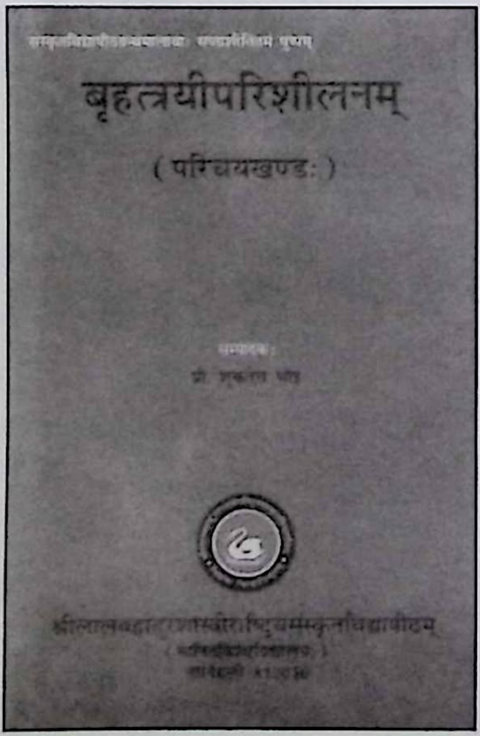

48. बृहत्त्रयीपरिशीलनम्
(परिचयखण्डः) मूल्य : 210.00

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 20 विद्वानों के शोधनिबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. शुकदेव भोई जी ने किया है।

BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (PARICHYAYAKHAND)
Rs. : 210.00

This book is a compilation of research papers of 20 scholars presented during seminar conducted by Sahitya Department under SAP program of UGC. It is edited by Prof. Sukdev Bhoi.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

49. बृहत्त्रयीपरिशीलनम्
(सांस्कृतिकखण्डः) मूल्य : 170.00

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 17 विद्वानों के शोध निबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. अमिता शर्मा जी ने किया है।

BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (SANSKRITIKHANDAH) Rs. : 170.00

Edited by Prof. Amita Sharma, this books is a collection of 17 research papers presented duing National Seminar conducted by Dept. of Sahitya under SAP Program of UGC.

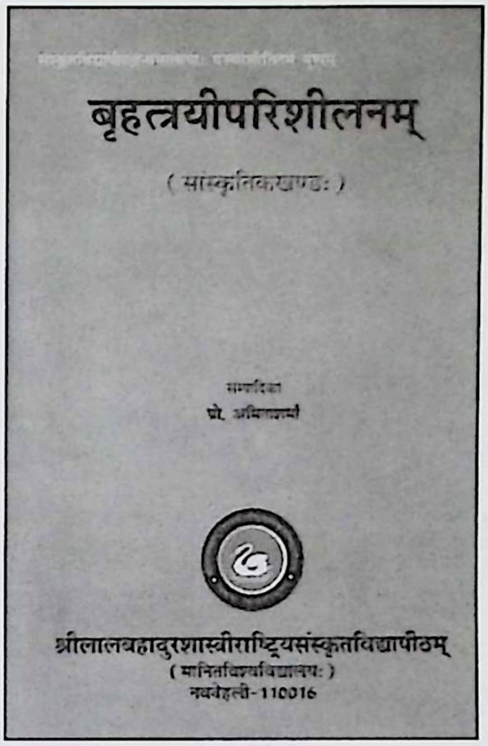

---

50. बृहत्त्रयीपरिशीलनम्
(काव्यशास्त्रीयखण्डः) मूल्य : 230.00

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 36 विद्वानों के शोधनिबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. भागीरथिनन्द जी ने किया है।

BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (KAVYASHASTRIKHANDAH) Rs. : 230.00

Edited by Prof. Bhagirath Nanda, this book is a collection of 36 research articles presented during National Seminar conducted by Dept. of Sahitya under SAP program of UGC.

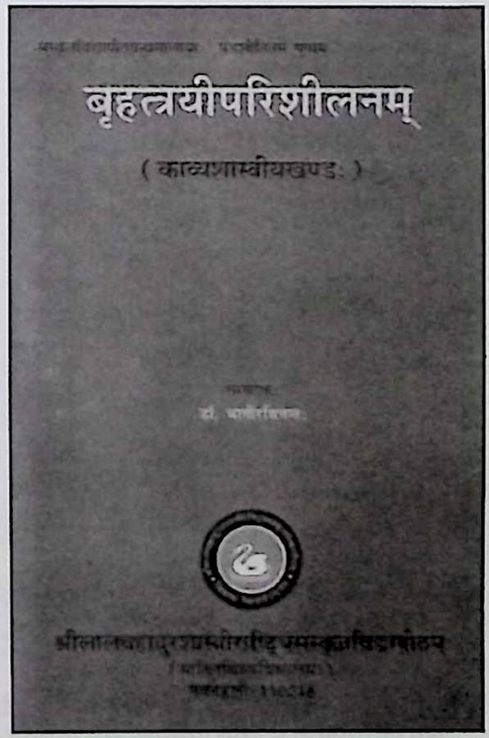

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

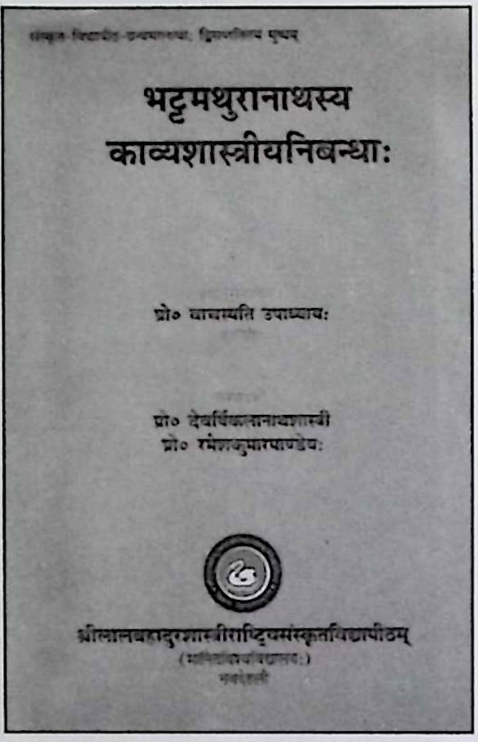

51. भट्टमथुरानाथस्य काव्यशास्त्रीयनिबन्धाः

मूल्य : 90.00

काव्यशास्त्र के मर्मज्ञ विद्वान् भट्ट-मथुरानाथशास्त्री के अत्यन्त गंभीर चिंतन परक काव्यशास्त्रीय निबन्धों का संग्रह है। इस ग्रन्थ का सम्पादन देवर्षि कलानाथ शास्त्री एवं आचार्य रमेशकुमार पाण्डेय जी द्वारा किया गया है।

BHATTAMATHURANATHASYA KAVYASHAHITIYA NIBANDHA

Rs. : 90.00

This book edited by Devarshi Kalanath Shastri and Prof. Ramesh Kumar Pandey is a compilation of thought provoking essays by the scholarly poetician Bhatt Mathuranath Shastri.

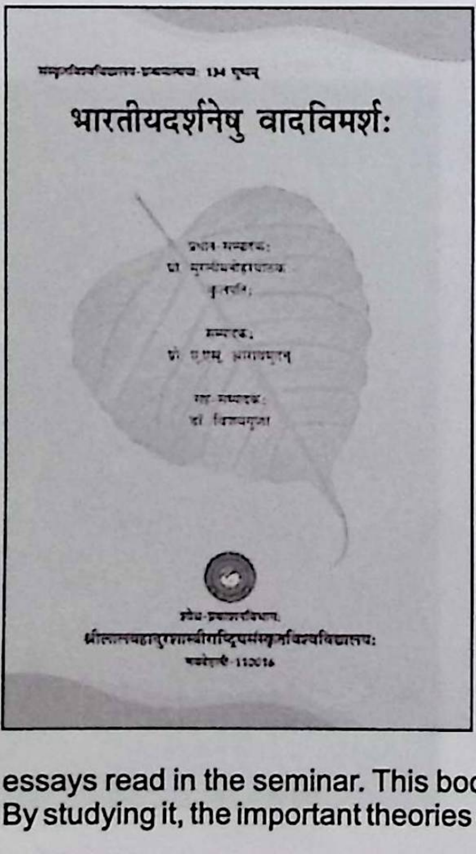

52. भारतीयदर्शनेषु वादविमर्शः

मूल्यः 700.00

दर्शनपीठ द्वारा 2022 में उपर्युक्त विषय पर त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई थी। संगोष्ठी में पठित निबन्धों में से 38 उत्कृष्ट शोधनिबन्धों का संग्रह रूप ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ भारतीय दर्शन के प्रमुख वादों को व्याख्यायित करता है। इसके अध्ययन से दर्शन के महत्त्वपूर्ण वादों को सरलता से समझा जा सकता है।

BHARTIYADARSHNESHU VADVIMARSHA

Rs. 700.00

Darshanpeeth organized a three-day national seminar on the aforementioned topic in 2022. This book is a collection of 38 excellent research essays read in the seminar. This book eñplains the major theories of Indian philosophy. By studying it, the important theories of philosophy can be easily understood.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

53. भारतीयचिन्तने स्याद्वादः

मूल्य : 175.00

जैनदर्शन विभाग द्वारा आयोजित 27-28/03/2011 को "भारतीय चिन्तन में स्याद्वाद" विषय पर एवं द्विवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 37 निबन्धों का संग्रह है। इसका सम्पादन दर्शन संकाय प्रमुख प्रो. वीरसागर जैन जी ने किया है।

BHARTIYA CHINTANE SYADWAAD
Rs. : 175.00

Edited by Prof. Veer Sagar Jain, this book is a collection of 37 articles presented during National Seminar titled "Bhartiya Chintan Mein Syadvad' dated 27-28 March 2011, conducted by Dept. of Jain Darshan.

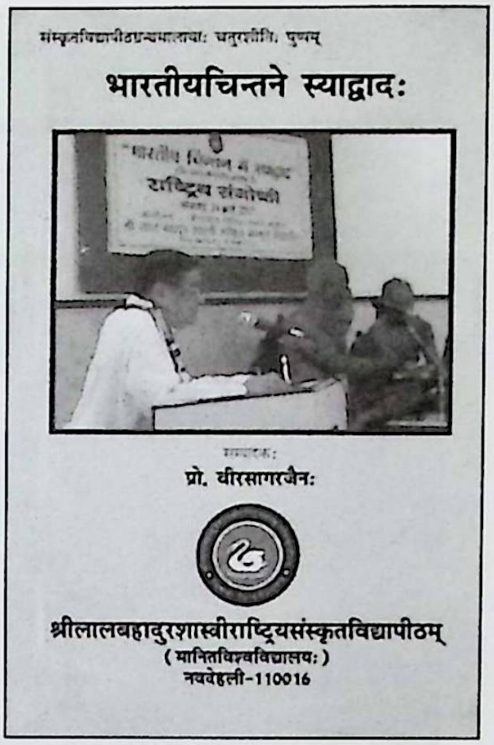

---

54. भारतीय वाङ्मय में योग परम्परा

मूल्यः 350.00

प्रस्तुत ग्रन्थ में वैदिक काल से आधुनिक काल पर्यन्त योग के विकास की परम्परा का विवरण रेखांकित किया गया है। यह ग्रन्थ 4 अध्यायों में विभक्त है। योगशास्त्र के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अध्येताओं को यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी है। इसके रचयिता डॉ. रमेश कुमार हैं।

BHARTIYA VANGMAYA MAIN YOG PARAMPARA **Rs. 350.00**

In this book, details of the tradition of the development of yoga from the Vedic period to the modern period have been outlined. This book is divided into 4 chapters. This book is very useful for graduate and postgraduate students of yogashastra. Dr. Ramesh Kumar is the author of this book.

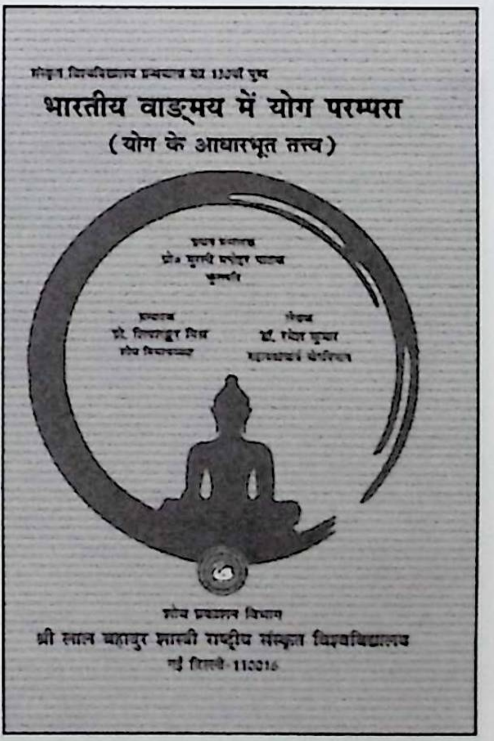

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

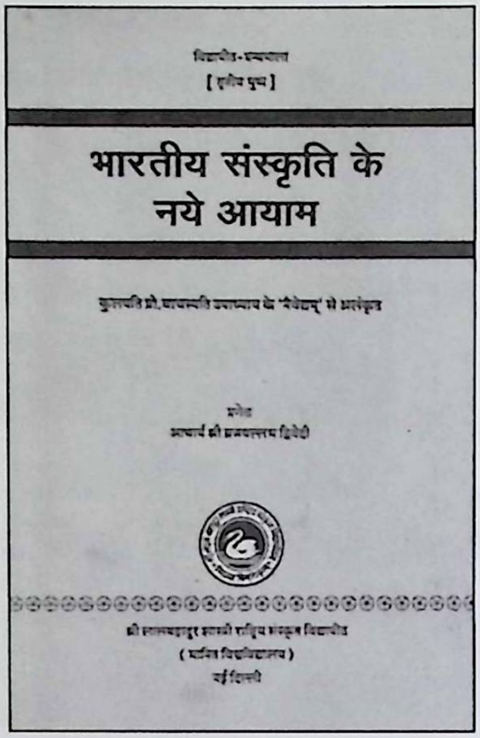

55. भारतीय संस्कृत के नये आयाम

मूल्य : 140.00

आचार्य श्री व्रजवल्लभ द्विवेदी द्वारा विरचित यह ग्रन्थ भारतीय संस्कृति के पारम्परिक स्वरूप की प्रामाणिक व्याख्या प्रस्तुत करता हुआ समस्त आवश्यक सांस्कृतिक तत्त्वों का विवेचन करता है।

BHARATIYASANSKRITI KE NAYE AYAMA **Rs. 140.00**

This book has an authentic commentary to the successive features of Indian culture written by Prof. Vrajvallabh Dwivedi. In this, all essential theories of Indian culture are discussed.

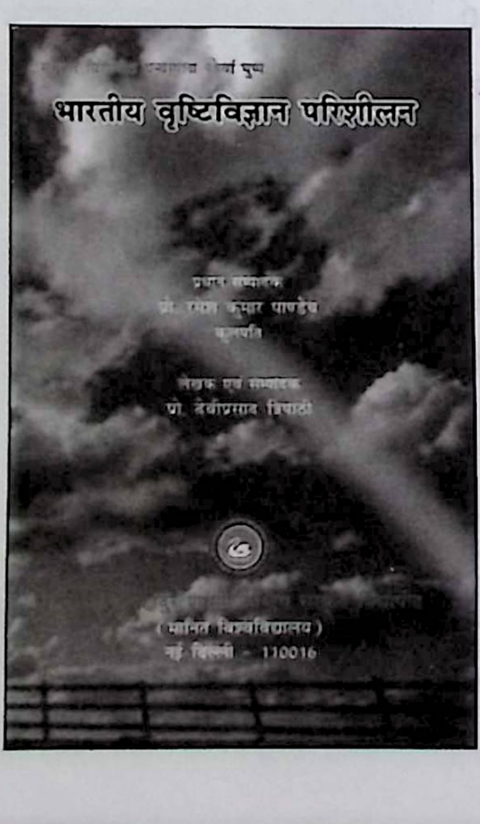

56. भारतीय वृष्टिविज्ञान परिशीलन

मूल्य: 350.00

भारतीय वृष्टिविज्ञान पर प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने प्राचीन और अर्वाचीन वृष्टि का तुलनात्मक वैज्ञानिक आकलन किया है। यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी एवं शास्त्र के वैज्ञानिक आधार को पुष्ट करने वाला है।

BHARTIYA VRISHTIVIGYAN PARISHEELAN **Rs. 350.00**

This book is the outcome of serious research conducted by Professor Devi Prasad Tripathi. The comparative analysis of old and modern science of Vrishti. It is very useful book that justifies the scientific viability of the Vrishti-vigyan.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

57. भास्करीय गोलमीमांसा

मूल्य : 450.00

"सिद्धान्त शिरोमणि" ग्रन्थ के गोलाध्याय पर प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी द्वारा किया गया शोधकार्य है। यह ग्रन्थ पाँच अध्यायों में विभक्त है। संस्कृतभाषा में निबद्ध ग्रन्थ शोधकर्त्ताओं, विद्वानों एवं ज्योतिष शास्त्र के जिज्ञासुओं के महत्वपूर्ण है।

BHASKRIYA GOLMIMMASA

Rs. : 450.00

This book is a research work conducted by Prof. D.P. Tripathi on the mathmatical theory of Acharya Bhaskaracharya titled 'Siddhant Shiromani'. It is divided into 5 parts. Written in Sanskrit, this book is very relevant to the learners of Jyotish Shastra.

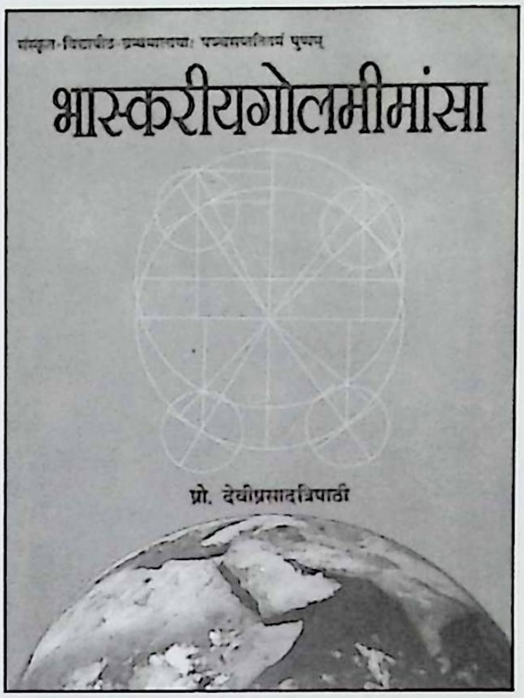

---

58. भोजप्रबन्धः **मूल्य : 225.00**

श्रीबल्लाल कवि-चिरचित कथा-साहित्य का यह अद्भुत-ग्रन्थ है। इसमें भोजनृपति को केन्द्रित कर कविशिक्षा के महत्वपूर्ण-तत्त्वों को उन्मीलित किया गया है। यह काव्य निर्माण-कौशल को अविष्कृत करता है। डॉ. के.पी.ए. मेनन् के आङ्ग्लभाषानुवाद से संवलित है।

BHOJ PRABANDHAH **Rs. 225.00**

It's a wonderful book of stories written by Sri Ballalalkavi. Important theories on education of poets centred on the King Bhoja are explicated in this book. It discovers the art of poetics. Translated by Dr. K.P.A. Menon, this book is useful for all.

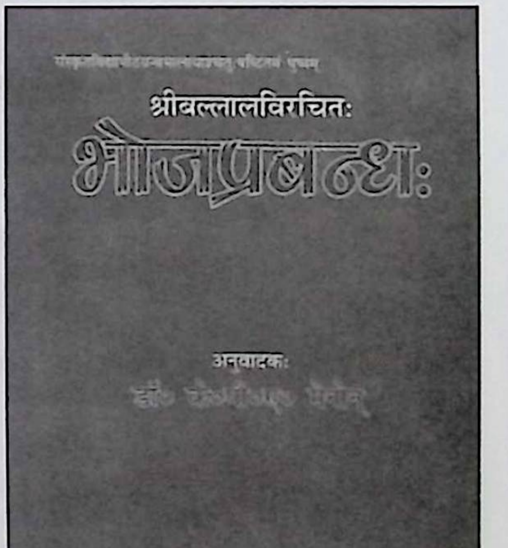

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

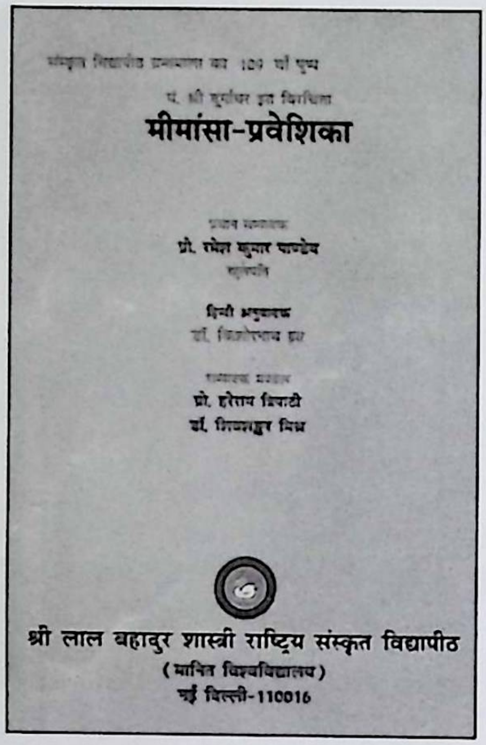

59. मीमांसा प्रवेशिका मूल्य 260.00

मीमांसा के विभिन्न आयामों पर जिज्ञासुओं को प्रवेश हेतु पं. श्री दुर्गाधर झा ने मीमांसा प्रवेशिका की मौथिली भाषा में रचना की थी, जिसका हिन्दी अनुवाद डॉ. किशोरनाथ झा ने किया है। हिन्दी अनुवाद का सम्पादन प्रो. हरेराम त्रिपाठी एवं डॉ. शिवशंकर मिश्र ने किया है। यह ग्रन्थ मीमांसा में प्रवेशार्थियों के लिए लाभप्रद है।

MEEMANSA PRAVESIKA Rs. 260.00

For the learners of Various dimensions of Mimansa Pt. Durgadhar Jha wrote this book in Maithli. It has been rendered into Hindi by Dr. Krishornath Jha. The hindi version of this book is edited by Prof. Hareram Tripathi & Dr. Shivshankar Mishra.

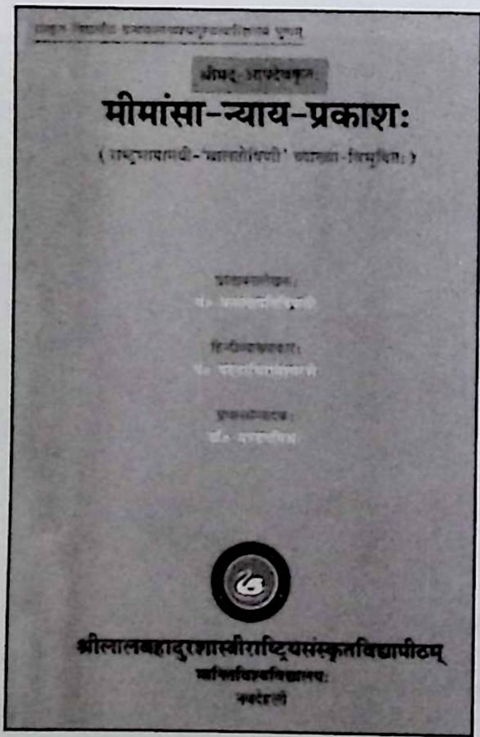

60. मीमांसान्यायप्रकाश मूल्य : 100.00

यह ग्रन्थ डॉ. मण्डन मिश्र के प्रधान-सम्पादकत्व एवं मीमांसा के अद्वितीय विद्वान् श्री पट्टाभिराम शास्त्री के सम्पादकत्व में प्रकाशित होकर संस्कृत वाङ्मय की अमूल्य निधि के रूप में सामने आया है।

MIMAMSA-NYAYA-PRAKASHA
Rs.100.00

This is an invaluable treasure of Sanskrit literature which has been edited by renowned scholar of Mimamsa Shastra Pt. Pattabhirama Shastri.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

61. यजुर्वेदे वैश्विकचिन्तनम्

मूल्य : 600.00

यजुर्वेद में समुपलब्ध वैश्विक चिन्तन सम्बन्धी सूक्तों तथा मन्त्रों के रहस्य को आठ अध्यायों में विभक्त कर प्रस्तुत किया गया है। इसका लेखन महामहोपाध्याय डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र द्वारा किया गया है।

YAJURVEDE VAISHVIKCHINTAM

Rs. 600.00

The secrets of hymns and mantras related to global thinking available in Yajurveda have been divided into eight chapters and presented. It has been written by Mahamahopadhyay Dr. Devendra Prasad Mishra.

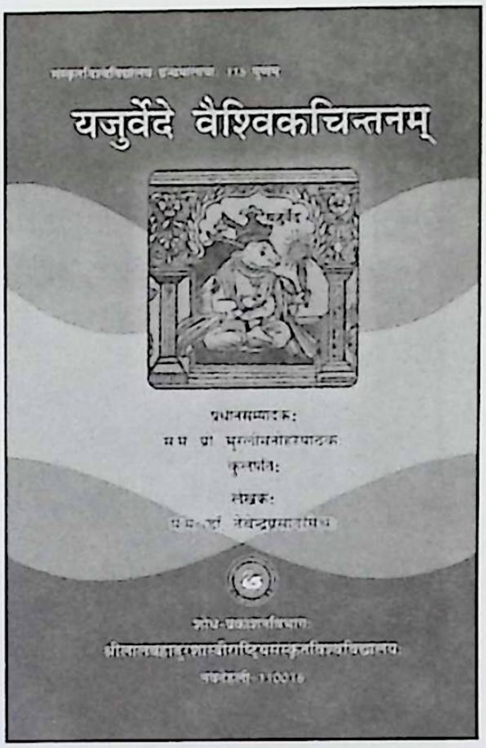

---

62. योग का महत्त्व एवं सिद्धान्त

मूल्य: 330.00

प्रस्तुत ग्रन्थ में वैदिक काल से आधुनिक काल पर्यन्त योग के विकास की परम्परा का विवरण रेखांकित किया गया है। यह ग्रन्थ 5 अध्यायों में विभक्त है। योगशास्त्र के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अध्येताओं को यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी है। इसके रचयिता डॉ. रमेश कुमार हैं।

YOG KA MAHATVA EVAM SIDDHANTA

Rs. 350

In this book, details of the tradition of the development of yoga from the Vedic period to the modern period have been outlined. This book is divided into 5 chapters. This book is very useful for graduate and postgraduate students of yogashastra. Dr. Ramesh Kumar is the author of this book.

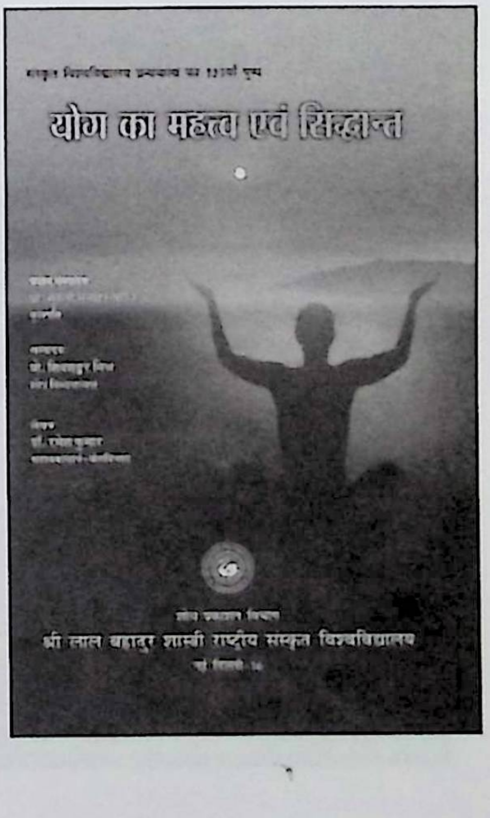

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

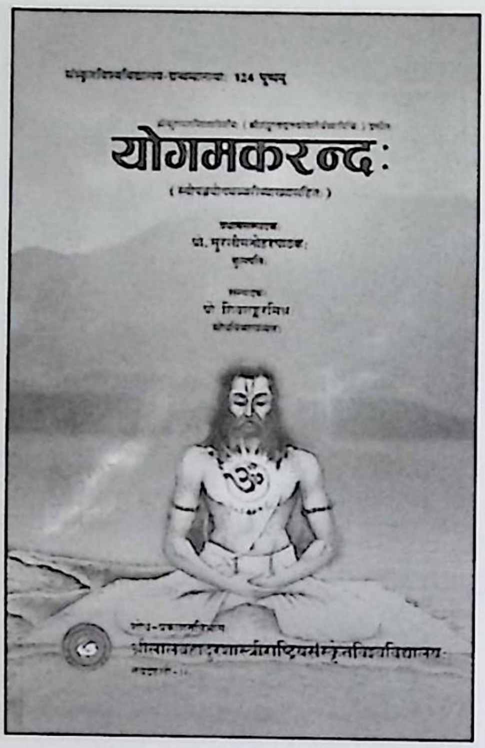

63. **योगमकरन्दः** **मूल्यः 200.00**

पतञ्जलयोगसूत्र पर आधारित श्री कुल यशस्वी शास्त्री विरचित ग्रन्थ योगमञ्जरी टीका से संबलित है। यह ग्रन्थ नाथ परम्परा के सुधी पाठकों, साधकों, जिज्ञासुओं एवं छात्रों के लिये परम उपयोगी है। यह छः उपदेशों में विभक्त है, इसका सम्पादन प्रो. शिवशंकर मिश्र एवं डॉ. रविशंकर शुक्ल ने किया है।

YOGMAKRAND **Rs. 200.00**

In The text Yogamanjari by Sri Kula Yashasvi Shastri based on the Patanjali Yoga Sutra is enhanced by the commentary. This book is extremely useful for the intelligent readers, seekers, Curious and students of Nath tradition. This book is divided into six updeshas, which has been edited by Prof. Shivshankar Mishra and Dr. Ravishankar Shukla.

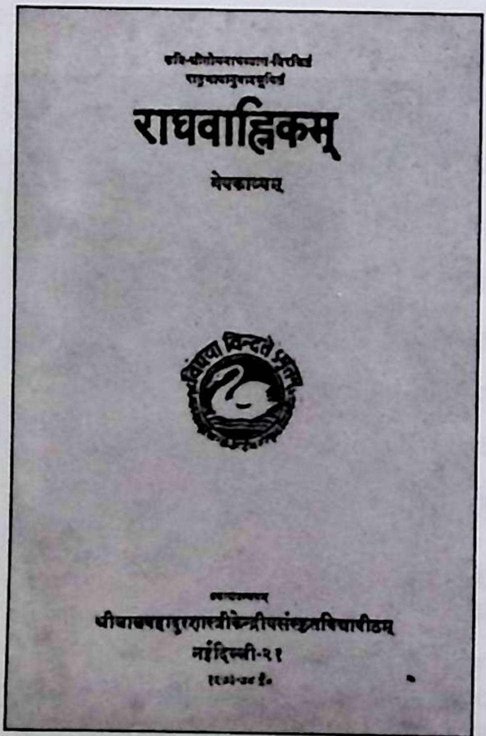

64. **राघवाह्निकम्**

गीत–गोविन्द की परम्परा में लिखित इस गेय काव्य के सात सर्गों में भगवान् रामचन्द्र के प्रातःकाल जागरण से लेकर रात्रि शयनकाल तक के कार्यकलापों को अत्यन्त सरल गेय पद्यों मे प्रस्तुत किया गया है। दो पाण्डुलिपियों के आधार पर सम्पादित इस काव्य हिन्दी अनुवाद, गीतिकाव्यों की परम्परा में अब तक उपलब्ध प्रायः 60 गीतिकाव्यों की परिचयात्मक भूमिका लेखन तथा सम्पादन डॉ. रुद्रवेद त्रिपाठी ने किया है।

RAGHAVAHNIKAM

It is a collection of lyrical poems originally composed by Shri Soma Nath Vyasa and edited by Prof. Babu Lal Shukla Shastri. Dr. R.D. Tripathi has now translated it into Hindi and added a learned introduction to it.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

65. रामायणम् (तिलक टीका-दो भाग)

मूल्य : 550.00

आदिकवि वाल्मीकि प्रणीत रामायण श्रीरामकृत तिलक व्याख्या से युक्त दो भागों में प्रकाशित है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन श्री वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर द्वारा किया गया है।

RAMAYAN (TILAK COMMENTRY)

Rs. : 550.00

Adikavi Valmiki's 'Ramayana' along with Shri Ramkrit Tilak's explanation is published in 2 parts. It is edited by Sri Vasudeva Lakshmana Shastri Pansikar.

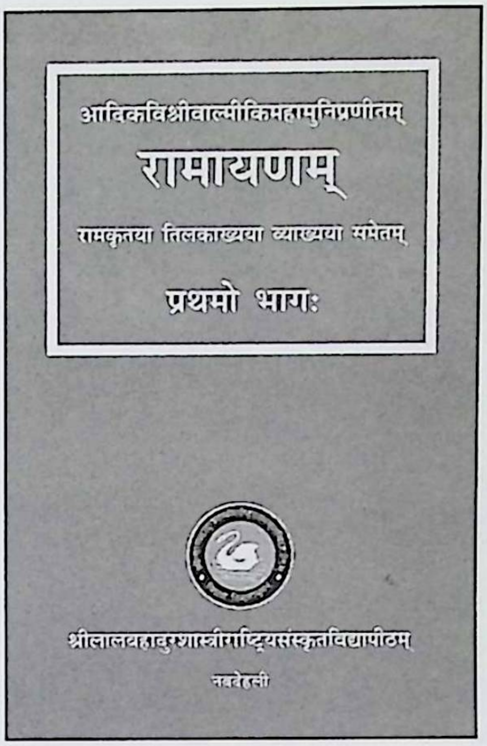

66. रामायण और भारत संस्कृति

मूल्य : 115.00

यह श्री प्रबोधचन्द्र सेन द्वारा बंग्लाभाषा में निबद्ध ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद है। अनुवाद कार्य सुमिता सिन्हा ने सम्पन्न किया है। इस ग्रन्थ में 'रामायण' एवं 'महाभारत' की संस्कृति के कुछ तुलनात्मक-तत्त्वों को सरल-शैली में उपस्थापित किया गया है।

RAMAYANA AUR BHARAT SANSKRITI **Rs. 115.00**

It is a Hindi translation of the original Bengali book by Prabodh Chandra Sen. It is translated by Sumita Sinha and is a comparative study of the the culture of Ramayan and the Mahabharat in a simple style.

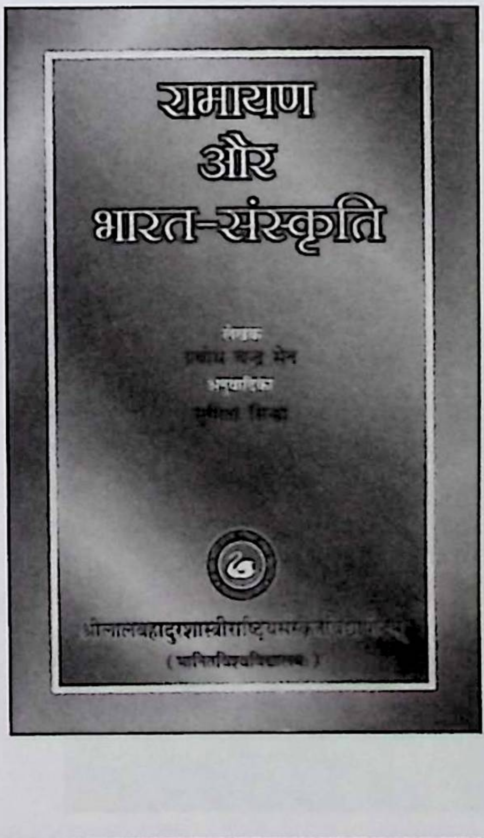

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

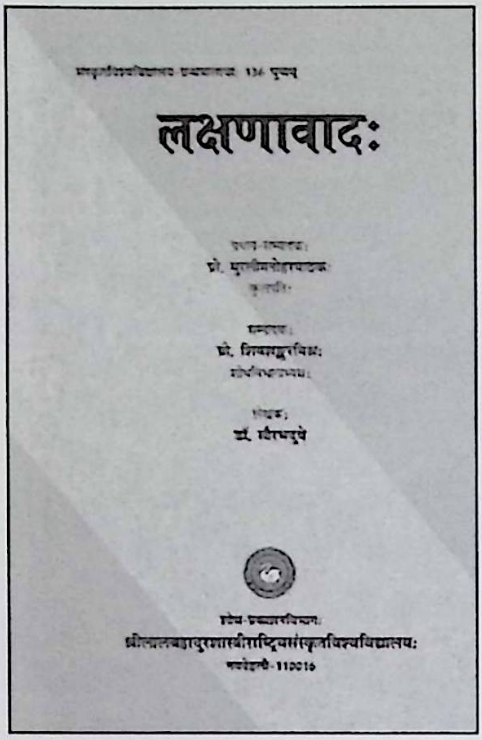

67. लक्षणावादः मूल्यः 700.00

प्रस्तुत ग्रन्थ शोधप्रबन्ध का परिष्कृत स्वरूप है। इसमें शब्दशक्ति लक्षणा के स्वरूप का निरूपण किया गया है। साहित्य शास्त्र के विद्यार्थियों के लिये सर्वथा उपयोगी है। इसे 5 अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसकी रचयिता डॉ. सौरभ दुबे हैं।

LAKSHNAVAD Rs. 700.00

The presented book is a refined version of a research thesis. The nature of shabdshakti lakshana has been described in it. It is very useful for students of literature. It has been divided into 5 chapters. Its author is Dr. Saurabh Dubey.

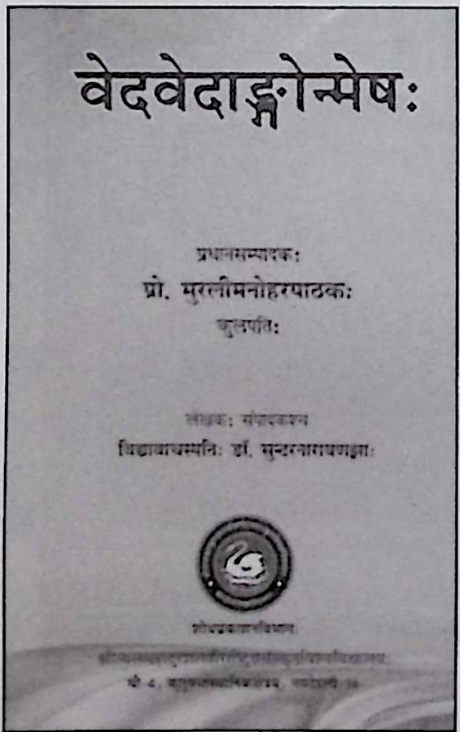

68. वेदवेदाङ्गोन्मेषः मूल्य : 350.00

वेद एवं वेदाङ्गों में विविध धार्मिक-राजनैतिक-चारित्रिक-नैतिक-वैज्ञानिक एवं सामाजिक आदि विषयों का विस्तृत विवेचन है। उन्हीं विषयों पर आधारित अट्ठाइस निबन्धों का संकलन है। इसके रचयिता डॉ. सुन्दरनारायण झा हैं।

VEDAVEDANGONMESHA

Rs. 350.00

There is extensive interpretation of various religious, political, moral, scientific and social subjects in Ved-Vedanga. This book is compilation of twenty-eight essays based on the same subjects. This book is written by Dr. Sundernarayan Jha.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

69. विशदपाण्डुग्रन्थसूची

मूल्य : 340.00

विद्यापीठ में संरक्षित पाण्डुलिपियों में देवनागरी लिपि की 993 पाण्डुलिपियों का विवरण संग्रह है।

VISHAD PANDUGRANTHA SUCHI **Rs. : 340.00**

The manuscripts preserved in the Vidyapeetha has the description of 993 manuscripts in Devanagri Lipi.

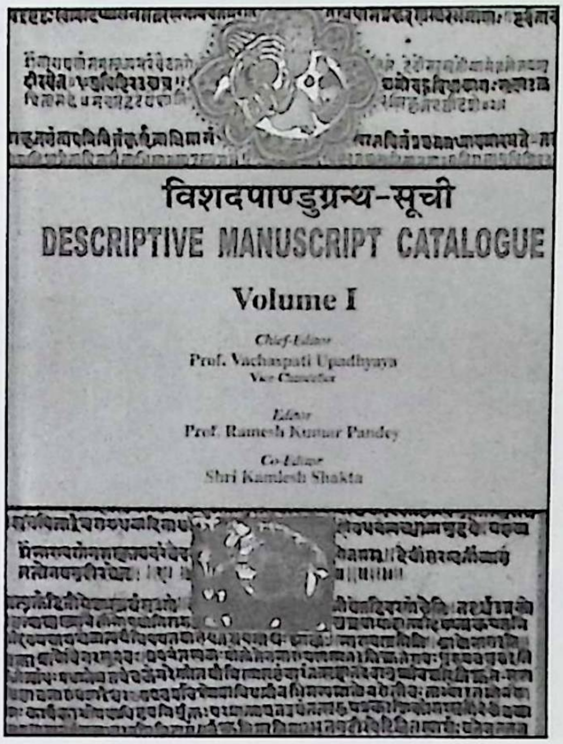

---

70. वेधशाला परिचय पुस्तिका

मूल्य : 25.00

यह ग्रन्थ पं० श्री कल्याणदत्त शर्मा द्वारा प्रणीत है। इसमें नाडीवलययन्त्र, याम्योत्तरयन्त्र, सम्राटयन्त्र, शंकुयंत्र, भारतीय तारामण्डल, चक्रयंत्र, याम्योत्तरतुरीययन्त्र, क्रान्ति-वृत्तयन्त्र, तुला-कर्क-मकरराशि वलययंत्र षष्ठांशयन्त्र आदि का विवरण है इनसे ग्रहों को देखा जा सकता है। यह ग्रन्थ शैक्षिक दृष्टि से ज्योतिष शास्त्र के छात्रों एवं विद्वानों के लिये सम्मान रूप से उपयोगी है।

VEDHSHALA PARICHAYA PUSTI KA
Rs. 25.00

The book is prepared by Pt. Kalyan Dutt Sharma for the introduction of the observatory which is situated on University campus. In this book he has given detailed introduction and mode of the experiment of all yantras of observatory.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

71. वैदिकऋषिदृष्टिसमीक्षा मूल्यः 300.00

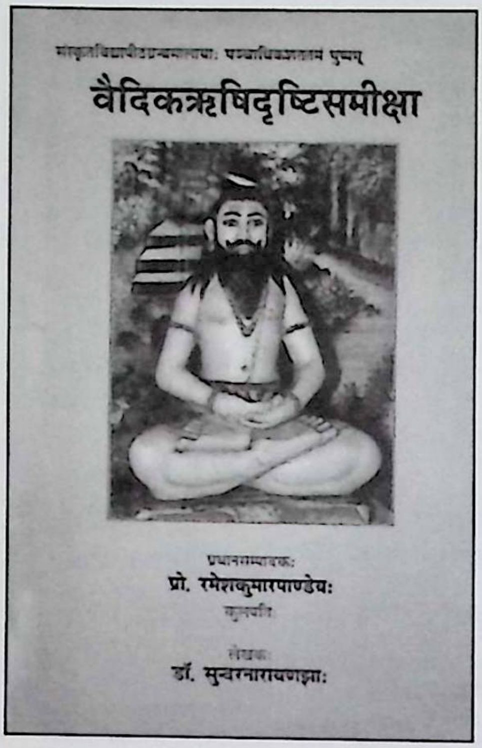

वेदों में ज्ञानविज्ञान से सम्बन्धित मानव कल्याण के लिए ऋषियों की दृष्टि की समीक्षा की गई है। यह ग्रन्थ 9 अध्यायों में विभक्त है। इसके लेखक डॉ. सुन्दरनारायण झा जी हैं। वैदिक ज्ञान के जिज्ञासुओं के लिए यह ग्रन्थ अमूल्य रत्न है।

VAIDIK RISHIDRISHTI SAMEEKSHA
Rs. 300.00

This book takes into account knowledge system in Vedas as communicated by the seers for the well being of all and sundry. Divided into 9 chapters, this book is written by Dr. Sundar Narayan Jha.

---

72. वैदिक दर्शन विमर्श मूल्यः 300.00

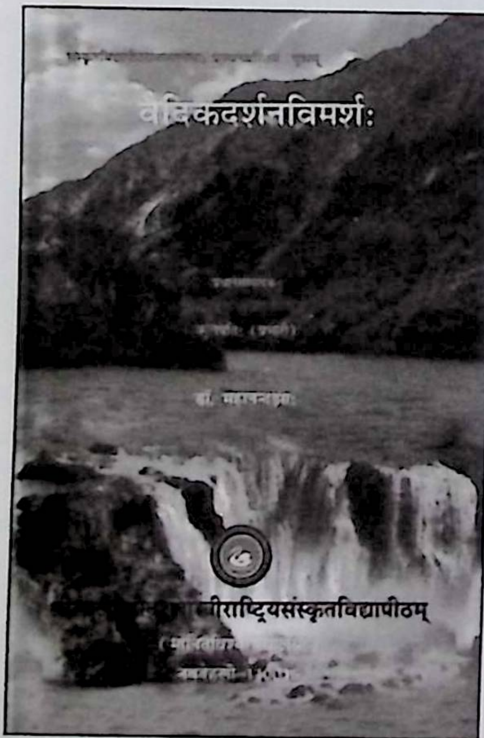

न्याय-वैशेषिक-सांख्ययोग-पूर्वोत्तरमीमांसा में वर्णित प्रमेय, प्रमाण आदि विषयों पर भेदों में समन्वय स्थापित किया गया है। तात्त्विक अनुशीलन कर समाज में इस ग्रन्थ रत्न को उपस्थापित किया गया है। इसके लेखक डॉ. महानन्द झा हैं।

VAIDIK DARSHAN VIMARSH
Rs. 300.00

This book that discusses Prameya and Pramana in Nyaya-Vaisheshik-Sankhya Yoga-Mimansa. It has been written by Dr. Mahanand Jha.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

73. वैदिक विज्ञान मूल्य : 166.00

इसके लेखक म.म. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी हैं। इसमें मधुसूदन ओझा द्वारा प्रतिपादित 'वैदिक विज्ञान' का विश्लेषणात्मक परिचय दिया गया है।

VAIDIC VIGYAN Rs. 166.00

Vaidic science as propounded by Pt. Madhusudan Ojha an erudite and renowned scholar, presented in this work in a lucid style by M.M. Giridhar Sharma Chaturvedi.

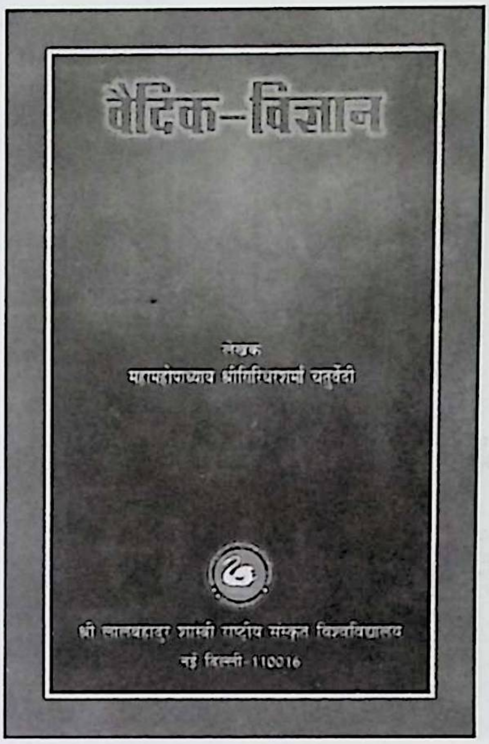

---

74. व्रतों से रोग निवारण मूल्य: 300.00

व्रतों से रोग निवारण की प्राचीन परम्परा के अनुसार इस ग्रन्थ का प्रकाशन किया गया है। व्रतों को 11 भागों में बाँटा गया है। यह ग्रन्थ जनसामान्य के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसका सम्पादन डॉ. रामराज उपाध्याय जी ने किया है।

VRATON SE ROG NIVARAN
Rs. 300.00

This book has been published taking into view the conventional system of curing ailments through fasting. Vratas have been divided into 11 parts. It is very useful for the common mass. It has been edited by Dr. Ramraj Upadhyay.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

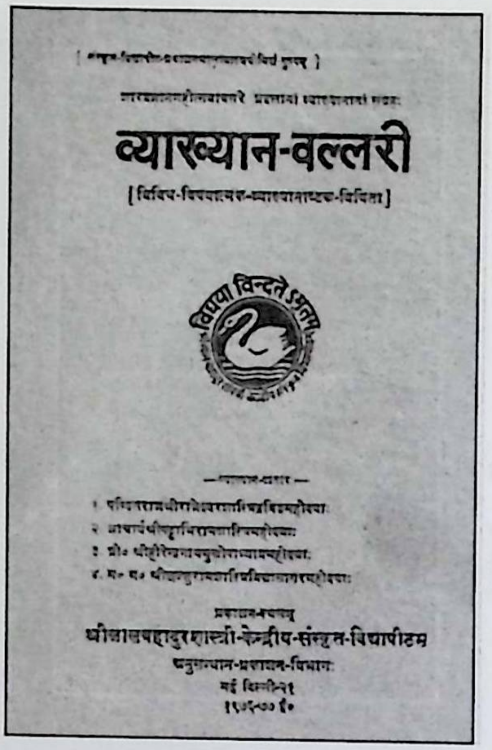

75. व्याख्यान-वल्लरी

यह विशेष भाषणों का संग्रह है। इसमें (1) पण्डितराज राजेश्वर शास्त्री द्रविड़ (2) आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री (3) प्रो. हीरेन मुखर्जी और (4) स्व. म.म. श्री छज्जूराम शास्त्री जी के विशिष्ट भाषणों को संकलित किया गया है।

VYAKHAYANA VALLARI

This volume contains learned lectures delivered by the undermentioned scholars:

1. Panditraja RajeshwarShastri Dravid.
2. Acharya Sh. Pattabhiram Shastri.
3. Prof. Hiren Mukherjee.
4. (Late) M.M. Sh. Chhajiu Ram Shastri.

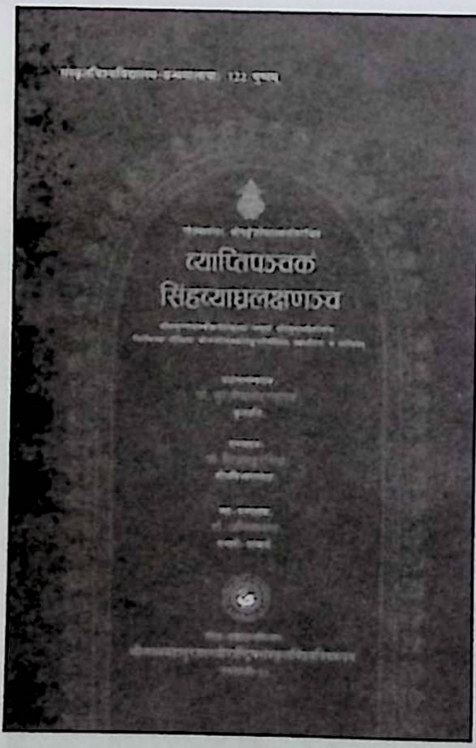

76. व्याप्तिपञ्चकं सिंहव्याघ्रलक्षणञ्च

मूल्य: 250.00

गौतमावतार श्रीगंगेशोपाध्याय विरचित यह ग्रन्थ श्री मथुरानाथ तर्कवागीश की माधुरी, श्री रघुनाथशिरोमणि की दीधिति, श्री जगदीश तर्कालंकार की जगदीशी टीका एवं श्री श्यमासुन्दर झा की चन्द्रिका व्याख्या से संबलित है। यह ग्रन्थ न्याय शास्त्र के अध्येताओं के लिये परम उपयोगी है। इस ग्रन्थ के सम्पादक प्रो. शिवशंकर मिश्र एवं सहसम्पादक डॉ. अनिलानन्द हैं।

VYAPTIPANCHAKAM SIMHA-VYAGRALAKSHNANCH **Rs. 250.00**

This book, which is written by Gauta- mavatar Shri Gangeshopadhyay, is supported by Shri Mathuranath Tarkavagish's Madhuri, Shri Raghunath- shiromani's Didhiti, Shri Jagdish Tarkalankar's Jagdishi Tika, and Shri Shyamasundar Jha's Chandrika interpretation. This book is extremely useful for students of Nyaya-Shastra. The editor of this book, Prof. Shivshankar Mishra, and the co-editor are Dr. Anilanand.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

77. **शतकत्रयम्** **मूल्य : 75.00**

पण्डित श्री शिवजी उपाध्याय द्वारा प्रणीत यह काव्य परम्परा का एक अनुपम रत्न है। इसमें दैवी शक्ति तथा भक्ति के निरूपण के साथ-2 सामाजिक समस्याओं का सहज निरूपण हुआ है।

SHATAKA TRAYAM **Rs. 75.00**

This Kavya composed by Pt. Sh. Shivji Upadhyaya, is a unique gem of Kavya tradition, in which, along with the discription of Shakti and Bhakti, social problems also are described.

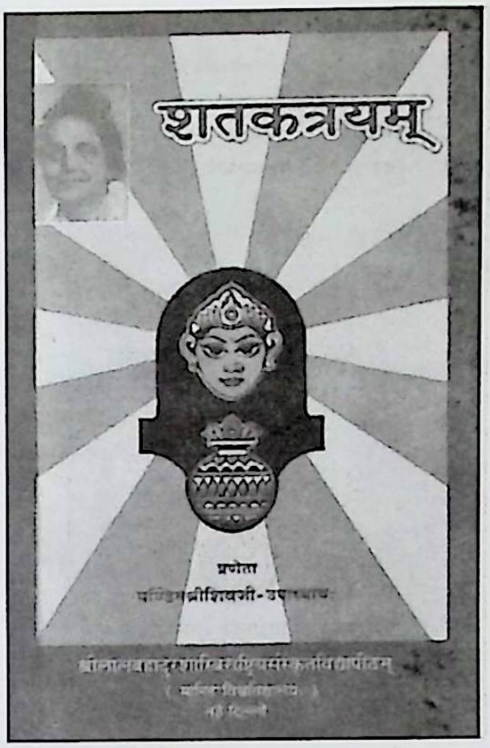

78. **शाबरभाष्यम्** **मूल्य : 110.00**

मीमांसा शाबरभाष्य के सप्तम एवं अष्टम अध्याय का टुप्टीका-वार्तिकाभरण तन्त्र-शिक्षामणि एवं भाष्यसन्दर्भ योजना नाम चार टीकाओं सहित प्रकाशित किया गया है। इस अत्यन्त महत्वपूर्ण ग्रन्थ का सम्पादन पद्मविभूषण आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी द्वारा किया है।

SHABAR-BHASHYAM **Rs. 110.00**

This important treatise of Mimansa school of Philosophy has been edited by venerable scholar Pt. Pattabhiram Shastri. Seventh and eighth chapters Shabar-Bhashyam have been published by the Vidyapeetha alongwith four commentaries namely Tup-Tika, Varitka-bharana, Tattvachintamani and Bhashya Sandarbha-Yojna.

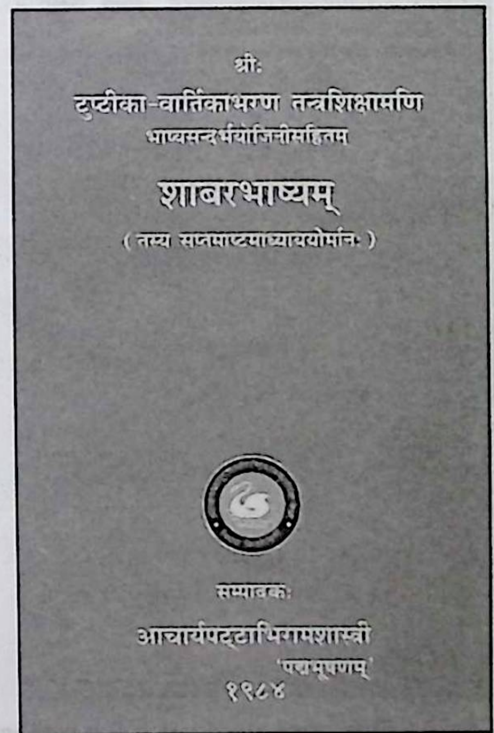

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

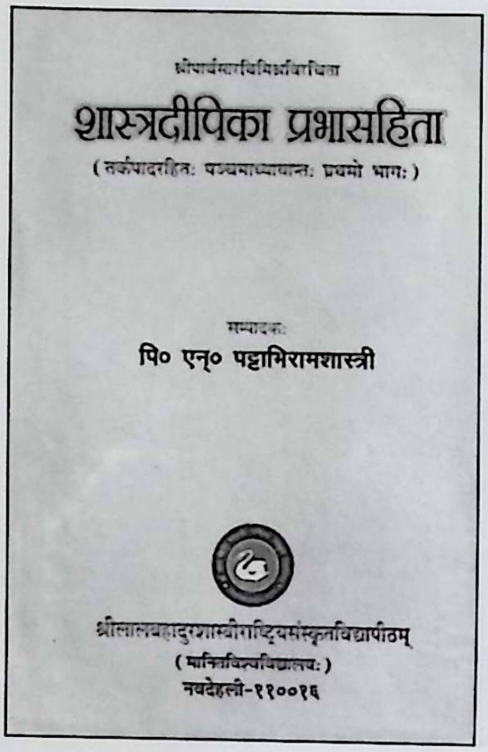

79. शास्त्र-दीपिका - (प्रथमभागः)

मूल्य : 260.00

मीमांसा शास्त्र के ग्रन्थों में म.म. पार्थसारथि मिश्र रचित शास्त्रदीपिका का महत्वपूर्ण स्थान है। (इस संस्करण में मूलग्रन्थ का तर्कपाद नहीं है) इसमें तत्सत् श्री रामभट्ट के आत्मज तत्सत् श्री वैद्यनाथ भट्ट द्वारा विरचित प्रभा व्याख्या पाँचवें अध्याय तक का समावेश किया गया है। ग्रन्थ का सम्पादन सुप्रसिद्ध मीमांसाचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी ने किया है।

SHASTRA DEEPIKA (PART I) **Rs. 260.00**

Shastra Deepika is a significant work on Mimansa Sastra (The present edition does not include the Tarakpada of the original book. This volume contains Prabha Vyakhya (Upto five Chapters) by Sh. Vaidya Nath Bhatt. The book has been edited by the renowned scholar Mimamsacharya Sh. Pattabhiram Shastri who has enriched it with a learned introduction.

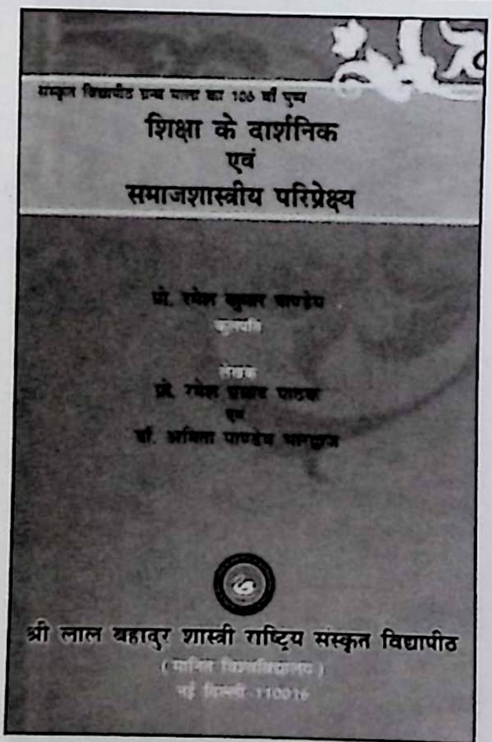

80. शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

मूल्य : 340.00

इस ग्रन्थ में शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण एवं आवश्यक तत्त्वों को सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में 14 अध्याय है। इसका लेखन प्रो. रमेश प्रसाद पाठक एवं डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज ने संयुक्त रूप से किया है।

SHIKSHA KE DARSHNIK EVAM SAMAJSHASTRIYA PARIPREKSHYA

Rs. 340.00

This book deals with the philosophical and sociological dimensions of education. This book divided into 14 chapters. It is very useful for the students of B.Ed and M.Ed. It has been written by Prof. Ramesh Prasad Pathak & Dr. Amita Pandey Bhardwaj.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

81. शिशुपालवधकाव्यानुशीलनम्

मूल्य : 240.00

शिशुपालवध महाकाव्य पर आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित संस्कृतभाषा के 26 शोधनिबन्धों का संग्रह है। इसके सम्पादक प्रो. शुकदेव भोई तथा सह सम्पादक डॉ. ज्ञानधर पाठक हैं।

SHISHUPALVADH KAVYANU SHEELNAM **Rs. 240.00**

This is a collection of 26 essays in Sanskrit language read by scholars in the seminar organized on Shishupal-vadhq Mahakavya. It has been edited by Prof. Shukdev Bhoi and co-edited by Dr. Gyandhar Pathak.

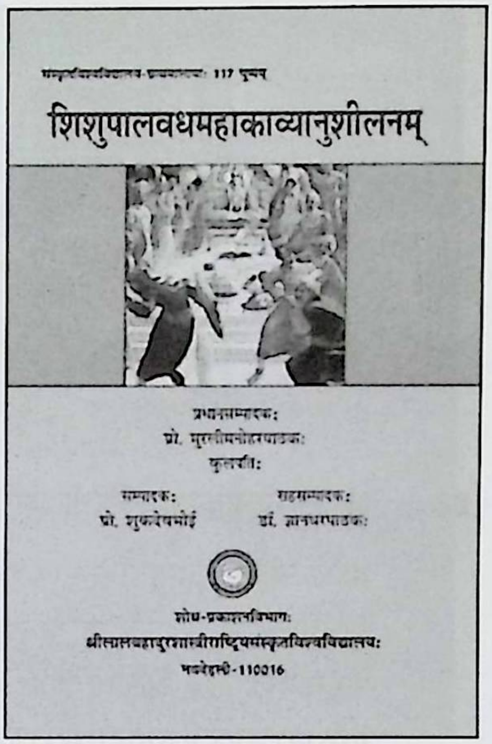

---

82. शिशुपालवध : एक परिशीलन

मूल्य: 1050.00

साहित्य विभाग द्वारा शिशुपालवध महाकाव्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी संगोष्ठी में पठित हिन्दीभाषा के निबन्धों में से 42 उत्कृष्ट शोधनिबन्धों का संग्रह रूप ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ महाकाव्य के विविध पक्षों को व्याख्यायित करता है। इसके अध्ययन से उक्त महाकाव्य के मर्म को सरलता से समझा जा सकता है।

SHISHUPAL VADH : EK PARISHLAN
Rs. 1050.00

This book is a collection of 42 excellent research essays read in Hindi at the national seminar organized by the Department of Literature on Shishupal- vadh-Mahakavya. This book explains various aspects of the Mahakavya. By studying it, the essence of the said Mahakavya can be easily understood.

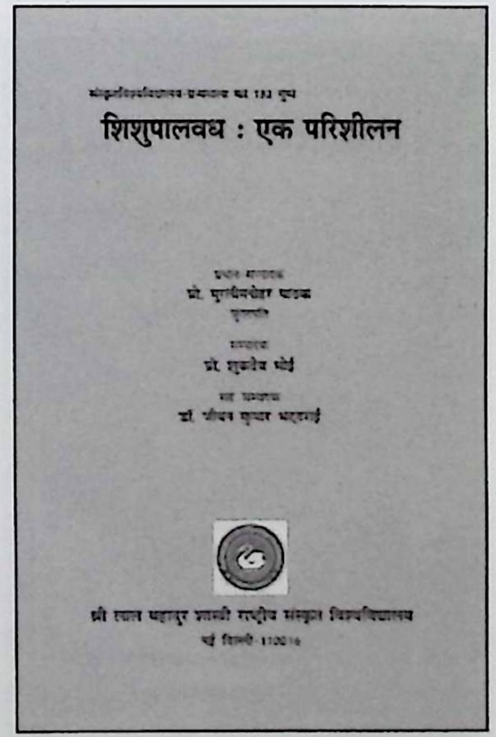

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

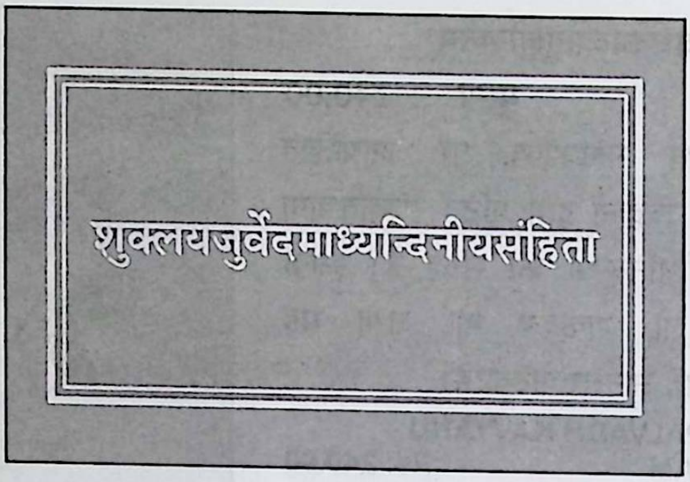

83. शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता (मूल)

यह ग्रन्थ संहितामन्त्रों की अनुक्रमणिका, वेदपारायणविधि, अनुवाक सूत्र, अष्टविकृतियां याज्ञवल्क्यशिक्षा, प्रतिज्ञा क्रमसूत्र, सर्वानुक्रम सूत्र, पारस्करग्रह्यसूत्र से युक्त है। वेद के पाठकों के लिए अत्यन्त उपोदय है।

SHUKLAYAJURVEDMADHYANDINIYASANHITA (TEXT)

This books includes the list of Samhita-Mantras and others aspects of Vedic studies and is very relvenat for Veda scholars.

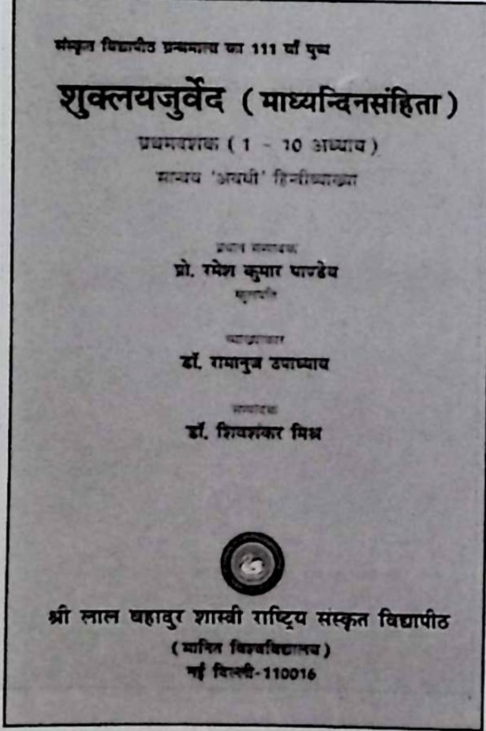

84. शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनसंहिता)
प्रथम दशक हिन्दी व्याख्या

वैदिकमन्त्रों के अर्थज्ञान के लिए शुक्लयजुर्वेदीय माध्यन्दिनशाखा के प्रथमदशक (1-10) की सान्वय "अवधी" हिन्दी व्याख्या डॉ. रामानुज उपाध्याय द्वारा की गई है जो वैदिक विद्वानों, छात्रों एवं जिज्ञासुओं के लिए महत् उपयोगी है।

SHUKLAYAJURVED
(MADHYANDIN SAMHITA)
HINDI RENDERING

The (Avadhi) Hindi rendering of Shukla-yajurveda is the result of hard work of Dr. Ramanuj Upadhyay. Which is relevant for the Vedic Scholars.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

85. शैक्षिकानुसन्धानं बुद्धिश्च मूल्य: 300.00

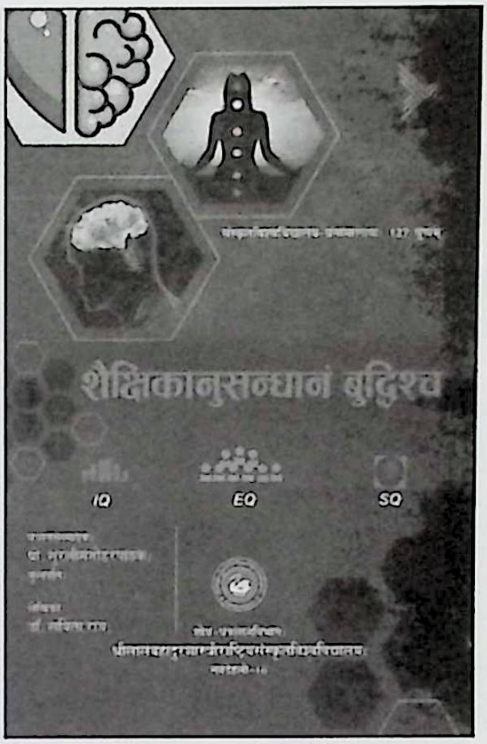

प्रस्तुत ग्रन्थ शोधप्रबन्ध का परिष्कृत स्वरूप है। इसमें शैक्षिक अनुसन्धान एवं बुद्धि व्याख्यात है। शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों के लिये सर्वथा उपयोगी है। इसे 5 अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसकी रचयिता डॉ. सविता राय हैं।

SHAKSHIKANUSANDHAN BUDDHISCH Rs. 300.00

The presented book is a refined form of a research thesis. Educational research and wisdom are explained in it. It is very useful for the students of education. It is divided into 5 chapters. Its author is Dr. Savita Rai.

---

86. शैवाद्वयविंशतिका मूल्य : 75.00

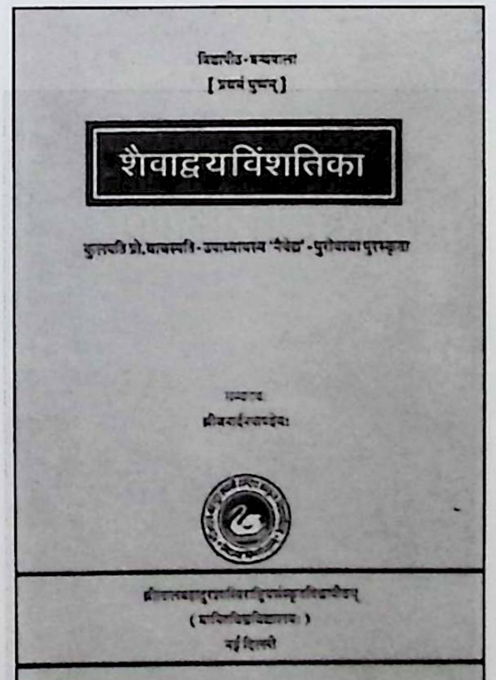

श्री जर्नादन पाण्डेय द्वारा सम्पादित लघुस्तुति काव्यों का यह संग्रह शैवाद्वैत परम्परा में विशेष स्थान रखता है। इसमें अभिनवगुप्त के 1, राजानक नाग के 2, कोलानन्द के 3, तथा अवधूत सिद्ध, क्षेमराज, भास्करकण्ड, सहजानन्द और हर्ष के एक-एक स्तोत्रों का संग्रह है।

SAIVADVAYA VI MSATI KA Rs.75.00

Edited by Shri Janardan Pandey This collection of Laghu Stutikavyas has a dignified rank in Saivadvaita tradition, It contains 9 Strotras of. Abhinava Gupta, 2 of Rajanak Nag, 3 of Kolanand, one each of Avadut Siddh Kshemaraj, Bhaskara Kand, Sahajanand and Harsha respectively.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

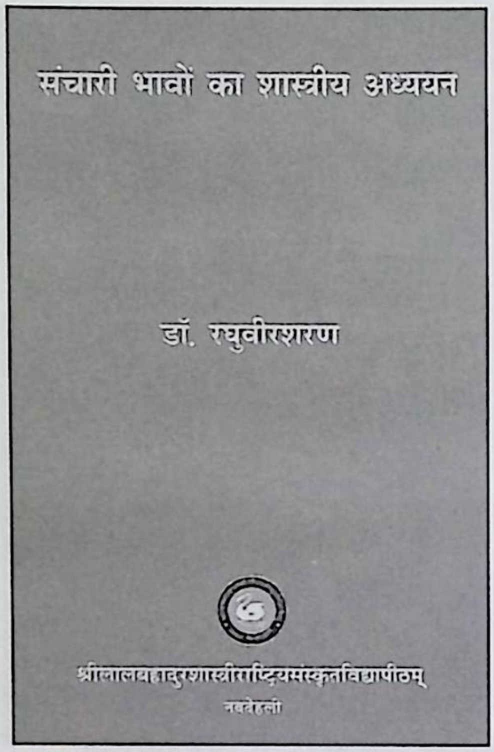

87. संचारी भावों का शास्त्रीय अध्ययन

मूल्य : 20.00

यह ग्रन्थ डॉ. रघुवीरशरण द्वारा पीएच. डी. उपाधि के लिए लिखे गये शोध प्रबन्ध का अविकल रूप है। संचारी भावों के विवेचन में ग्रन्थकार की मौलिक सूझ का परिचय ग्रन्थ का उल्लेखनीय है।

SANCHARI BHAVON KA SHASTRIYA-ADHYAYANA Rs. 20.00

It is a thesis presented by Dr. Raghuvir Sharan Vyathit for the Degree of the Doctor of Philosophy. It deals with the transitory sentiments known as Sancharibhava in Indian poetics. The author exhibits exemplary skill and depth of learning in analysing these sentiments. His analysis is befittingly augmented with references to the relevant opinions of the western critics.

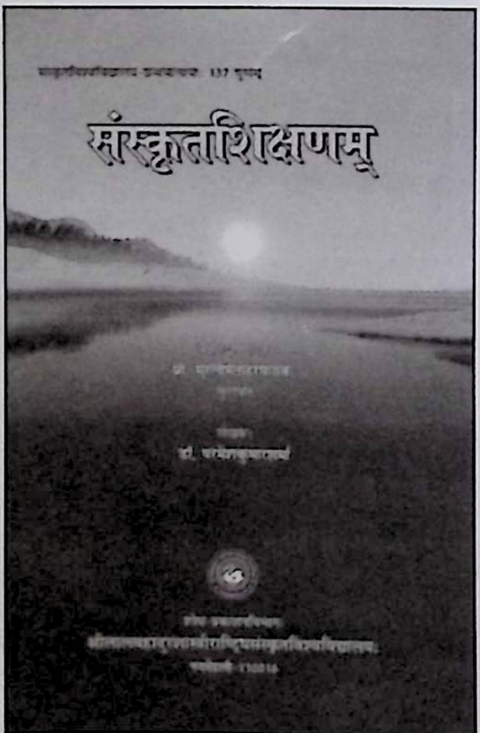

88. संस्कृतशिक्षणम् मूल्यः 550.00

इस ग्रन्थ में संस्कृतभाषा कौशल एवं संस्कृतशिक्षण के स्वरूप का निरूपण किया गया है। शिक्षाशास्त्री के विद्यार्थियों के लिये सर्वथा उपयोगी है। इसे 16 अध्यायों में विभक्त किया गया है। इसकी रचयिता डॉ. परमेश शर्मा हैं।

SANSKRITSHIKSHNAM Rs. 550.00

In this book, the nature of Sanskrit language skills and Sanskrit teaching has been described. It is very useful for students of education- It has been divided into 16 chapters. Its author is Dr. Parmesh Sharma.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

89. सर्वदर्शन-समन्वयः मूल्य : 55.00

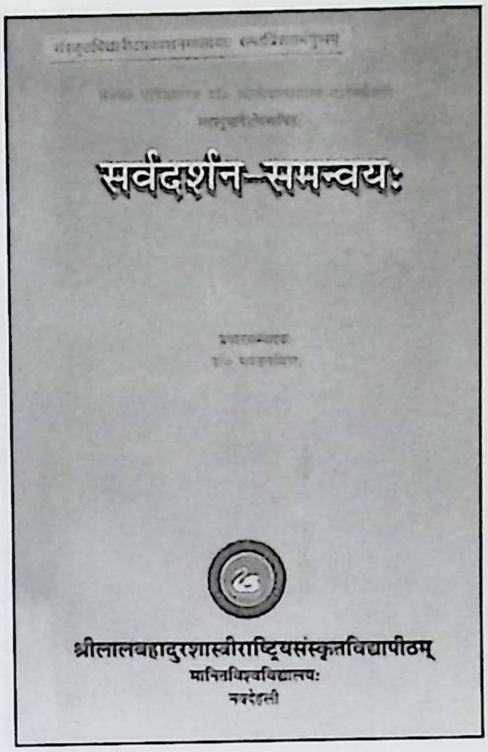

विद्यापीठ द्वारा प्रतिवर्ष सम्पन्न की जाने वाली 'शारदीय व्याख्यानमाला' में पण्डितराज डॉ. गोपाल शास्त्री दर्शन केशरी जी द्वारा प्रदत्त भाषणों के आधार पर संकलित यह ग्रन्थ दर्शन की विभिन्न धाराओं का निर्देशक है। श्री शास्त्री जी ने अपने पौढ़ प्रतिभा के प्रकाश में आस्तिक, नास्तिक, स्वदेशी-विदेशी सभी दर्शनों का वास्तविक चिन्तन इसमें प्रस्तुत किया है।

SARVA DARSHANA SAMANVAYAH
Rs. 55.00

Compiled on the basis of lectures delivered by Panditraj Dr. Gopal Shastri 'Darshan Keshari' during 'Shardiya Vyakhyanmala' conducted by the Vidyepeetha every year, this book is a guiding star for various branches of Philosophy. In the light of his wide experience, Shri Shastriji has presented the original thought of Theist, Atheist, Indian and Western Philosophy.

---

90. संज्ञानात्मकोपलब्धयः मूल्य : 200.00

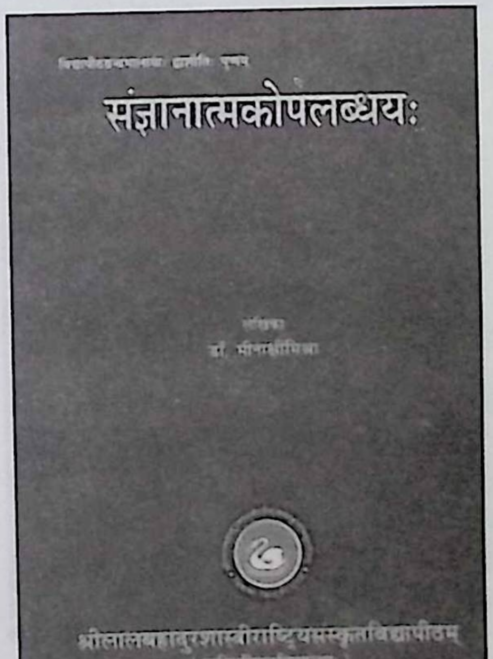

डॉ. मीनाक्षी मिश्रा की शोधोपाधि प्राप्त शोधप्रबन्ध का परिष्कृत रूप है। प्रस्तुत ग्रन्थ छः अध्यायों में विभक्त है। शिक्षाशास्त्र विषय में शोधकर्त्ताओं के लिए उपादेय है।

SANGYATMAKOPALBDHYA
Rs. 200.00

This book is a refinal version of the thesis of Dr. Meenakshi Mishra of Education Department, Vidyapeetha. Divided in six chapters it is very relevant for researches. It has been written & edited by Dr. Meenakshi Mishra.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

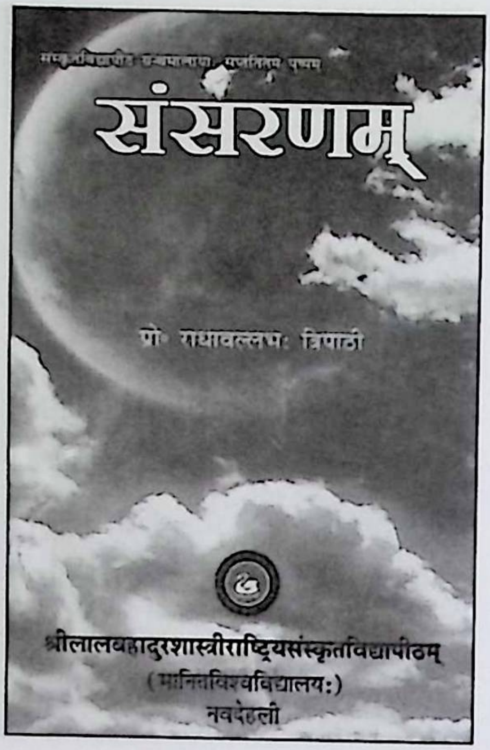

91. संसरणम् **मूल्य : 75.00**

महाकवि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा विरचित संसरणम् प्रस्फुट कविताओं का संकलन है। इसमें पाँच सरणियां हैं, जिसमें कुल 60 रचनायें हैं।

SANSARANAM **Rs. 75.00**

This is a collection of sixty poems on several topics composed by Prof. Radhavallabh Tripathi. It is developed in 5 chapters.

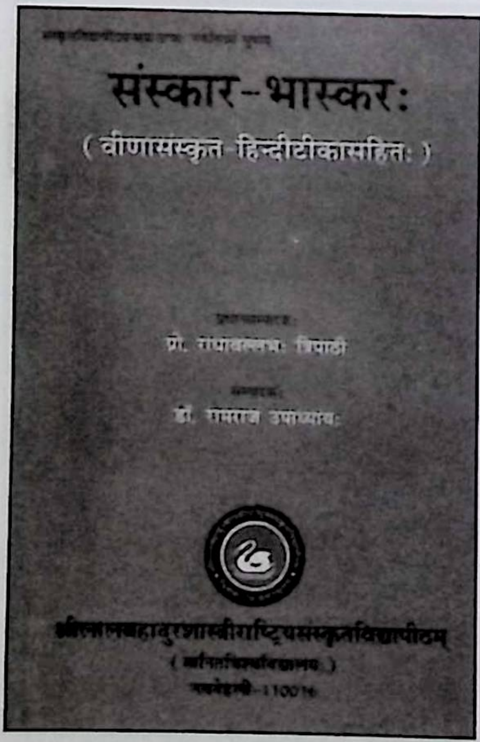

92. संस्कार-भास्करः **मूल्य : 300.00**

हिन्दू संस्कार के विधि-विधान का विस्तृत वर्णन इस ग्रन्थ में किया गया है। पुरोहितों एवं पूजा-पाठ के विधि-विधान के जिज्ञासुओं के लिए परमोपयोगी ग्रन्थ है उक्त ग्रन्थ का सम्पादन डॉ० रामराज उपाध्याय ने किया है।

SANSAKAR-BHASKAR **Rs. 300.00**

Indian culture is based on Sanskaras. This book elaborates exhaustively Hindu Sanksaras. Edited by Dr. Ramraj Upadhyay, this book is very important for the learners of Paurohitya and its technicalities.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

93. संस्कारप्रकाश

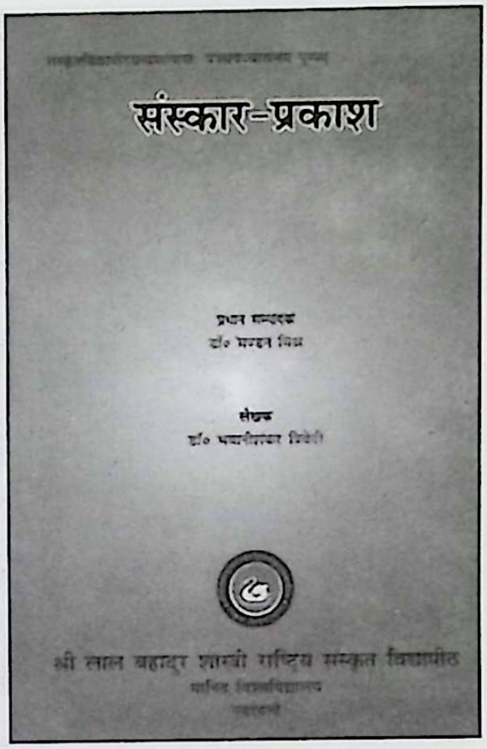

डॉ. भवानी शंकर त्रिवेदी द्वारा संपादित ग्रन्थ है। पंचमयूखात्मक इस ग्रन्थ में विवाह आदि विविध संस्कारों का वैज्ञानिक विवेचन प्रस्तुत करते हुए उनके शास्त्रीय विधि-विधान को उपनिबद्ध किया गया है। शास्त्रीय पद्धति पर सम्पूर्ण विधि-विधान ऊपर संस्कृत में तथा नीचे हिन्दी में दिया गया है।

SANSKARA PRAKASH

Dr. Bhawani Sankar Trivedi is the author of this valuable work. It contains in five chapters a scientific analysis of different Sanskaras such as marriage etc. The author has given Hindi translation-of Sanskrit text for the benefit of common readers.

---

94. संशयवाद **मूल्य : 210.00**

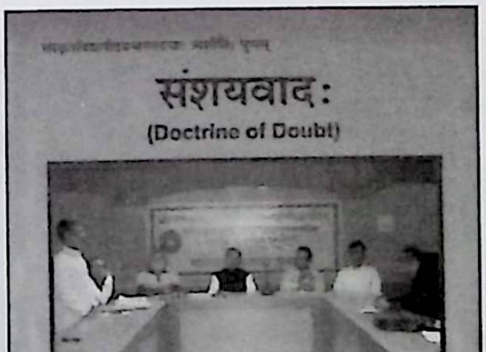

न्यायदर्शन विभाग द्वारा 23-25 फरवरी, 2011 को आयोजित संशयसंवाद संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 48 शोध निबन्धों का संग्रह है। साथ में संशय विषय न्याय शास्त्रीय ग्रन्थों में उपलब्ध अंशों को भी प्रकाशित किया गया है। इसका सम्पादन न्यायदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित ने किया है।

SANSAYAWAD **Rs. 210.00**

This books is a compilation of 48 research papers presented during seminar on Sanshayvad conducted by Dept. of Nyay-Darshan dated 23-25 February 2011 along with relevant excerpts on 'Sanshay' as found in books on Nyayashastra. This book is edited by Prof. P.K. Dixit.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

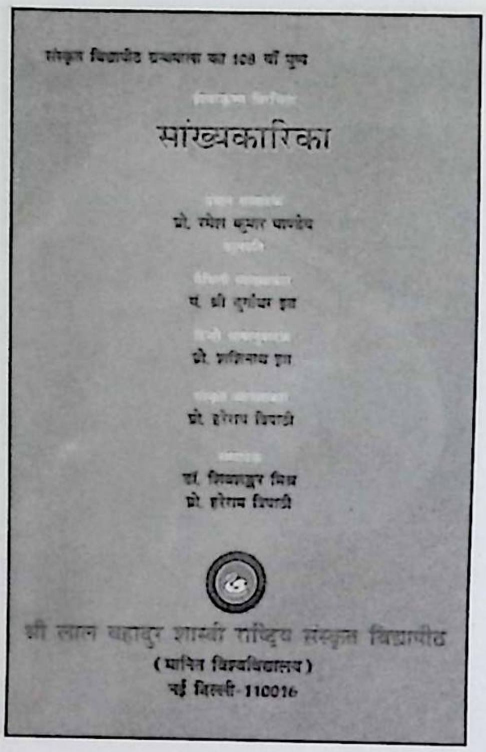

95. सांख्यकारिका **मूल्य 300/-**

ईश्वर कृष्ण विरचित सांख्यकारिका का पं. दुर्गाधर झा ने मैथिली भाषा में व्याख्या की। इस व्याख्या का हिन्दी में प्रो. शशिनाथ झा ने अनुवाद किया। प्रो. शशिनाथ झा के हिन्दी अनुवाद एवं प्रो. हरेराम त्रिपाठी की संस्कृत व्याख्या के साथ मूल कारिकाओं सहित सांख्यकारिका प्रकाशित है।

Sankhyakarika **Rs. 300.00**

Ishwar Krishna's 'Sankhyakarika' has been explained in Maithli by Pt. Durgadhar Jha. It is tranlated in Hindi by Prof. Shashinath Jha. This book that contains the hindi rendering of Prof. Shashinath Jha & Sanskrit explanation by Prof. Hareram Tripathi.

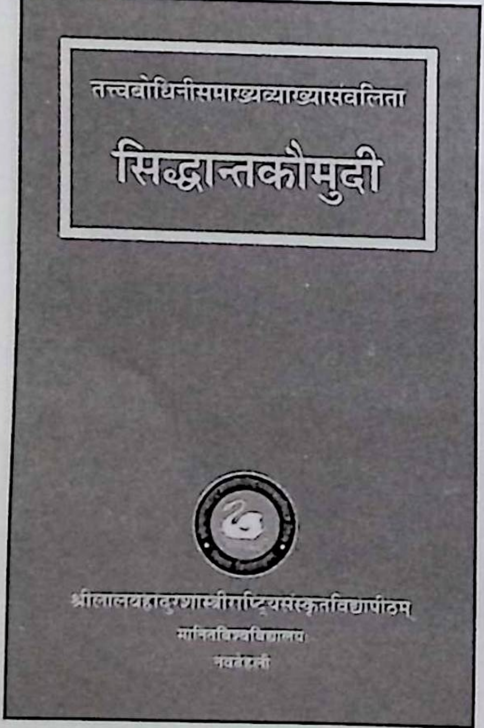

96. सिद्धान्तकौमुदी **मूल्य : 360.00**

व्याकरणशास्त्र की भट्टोजी दीक्षित प्रणीत सिद्धान्तकौमुदी पाणिनीय व्याकरणसूत्रवृत्ति, अष्टाध्यायीसूत्र तथा सिद्धान्तकौमुदी उस पर श्रीज्ञानेन्द्र सरस्वती कृत तत्त्वबोधिनी व्याख्या है। इस ग्रन्थ का सम्पादन एवं संशोधन श्री वासुदेव शर्मा जी द्वारा किया गया है।

SIDHANT KAUMADI **Rs. 360.00**

'Siddhant Kaumudi' is a book on Bhattoji Dixit's composition of the same name along with Tattvabodhini explanation by Shri Gyanendra Sarasvati. It is edited by Sri Vasudev Sharma.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

97. **सिद्धित्रयम्** **मूल्य : 60.00**

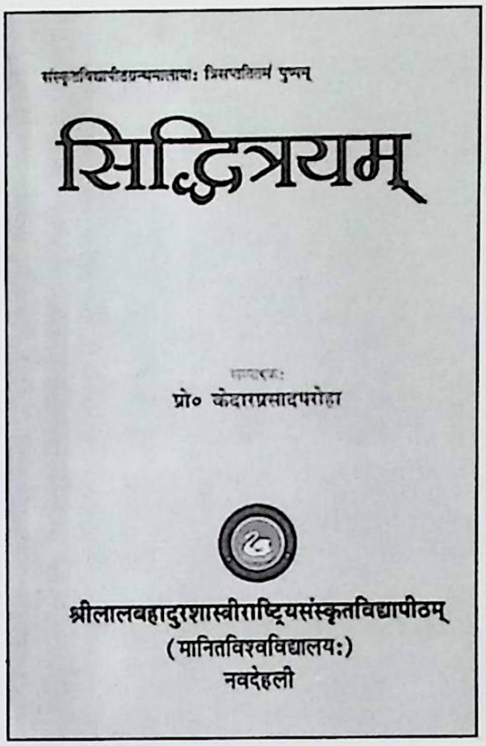

विशिष्टाद्वैत दर्शन के यमुनाचार्य द्वारा विरचित आत्मसिद्धि, ईश्वरसिद्धि एवं संवित्सिद्धि इन सिद्धियों का संग्रह रूप सिद्धित्रयम् ग्रन्थ है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो० केदारप्रसाद परोहा जी ने किया है।

SIDDHITRAYAM **Rs. 60.00**

'Siddhitrayam' is a collection of three siddhis visavis Attmasiddhi, Ishvarsiddhi and Samvitsiddhi by the scholar of Visistadvaita, Yamunacharya. This book is very important for the learners of philosophy, and edited by Prof. K.P. Paroha.

---

98. **सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः** **मूल्यः 370.00**

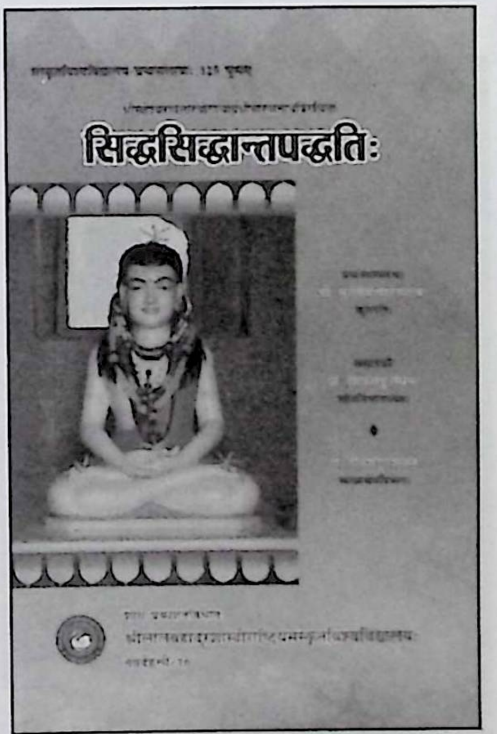

श्री महेश्वरावतार योगाचार्य गोरक्षनाथ विरचित ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ नाथ परम्परा के सुधी पाठकों, साधकों, जिज्ञासुओं एवं छात्रों के लिये परम उपयोगी ग्रन्थ है। छः उपदेशों में विभक्त ग्रन्थ है, जिसका सम्पादन प्रो. शिवशंकर मिश्र एवं डॉ रविशंकर शुक्ल ने किया है।

SIDDHSIDDHANTPADHTI **Rs. 370.00**

Shri Maheshwaravatar is a book written by Yogacharya Gorakshanath. This book is eñtremely useful for the intelligent readers, seekers, Curious and students of Nath tradition. This book is divided into siñ updeshas, which has been edited by Prof. Shivshankar Mishra and Dr. Ravishankar Shukla.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

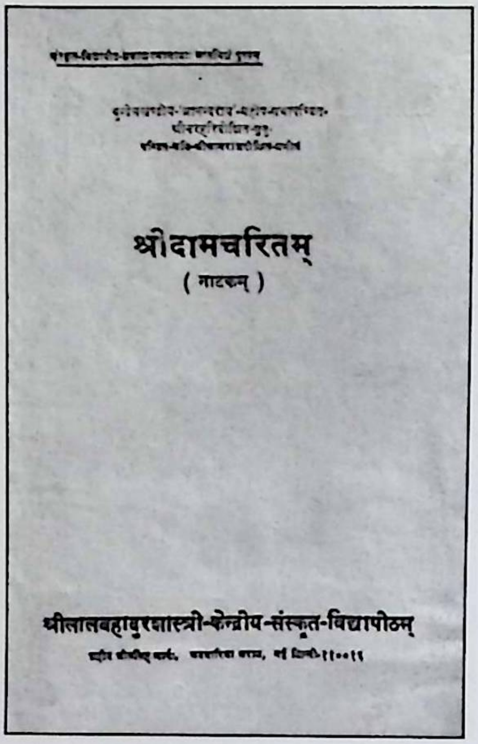

99. श्रीदामचरितम्

पण्डित कवि श्री सामराज दीक्षित द्वारा निर्मित यह नाटक अपने क्षेत्र की अनूठी रचना है। संस्कृत साहित्य में नाटकीय दृष्टि से सुदामा के चरित्र को उर्वरित करने वाला यह पहला नाटक है। प्रो. श्री बाबूलाल शुक्ल द्वारा इसका यशस्वी सम्पादन हुआ है तथा डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने इस पर विस्तृत प्राक्कथन 24 पृष्ठों में लिखकर विषय वस्तु की समीक्षा की है।

SHRIDAMACHARITA

This Volume is the result of author's infatiguable labour He has translated Sayanacharya's Krsna Yajurveda Taitiriya Samhita into Hindi and adorned his book with learned comments. All the intricacies of the subject have been explained in a very lucid manner Kavi Ratna Sh. Amir Chandra Shastri and Dr. Rudra Dev Tripathi have edited the Pancham Anuwaka of the Prathma Prapathaka of the first Chapter.

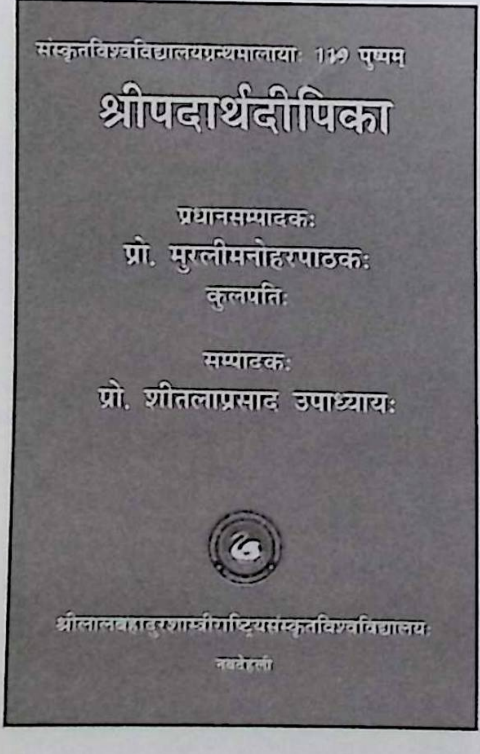

100. श्रीपदार्थदीपिका मूल्य : 210.00

आगम विषयक श्रीपदार्थदीपिका श्रीविद्या का महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। इसका सम्पादन प्रो. शीतलाप्रसाद उपाध्याय ने किया है। यह ग्रन्थ आचार्य श्री बटुकनाथ शास्त्री खिस्ते के प्रास्ताविकम् से संबलित है।

SHRIPADARTHA DEEPIKA

Rs. 210.00

Shreepadarthadipika is an important text of Srividya on Agama. It has been edited by Prof. Sheetlaprasad Upadhyay. This book is composed from introduction of Acharya Shri Batuknath Shastri Khiste.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

101. श्रीबहुरूपगर्भस्तोत्रम् मूल्य : 10.00

बृह-स्वच्छन्दतंत्र-प्रोक्त श्री बहुरूपगर्भस्तोत्र पाठ कश्मीर में शिवोपासना के प्रारम्भ एवं समाप्ति पर आशुफलप्रद एवं ऐहिक इच्छापूर्ति का अपूर्व साधक माना जाता है। यह विषम पदों से सम्बद्ध रहस्य को उद्घाटित करने वाली चार विद्वत्तापूर्ण टीकाओं से अलंकृत है।

SHRI BAHURUPA-GARBHA-STOTRA
Rs. 10.00

It is a practice in Kashmir to utter Bahurupagarbha stotra in the beginning and end of Shivopasana to get ones material is desires fulfiled. The book also contains four scholarly commentaries on the text.

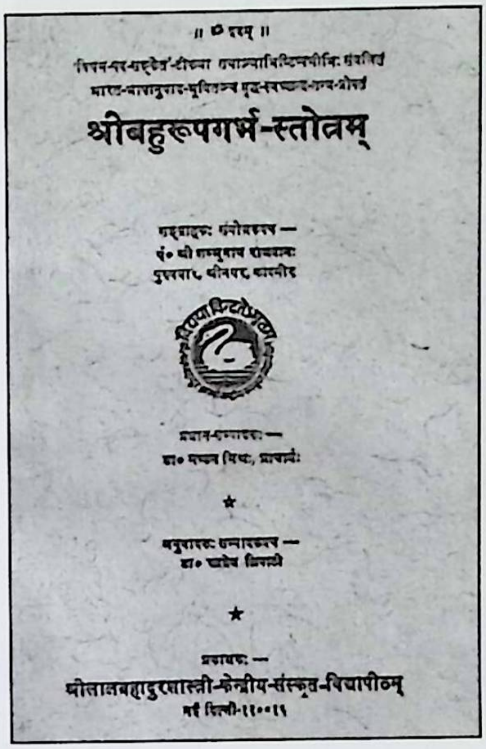

---

102. श्रीमद्भागवतीयं सांख्यम् मूल्य : 70.00

डॉ. बदरीनारायण पञ्चोली द्वारा विरचित यह ग्रन्थ वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध प्रबन्ध है। इसमें श्रीमद्भागवत महापुराण में प्रतिपादित ज्ञान का और विशेष रूप से सृष्टिप्रक्रिया का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया है।

SHRIMAD BHAGAVATIYAM SANKHYAM Rs. 70.00

This is a thesis presented by Dr. Badrinarayana Pancholi for the degree of Doctor of Philosophy to Sanskrit University, Varansi it contains a comprehensive analysis of Sankhya tenents with special emphasis on process of evolution as propounded in Shrimad Bhagavata Mahapu rana.

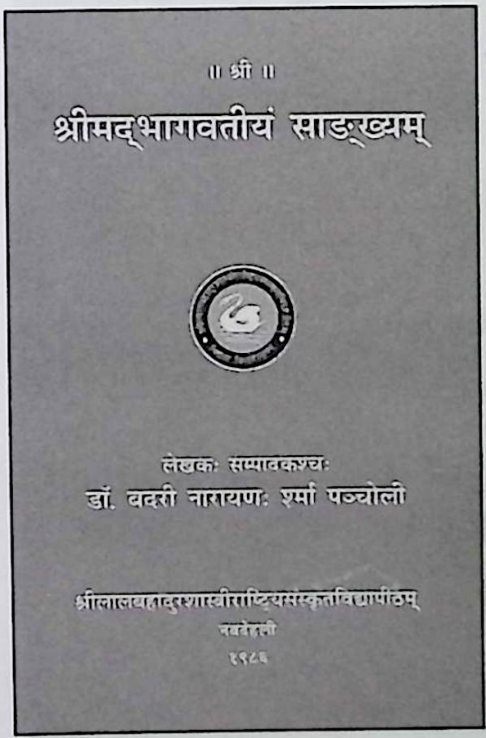

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

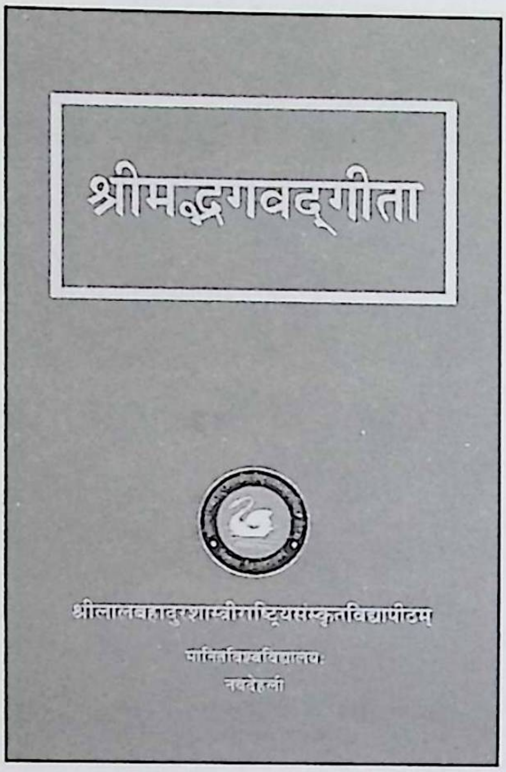

103. श्रीमद्भगवद्गीता **मूल्य : 520.00**

श्रीशंकराचार्य भाष्य, आनन्दगिरिव्याख्या, नीलकण्ठीव्याख्या, मधुसूदनी व्याख्या, भाष्योत्कर्षदीपिका, श्रीधरीव्याख्या तथा अभिनवगुप्त व्याख्या, 7 टीकाओं से संबलित है।

SHRIMADBHAGWATGEETA (7 COMMENTRIES) **Rs. 520.00**

This books comprises 7 commentaries on the "Srimadbhagvadgita' for example Sri Sankaracharya's, Anandgiri's, Neelkantha's, Madhusudana's, Sridhara's, Abhinavgupta's and Bhasyotkarshdeepika.

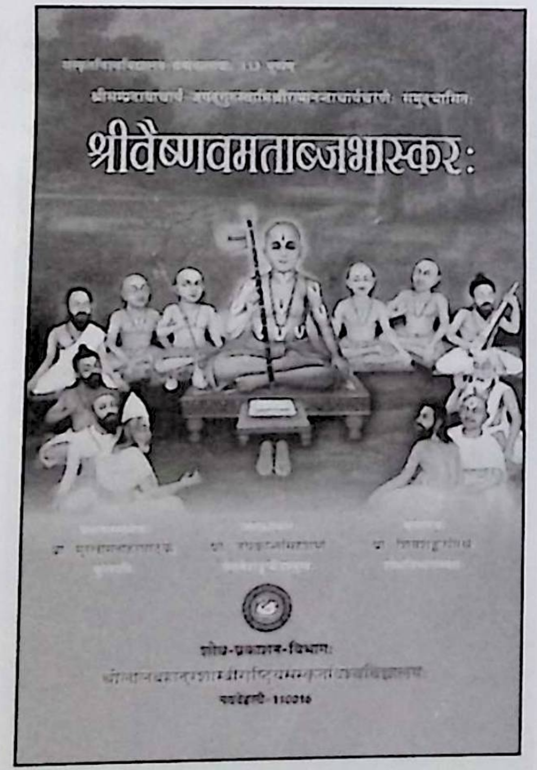

104. श्रीवैष्णवमताब्जभास्करः

मूल्य : 350.00

प्रकृत पद्यात्मक आद्यजगद्गुरुश्रीरामानन्दाचार्य द्वारा रचित ग्रन्थ है। इसमें उनके शिष्य श्री सुरसुरानन्द द्वारा उत्थापित दस मौलिक दार्शनिक प्रश्नों का समाधान आचार्य द्वारा किया गया है। इसकी संस्कृत व्याख्या प्रो. जयकान्तसिंह शर्मा ने की है तथा इसका सम्पादन प्रो. शिवशंकर मिश्र ने किया है।

SHRIVAISHNAVAMATABJ BHASKAR
Rs. 350.00

Prakrit Padyatmaka is composed by Adyajagadguru Sri Ramanandacharya. In this book, the ten fundamental philosophical questions raised by his disciple Shri Sursuranand have been resolved by Acharya. Its Sanskrit interpretation has been done by Prof. Jaikant Singh Sharma It has been edited by Prof. Shivshankar Mishra.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

105. श्रीसुभगोदयस्तुतिः मूल्य : 40.00

श्री राजराजेश्वरी भगवती महात्रिपुरसुन्दरी की परम पूज्य श्री गौडपादाचार्य विरचित "श्रीसुभगोदयस्तुतिः" है उक्त ग्रन्थ का परिशीलन एवं सम्पादन डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी जी द्वारा किया गया है साधकों के लिए अत्यन्त उपादेय ग्रन्थ है।

SHRISUBHGKADYASTUTI Rs. 40.00

Composed in original by Sri Gaudpadacharya, this book is edited by Dr. Rudradeva Tripathi and is very relevant for the devotees.

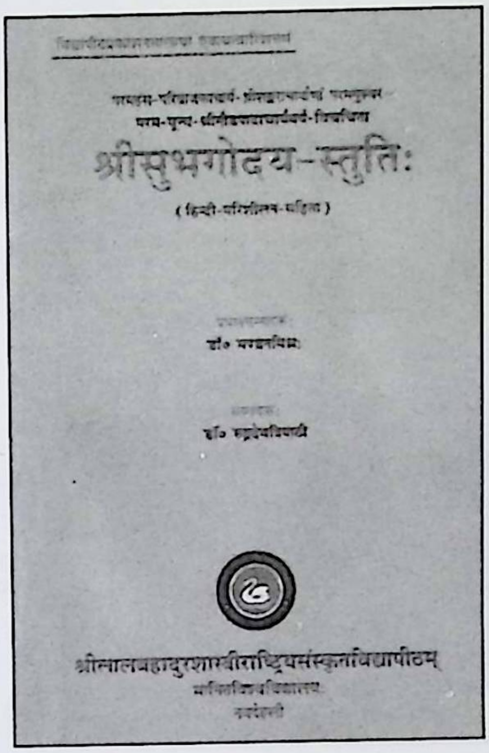

---

106. श्रौतयज्ञविश्लेषणम् मूल्य : 280.00

देवयाज्ञिक पद्धति के आधार पर श्रौतयज्ञ विश्लेषणम् डॉ. सुन्दरनारायण झा शोध प्रबन्ध का परिष्कृत ग्रन्थ है। यह ग्रन्थ सात अध्यायों में विभक्त है।

SHROTYAGYA VISHLEKSHANAM
Rs. 280.00

Divided into 7 chapters, this book is a dissertation on which Dr. Sunder Narayan Jha, Asst. Professor of Dept. of Veda was conferred upon 'Vidya-vachaspati' by Sri K.S.D. Sanskrit Vishwavidyalaya.

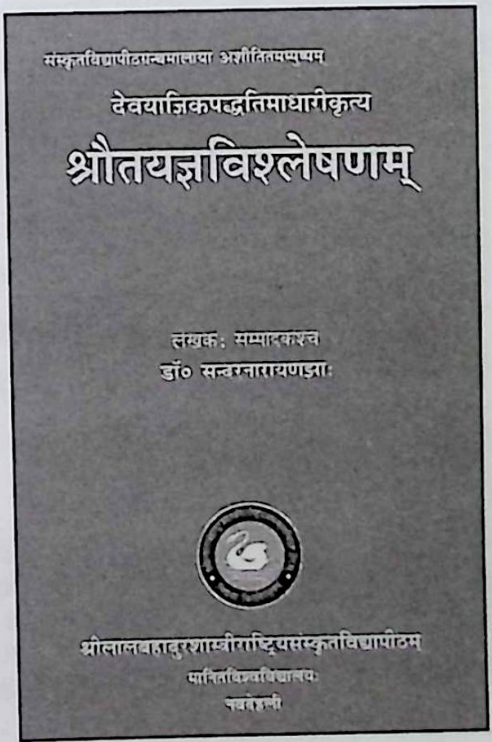

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

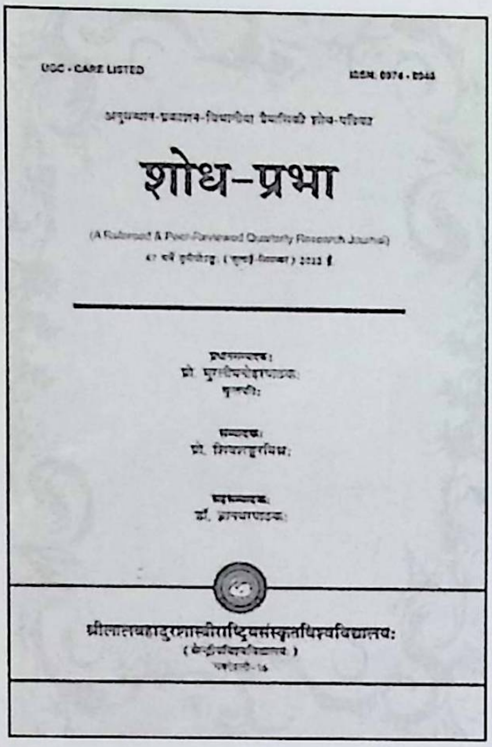

107. शोध-प्रभा

यह विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक शोध पत्रिका है। इसमें अनेक प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखित शोधलेख प्रकाशित किये जाते हैं। समय-समय पर इसके कुछ विशेषांक भी प्रकाशित होते हैं। इसके साधारण अंक का मूल्य रू. 125/- है। इस पत्रिका की वार्षिक-सदस्यता रू. 500/- पंचवार्षिक-सदस्यता राशि रू. 2000/- तथा आजीवन सदस्यता राशि रू. 5000/- में प्राप्त की जा सकती है। इसके विशेषांकों का मूल्य ग्रन्थ के आकार-प्रकार के आधार पर स्वतंत्र रूप से निर्धारित है, जिसे अलग रूप से देखा जा सकता है।

SHODHA PRABHA

This is the quarterly research journal brought out by the Vidyapeetha. High level research articles written by established scholars find place here. The special issues of this quarterly have been published in many occassions. The ordinary issue of this cost Rs. 125/- The Annual subscribtion can be availed by paying Rs. 500/- Five Years membership Rs. 2000/- and Life time membership Rs.5000/- only. The price of the special issues is fixed on the basis of the shape and size of the concerned issue which can be viewed in a different way.

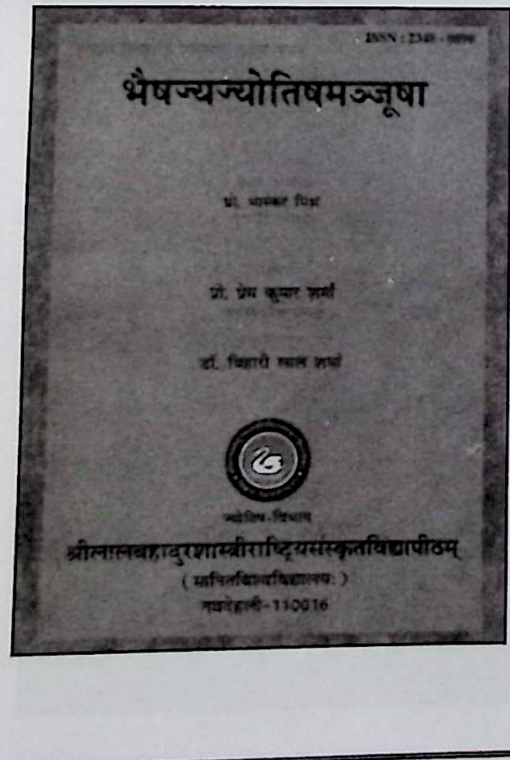

108. भैषज्य ज्योतिष मञ्जूषा

मूल्य: 150.00

ज्योतिष विभाग द्वारा ज्योतिष शास्त्र में वर्णित विभिन्न रोगों के ऊपर विभिन्न विद्वानों द्वारा लिखित शोध-निबन्धों के संग्रह हैं। इसके चार पुष्प प्रकाशित हैं प्रत्येक पुष्प का मूल्य 150 रु. है।

BHAISHAJYA JYOTISH MANJUSA
Rs. 150.00

It comprises the articles written by various scholars from Department of Jyotish on the description of diseases in Jyotish Shastra. 4 volumes published of this book and each volume price is Rs. 150.00

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

109. वास्तुशास्त्रविमर्श **मूल्य: 200.00**

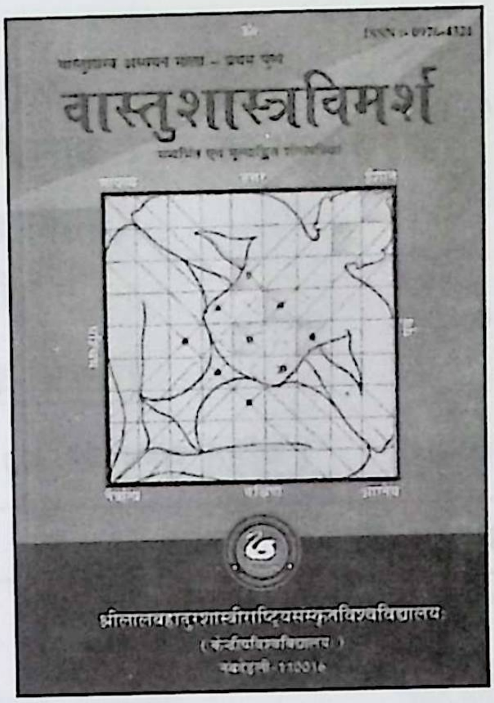

विद्वानों के वास्तुशास्त्र पर गहन चिन्तन परक लेखों के संग्रह हैं। इनका सम्पादन वास्तुशास्त्र-विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया है। अब तक 13 पुष्प प्रकाशित हैं। प्रत्येक पुष्प का मूल्य रु. 200.00 है।

VASTUSHASTRA VIMARSH
Rs.: 200.00

Published in 13 volumes, each volume price is Rs. 200.00. This work deals with the socially important branch of Jyotish Shastra, namely, Vastushastra. It is published under the chairmanship of the head of the department and the editorship of faculty mambers.

---

110. विद्यापीठ पंचांग
मूल्य निर्धारण प्रतिवर्ष किया जाता है।

दिनांक 5 अक्टूबर, 1982 को विद्यापीठ में सम्पन्न पंचांग संगोष्ठी के निर्णयानुसार भारत की राजधानी दिल्ली को आधार मानकर चित्रापक्षीय एवं निरयणपद्धति से विद्यापीठ–पंचांग का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पंचांग में दैनिक स्पष्ट ग्रह, दैनिक लग्न सारिणी, उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों की लग्न सारणियां, जन्मपत्री एवं वर्षफल गणित की सुगम सारणियां, व्रत, पर्व एवं उत्सवों की वर्गीकृत सूची, मांगलिक मुहूर्त, लोक भविष्य एवं मेलापक जैसे लोकोपयोगी विषयों का समावेश किया जाता है। गत 40 वर्षों से प्रकाशित पंचांग का प्रकाशन किया जा रहा है।

VIDYAPEETHA-PANCHANGA **Price is to be fixed every year**

The Panchang was started on in 5th Oct. 1982 Vidyapeetha. This Panchanga contains a comprehensive account of spashta-Graha of every day, ascendant tables of every day alongwith ascendant tables of main cities of India, tables for calculating Varsha phala and casting' horoscopes, list of various fasts and festivals, auspicious Muhurtas, forecastes and melapaka, This is being published for the last fourty years.

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110016

विश्वविद्यालय-प्रकाशन

(मुद्रित मूल्य पर 40 प्रतिशत छूट के साथ विक्रय)

क्र.सं.	ग्रन्थ का नाम	मुद्रित मूल्य
1.	अजातशत्रु	26.00
2.	अथर्वसंहिता विधान	....
3.	अद्वैत वेदान्त में आभासवाद	410.00
4.	अध्यापक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ	280.00
5.	अध्यापक शिक्षा में मूल्यमीमांसा वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	325.00
6.	अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्ति (चार भाग)	....
7.	An Anthology of Sanskrit Classics in English Translation	80.00
8.	अध्यापक शिक्षा के संवर्धन में कौशल विकास	325.00
9.	अनुसन्धान सम्पादन प्रविधिः	500.00
10.	अभिनव क्रीडातरङ्गिणी	....
11.	अवयवतत्त्वचिन्तामणिदीधितिविद्योतः	300.00
12.	अहिंसा दर्शन	160.00
13.	इन्दिरा-कीर्ति-कौमुदी	55.00
14.	21वीं सदी के परिदृश्य में शिक्षकों का व्यावसायिक संवर्द्धन	700.00
15.	ऋग्वेद-कवि-विमर्शः	....
16.	ऋग्वेदीय शाखा-संहिताओं का समीक्षात्मक अध्ययन	350.00
17.	ऋतु इन संस्कृत लिट्रेचर	110.00
18.	कात्यायनश्रौतसूत्रम् (दो भाग)	....

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

19.	कारिकावली	450.00
20.	किरातार्जुनीय महाकाव्य में औचित्य विमर्श	350.00
21.	कृष्णयजुर्वेदीय-तैत्तिरीय संहिता (दो भाग)	....
22.	गायत्री वरिवस्या	....
23.	गीतगोविन्दम् (चार भाग)	3000.00
24.	चित्रबन्धावतारिका	50.00
25.	जैमिनी न्यायमाला (धर्मभेदाध्याय)	200.00
26.	जैमिनीय न्यायमाला (प्रमाणाध्याय)	150.00
27.	दायभागः	270.00
28.	The Structure of Indian Mind	160.00
29.	द्विवर्षीय अध्यपक शिक्षा कार्यक्रम : समीक्षात्मक विश्लेषण	300.00
30.	दीपिका-सर्वस्वम्	350.00
31.	दीक्षान्त भाषण संग्रह	100.00
32.	देवीपुराण	270.00
33.	दृक्तुल्यपञ्चाङ्गगणितमीमांसा	650.00
34.	ध्वनिसिद्धान्तमूलम्	300.00
35.	नित्यकर्मप्रकाशः	90.00
36.	पञ्चलक्षणी	135.00
37.	पञ्चामृतम्	15.00
38.	पर्यावरण एवं भारतीय नारी	330.00
39.	प्रत्यक्षागमप्रमाणोल्लासः	250.00
40.	प्रमेय पारिजात	115.00
41.	प्रमाण-प्रमोदः	7.50
42.	प्रवचनपारिजातः (भाषण-सङ्ग्रहः)	95.00
43.	पाणिनि कात्यायन एण्ड पतञ्जलि	55.00
44.	प्राकृत भाषा अभिलेख	....
45.	पुराण पारिजात	....
46.	बदलते शैक्षिक परिदृश्य में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य	500.00

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

47.	ब्रह्मसिद्धिः	380.00
48.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (परिचयखण्डः)	210.00
49.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (सांस्कृतिकखण्डः)	170.00
50.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (काव्यशास्त्रीयखण्डः)	230.00
51.	भट्टमथुरानाथस्य काव्यशास्त्रीयनिबन्धाः	90.00
52.	भारतीयदर्शनेषु वादविमर्शः	700.00
53.	भारतीयचिन्तने स्याद्वादः	175.00
54.	भारतीय वाङ्मय में योग परम्परा	350.00
55.	भारतीय संस्कृति के नये आयाम	140.00
56.	भारतीय वृष्टिविज्ञान परिशीलन	350.00
57.	भास्करीय गोलमीमांसा	450.00
58.	भोजप्रबन्धः	225.00
59.	मीमांसा-प्रवेशिका	260.00
60.	मीमांसान्यायप्रकाश	100.00
61.	यजुर्वेदे वैश्विक चिन्तनम्	600.00
62.	योग का महत्त्व एवं सिद्धान्त	330.00
63.	योगमकरन्दः	200.00
64.	राघवाह्निकम्	....
65.	रामायणम् (तिलक टीका-दो भाग)	....
66.	रामायण और भारत संस्कृति	115.00
67.	लक्षणावादः	700.00
68.	वेदवेदाङ्गोन्मेषः	350.00
69.	विशदपाण्डुग्रन्थसूची	340.00
70.	वेधशाला परिचय पुस्तिका	25.00
71.	वैदिकऋषिदृष्टिसमीक्षा	300.00
72.	वैदिक दर्शन विमर्श	300.00
73.	वैदिक विज्ञान	166.00
74.	व्रतों से रोग निवारण	300.00

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

75.	व्याख्यान-वल्लरी	....
76.	व्याप्तिपञ्चकं सिंहव्याघ्रलक्षणञ्च	250.00
77.	शतकत्रयम्	75.00
78.	शाबरभाष्यम्	110.00
79.	शास्त्र-दीपिका - (प्रथमभागः)	260.00
80.	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	340.00
81.	शिशुपालवधकाव्यानुशीलनम्	240.00
82.	शिशुपालवध : एक परिशीलन	1050.00
83.	शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता (मूल)	....
84.	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनसंहिता) प्रथम दशक हिन्दी व्याख्या	....
85.	शैक्षिकानुसन्धानं बुद्धिश्च मूल्य	300.00
86.	शैवाद्वयविंशतिका	75.00
87.	संचारी भावों का शास्त्रीय अध्ययन	20.00
88.	संस्कृतशिक्षणम्	550.00
89.	सर्वदर्शन-समन्वयः	55.00
90.	संज्ञानात्मकोपलब्धयः	200.00
91.	संसरणम्	75.00
92.	संस्कार-भास्करः	300.00
93.	संस्कारप्रकाश	....
94.	संशयवाद	210.00
95.	सांख्यकारिका	300.00
96.	सिद्धान्तकौमुदी	360.00
97.	सिद्धित्रयम्	60.00
98.	सिद्धसिद्धान्तपद्धतिः	370.00
99.	श्रीदामचरितम्	....
100.	श्रीपदार्थदीपिका	210.00
101.	श्रीबहुरूपगर्भस्तोत्रम्	....

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

102.	श्रीमद्भागवतीयं सांख्यम्	70.00
103.	श्रीमद्भगवद्गीता	520.00
104.	श्रीवैष्णवमताब्जभास्कर	350.00
105.	श्रीसुभगोदयस्तुतिः	40.00
106.	श्रौतयज्ञविश्लेषणम्	280.00
107.	शोध-प्रभा	125.00
108.	भैषज्य ज्योतिष मञ्जूषा	150.00
109.	वास्तुशास्त्रविमर्श	200.00
110.	विद्यापीठ पंचांग	....

❖❖❖

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)

बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

विश्वविद्यालयेन अधोलिखिताः इमे नियमितांशकालीनपाठ्यक्रमाः सञ्चालयन्ते-

अंशकालीनपाठ्यक्रमाः

क्र.सं.	पाठ्यक्रमस्य नाम	विषयाः
1.	प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमाः (षाण्मासात्मकाः)	1. ज्योतिषप्रवेशिकापाठ्यक्रमः, 2. वास्तुशास्त्रप्रमाणपत्रीयपाठ्यक्रमः, 3. योगप्रमाणपत्रीयपाठ्यक्रमः, 4. पौरोहित्य (कर्मकाण्डः) प्रशिक्षणप्रमाणपत्रीयपाठ्यक्रमः, 5. जैनविद्याप्रमाणपत्रीयपाठ्यक्रमः, 7. पाण्डुलिपिविज्ञानाभिलेखपाठ्यक्रमः।
2.	डिप्लोमा-पाठ्यक्रमाः (एकवर्षात्मकाः)	1. ज्योतिषप्राज्ञडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 2. भैषजज्योतिषडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 3. वास्तुशास्त्रडिप्लोमापाठ्यक्रमः 4. स्नातकोत्तरयोगडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 5. पौरोहित्यडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 6. संस्कृतभाषापत्रकारिताडिप्लोमापाठ्यक्रमः 7. जैनविद्याडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 8. संस्कृतवाङ्मयडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 9. सङ्गणक-अनुप्रयोगडिप्लोमापाठ्यक्रमः 10. संस्कृतव्याकरणप्रायोगिकप्रशिक्षणसम्भाषणडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 11. योग-एवं नैचुरोपैथीस्नातकोत्तरडिप्लोमापाठ्यक्रमः।
3.	एडवांस-डिप्लोमा-पाठ्यक्रमाः (वर्षद्वयात्मकाः)	1. ज्योतिषभूषण-एडवांसडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 2. वास्तुशास्त्र-एडवांसडिप्लोमापाठ्यक्रमः, 3. वास्तुशास्त्रस्नातकोत्तरडिप्लोमापाठ्यक्रमः।

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

केन्द्रीयविश्वविद्यालयः

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त

बी-4, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

दूरभाषः 011-46060502

ई-मेलसङ्केतः shodhaprabhalbs@gmail.com

वेबसाईटसङ्केतः www.slbsrsv.ac.in

CC-0. Nepal Sanskrit Academy, Kathmandu Collection